त्रिगुट

देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

गोण्डा सोमवार 23 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 66 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स–05262-230683 डाक पंजीयन संख्या–NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ– 8 मूल्य 2.00 रुपये

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर–गोण्डा

मो0–9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

अल्पसंख्यकों से जुड़ने के लिए भाजपा शुरू करेगी सद्भावना यात्रा

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव से पहले अल्पसंख्यक समुदायों तक पहुंचने के लिए भारतीय जनता पार्टी देश भर में सद्भावना यात्रा शुरू करने की तैयारी में है। इस यात्रा का लक्ष्य भारत के 543 मुस्लिम बहुल लोकसभा क्षेत्रों से जुड़ना है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने बताया कि इस सद्भावना यात्रा का उद्देश्य मुस्लिम, सिख, जैन और पारसी समुदाय को केंद्र की मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से परिचित कराना है। मोर्चा के मीडिया समन्वयक यासिर जिलानी ने बताया कि यह यात्रा देशभर के 65 लोकसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी और दिसंबर के दूसरे सप्ताह में शुरू होकर फरवरी तक समाप्त होगी। इस यात्रा की योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने के लिए, मोर्चा ने अपने राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर समितियों की स्थापना की है।

मुख्यमंत्री ने जनपद अयोध्या में 'मिशन महिला सारथी' का शुभारम्भ किया

प्रदेश में बस स्टेशन एयरपोर्ट की तर्ज पर बनेंगे, इस पर कार्य प्रारम्भ हो चुका–योगी आदित्यनाथ

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज शारदीय नवरात्रि की अष्टमी तिथि है। देश व प्रदेश में जगत जननी मां भगवती के आठवें रूप महागौरी की पूजा और अनुष्ठान किया जा रहा है। आज महाष्टमी की तिथि पर 'मिशन शक्ति' के क्रम में 'मिशन महिला सारथी' का शुभारम्भ किया जा रहा है। यहां से 51 बसें प्रदेश की अलग–अलग जगहों के लिए जाएंगी। इन बसों की चालक और परिचालक महिलाएं हैं। परिवहन निगम की बसों में चालकों और परिचालकों के रूप में महिलाओं का होना गर्व की बात है। अब बेटियां फाइटर पायलट भी बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री जी आज जनपद अयोध्या में 'मिशन महिला सारथी' का शुभारम्भ करने के पश्चात इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने 51 साधारण बी0एस0–टप् बसों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया तथा 'मिशन महिला सारथी' के प्रतीक का अनावरण किया। भारतीय समाज ने इस मान्यता को प्रमुखता के साथ आगे बढ़ाया है कि जिस समाज में नारी का सम्मान तथा गरिमा की रक्षा होगी, वह समाज सशक्त व आत्मनिर्भर बनेगा। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से प्रदेश सरकार शारदीय नवरात्रि की प्रथम तिथि से नारी गरिमा की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन के लिए मिशन शक्ति के चतुर्थ चरण का कार्य निरन्तर आगे बढ़ा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस और प्रदेश शासन की विभिन्न सेवाओं में डेढ़ लाख से अधिक बहन–बेटियों को नियुक्ति प्रदान की गई है।

इलेक्ट्रिक बसें एक बार चार्ज होने पर 300 किलोमीटर आसानी से चल सकती हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए एक नीति बनाई है। जो व्यक्ति इलेक्ट्रिक बस खरीदेगा, प्रदेश सरकार उसको एक बस के लिए एक बार में 20 लाख रुपए तक की सहायता प्रदान करेगी। स्कूल, कॉलेज, परिवहन निगम में अनुबन्धित करने व सिटी बस सेवा के लिए बस खरीदने पर प्रदेश सरकार रूट उपलब्ध कराएगी। यदि परिवहन निगम और नगर विकास विभाग द्वारा बसों के लिए जगह–जगह चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाते हैं तो एक प्रदूषण मुक्त व्यवस्था आम नागरिकों को प्राप्त हो सकेगी। प्रदेश में शीघ्र ही इलेक्ट्रिक बसों के निर्माण का कार्य भी प्रारम्भ हो जाएगा, यह क्षण अत्यन्त महत्वपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम सभी ने परिवहन निगम की कार्य कुशलता को प्रयागराज कुम्भ–2019 में देखा है। इस दौरान बसों द्वारा 24 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं को संगम स्नान के लिए और प्रयागराज के अलग–अलग स्थानों पर जाने का अवसर प्राप्त हुआ था। इस सदी की सबसे बड़ी महामारी कोविड–19 के समय प्रदेश के 40 लाख तथा बड़ी संख्या में विभिन्न राज्यों के लोग विस्थापित होकर अपने घरों के लिए पैदल चले थे, तब उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने इस चुनौती को स्वीकार किया था। परिवहन निगम की 11 से 12 हजार बसों के बेड़े के साथ चालक और परिचालक प्रदेश की सीमाओं पर डटे हुए थे। प्रदेश के नागरिकों को उनके घरों तक पहुंचाने का कार्य परिवहन निगम की बसों द्वारा किया गया। अन्य राज्यों के लोगों को भी प्रदेश की सीमा तक पहुंचाने का कार्य किया गया।संकट के समय जो साथ खड़ा हो, वही सच्चा साथी होता है। परिवहन निगम आपके संकट का साथी है। इस अवसर पर मिशन महिला सारथी पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम को परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, प्रमुख सचिव परिवहन श्री एल0 वेंकटेश्वर लू ,प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना श्री संजय प्रसाद व शासन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने ऋषभनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में दर्शन–पूजन किया तथा साध्वी ज्ञानमती माता से भेंट की।

मणिपुर के बॉर्डर एरिया में फोर्स बढ़ाई गई

इम्फाल (ईएमएस)। मणिपुर के सीमावर्ती इलाकों में पुलिस कमांडो की संख्या बढ़ा दी गई है। इसके खिलाफ म्यांमार की सीमा से लगे मोरे शहर में आदिवासी महिलाओं का एक वर्ग बीते 3 दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहा है। कुकी इंपी और कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी जैसे आदिवासी संगठनों ने दावा किया कि शहर में इंफाल घाटी से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है। इससे शांति भंग हो सकती है। वहीं, राज्य में हो रही हिंसा की घटनाओं को लेकर इंटरनेट पर बैन 26 अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया है।

कुकी संगठन का दावा– रात को हेलिकॉप्टर से मैतेई पुलिस की तैनाती की जा रही कुकी इंपी संगठन का दावा है कि शहर के बफर जोन में पैरामिलिट्री फोर्स और इंडियन आर्मी के जवान काफी संख्या में तैनात हैं। इसके बावजूद कुकी बहुल शहर टेंग्नौपाल जिले के मोरेह में रात को हेलिकॉप्टर से अतिरिक्त मैतेई पुलिस की तैनाती की जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इम्फाल पूर्वी जिले में हाल के अभियानों में हथियारों और गोला–बारूद की बरामदगी कुकी समुदाय को बदनाम करने के लिए की गई है। इसलिए भी हम प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, सैन्य अधिकारियों का कहना है कि असम राइफल्स के एक कमांडेंट और अन्य सुरक्षा अधिकारियों ने पिछले कुछ दिनों में प्रदर्शनकारियों के साथ कई बार बातचीत की, लेकिन इसका अभी तक समाधान नहीं हुआ।तीन दिन पहले मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य के आदिवासी संगठनों को 27 मार्च के आदेश के खिलाफ अपील दायर करने की अनुमति दी थी।

एक साथ दो व्हाट्सएप अकाउंट लॉग इन कर सकेंगे यूजर्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोशल मीडिया प्लेटफार्म कंपनी मेटा के मालिक मार्क जुकरबर्ग ने घोषणा की कि व्हाट्सएप यूजर्स अब एक साथ दो व्हाट्सएप अकाउंट लॉग इन कर सकते हैं। व्हाट्सएप जल्द ही एक कमाल का फीचर लॉन्च करने जा रहा है। इस फीचर के रोल आउट हो जाने के बाद व्हाट्सएप यूजर्स इंस्टाग्राम और फेसबुक की तर्ज पर ऐप के भीतर एक ही फोन पर दो व्हाट्सएप अकाउंट में लॉग इन कर सकेंगे।

मेटा ने एक बयान में कहा कि यह फीचर आने वाले हफ्तों और महीनों में एंड्रॉइड यूजर्स के लिए शुरू की जाएगी। हालांकि आईओएस यूजर्स के लिए यह फीचर कब रोल आउट किया जाएगा इसकी अब तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। मेटा ने एक ब्लॉग में कहा कि नया व्हाट्सएप मल्टीपल एकाउंट उन यूजर्स के लिए मददगार होगा जिन्हें अलग–अलग अकाउंट जैसे कि अपने काम और व्यक्तिगत प्रोफाइल के बीच स्विच करने की जरूरत होती है। इस फीचर के साथ, यूजर्स को अब हर बार अकाउंट स्विच करने या दो अलग–अलग फोन ले जाने पर लॉग आउट करने और वापस लॉग इन करने की ज़रूरत नहीं है।

इसके साथ ही गलत जगह से मैसेजिंग के बारे में चिंता करने की जरूरत भी नहीं है, इस प्रकार यूजर्स का मैसेजिंग अनुभव सरल हो जाता है। दूसरे अकाउंट को सेटअप करने के लिए, यूजर्स को दूसरे फोन नंबर और सिम कार्ड, या एक ऐसे फोन की आवश्यकता होगी जो मल्टी–सिम या द्गस्ढ्ढरूको सपोर्ट करता हो। सरल शब्दों में, एक फोन में दो व्हाट्सएप अकाउंट का उपयोग करने के लिए इन स्टेप को फॉलो कीजिए– सबसे पहले व्हाट्सएप खोलें और ऊपर दाएं कोने में तीन बिंदुओं पर टैप करें।

'सेटिंग्स' पर टैप करें और फिर 'अकाउंट' पर टैप करें।'ऐड अकाउंट' पर टैप करें और अपना दूसरा अकाउंट सेट करने के लिए निर्देशों का पालन करें। एक बार आपका दूसरा अकाउंट सेट हो जाने पर, आप ऐप के ऊपरी दाएं कोने में तीन बिंदुओं पर टैप करके और फिर 'अकाउंट' पर टैप करके दोनों अकाउंट के बीच स्विच कर सकते हैं।

जल्द ही एक कमाल का फीचर लॉन्च करने जा रहा है व्हाट्सएप

बता दें कि यूजर्स अब ऐप के भीतर एक फोन पर दो व्हाट्सएप अकाउंट तो बना सकते हैं। लेकिन यूजर्स एक से अधिक व्हाट्सएप अकाउंट बनाने के लिए एक ही फोन नंबर का उपयोग नहीं कर सकते हैं।

दस लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ एक नफर अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा द्वारा अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए थे।उक्त निर्देश के अनुक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक गोंडा के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी करनैलगंज के कुशल पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष परसपुर के कुशल नेतृत्व में थाना परसपुर पुलिस टीम द्वारा एक अभियुक्त को 10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया गया ।जिसके सम्बन्ध में थाना परसपुर में अभियोग पंजीकृत किया गया गिरफ्तार अभियुक्त रामजीत पुत्र मनीराम निवासी सोलोनी मुहम्मदपुर थाना उमरी बेगमगंज गिरफ्तार करता टीम उप निरीक्षक सोम प्रताप सिंह कांस्टेबल अभिषेक यादव थानाध्यक्ष परसपुर शामिल रहे।

जगह–जगह पर सज़ा मां दुर्गा की प्रतिमा

रानी बाजार में चंद्रयान 3 पर सजा पंडाल बना आकर्षण का केंद्र

कल्पराम त्रिपाठी

गोंडा। रानी बाजार में जय माता की सेवक संघ द्वारा आयोजित 9 दिवसीय दुर्गा पूजा पर सातवें दिन बड़े पंडाल पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। सभी महिला पुरुष भक्त लाइन की पंक्ति में लगकर जय भवानी जय माता दी की जयकारा लगाते हुए सीढ़ी चढ़कर गुफा में होते हुए मां दुर्गा और मां की तीनों पिंडी का दर्शन किया। जगह–जगह हलुआ का प्रसाद तो कहीं पूड़ी सब्जी का प्रसाद वितरण किया जा रहा था। जय माता की सेवक संघ के अध्यक्ष चन्द्र मोहन मित्तल ने बताया कि यहां पर नवरात्रि के प्रथम दिन से दर्शन करने का कार्यक्रम शुरू हैं। ये पंडाल करीब नवरात्रि से एक महीने पहले कलकत्ता के कारीगरों द्वारा बनाया जाता है। ये पंडाल करीब 105 फिट ऊंचाई तक बनाया गया है। जनपद में करीब 1200 पंडाल पर मां दुर्गा की प्रतिमा रखी जाती है मगर रानी बाजार का ये बड़ा पंडाल हर बार आकर्षण का केंद्र बना रहता है।संघ के व्यवस्थापक शिव कुमार बड़कऊ ने बताया कि इस बार शीप से मां दुर्गा की प्रतिमा बनाई गई है जो मूर्ति को सुल्तानपुर से लाया गया है। पंडाल में इस बार महालक्ष्मी , महाकाली,मां सरस्वती के साथ साथ तीन पिंडों की भी दर्शन किए जा रहे हैं ।नौ दिन का इस कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन का बहुत ही बड़ा सहयोग रहता है। जिसमें महिला पुलिस कर्मी भी काफी संख्या में सुरक्षा के लिए मौजूद रहतीं हैं।इस पंडाल में हजारों श्रद्धालुओं के दर्शन कराने के लिए जय माता की सेवक संघ के राम कुमार छोटकऊ,अलका गुप्ता,मुकेश अग्रवाल चिंटू,विशाल अग्रवाल,विजय सोनी,दीपक,संजय साहू, आनन्द गुप्ता, गुड्डू भाई,महेश मोदनवाल,राज विक्की, राज कुमार कसौधन , सहित अन्य पदाधिकारी का बड़ा सहयोग रहा। इसके अलावा रानी बाजार के पुरानी गल्ला मंडी में, कुएं पर, अग्रसेन चौराहे पर,सोनर गली, ददुआ बाजार, साहब गंज , पटेल नगर, बहराइच रोड,चौक बाजार,एकता तिराहा, फैजाबाद रोड,टामसन चौराहा,पंत नगर, जेल रोड, कचेहरी रोड,सहित कई अन्य जगहों पर मां का पंडाल सज़ा हुआं है। पूरा शहर लाइट के जगमगाता हुआ सज़ा हुआ है।

गोण्डा ने रचा इतिहास, देश के सबसे बड़े कन्या पूजन का भव्य आयोजन

11,888 कन्याओं का किया गया भव्य पूजन, उत्कृष्ट कार्यों के लिए मातृ शक्ति सम्मानित

निज संवाददाता

गोण्डा। शारदीय नवरात्रि की दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर जनपद गोण्डा रविवार को ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी बना। ऋषि मुनियों की इस पावन धरती पर एक इतिहास रचा गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नवरात्रि के अवसर पर देश के सबसे बड़े कन्या पूजन 卐शक्ति वंदन卐 समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जनपद के विभिन्न विकासखण्डों से आई 11,888 बेटियों का कन्या पूजन व महाभोज किया गया।

जिला प्रशासन की ओर से गोण्डा के शहीदे आजम सरदार भगत सिंह इंटर कॉलेज के परिसर में भव्य 卐शक्ति वंदन卐 समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में महिला स्वावलंबन और मातृ शक्ति के प्रतीक मिशन शक्ति कैफे और मिशन शक्ति वॉल का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जिले की नौ महिलाओं को नवदेवी सम्मान से भी नवाजा गया। खास बात यह है कि यह पूरा कार्यक्रम जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। कैबिनेट मंत्री महिला एवं बाल विकास बेबी रानी मौर्य ने समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उनके साथ, राज्यमंत्री महिला एवं बाल विकास प्रतिभा शुक्ला, सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा, विधायक करनैलगंज अजय कुमार सिंह, विधायक कटरा बावन सिंह, विधायक सदर प्रतीक भूषण सिंह, विधायक मेहनौन विनय कुमार द्विवेदी, विधायक तरबगंज प्रेम नारायण पाण्डेय, विधायक मनकापुर रमापति शास्त्री, विधायक गौरा प्रभात कुमार वर्मा, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप समेत भारी संख्या में गणमान्यों ने इस समारोह की भव्य को और भी बढ़ा दिया।

अतिथिगणों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की गई। समारोह में सभी गणमान्यों ने हवन कुंड में आहुति देकर देश, समाज और विश्व के कल्याण की कामना की। जनपद के विभिन्न ब्लॉकों से आई कन्याओं पूजन के साथ स्वच्छता हाईजिन किट और पोषण पोटली का वितरण किया गया। गणमान्य अतिथियों के द्वारा भी कन्या पूजन कर प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर मंडलायुक्त देवी पाटन मंडल योगेश्वर राम मिश्र, पुलिस उप महानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र अमरेन्द्र प्रताप सिंह, जिलाधिकारी नेहा शर्मा, पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल, मुख्य विकास अधिकारी एम. अरुन्मोली समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री ने किया कैफे व वॉल का लोकार्पण

समारोह की मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री महिला एवं बाल विकास बेबी रानी मौर्य ने मिशन शक्ति कैफे और मिशन शक्ति वॉल का लोकार्पण किया। मिशन शक्ति कैफे की स्थापना श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में की गई है। यह प्रदेश का पहला मिशन शक्ति कैफे है। इसका संचालन स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा किया जा रहा है। वहीं, मिशन शक्ति वॉल के माध्यम से देश और दुनिया में भारत का मान बढ़ाने वाली महिला शक्ति को जिला प्रशासन द्वारा एक नए अंदाज में सम्मानित किया गया है। बेटी बचाओ– बेटी पढ़ाओ के संदेश के साथ बनी यह वॉल देश और दुनिया में अलग–अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली देश की महिलाओं को समर्पित है। देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, रानी दुर्गावती, रानी लक्ष्मीबाई, सरोजनीनायडू से लेकर सुषमा स्वराज, सानिया मिर्जा, जिमनास्टर दीपा कर्माकर समेत 25 शख्सियतों को स्थान दिया गया है।

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ने बढ़ाया महिलाओं का सम्मान– मंत्री प्रतिभा शुक्ला

राज्यमंत्री महिला कल्याण प्रतिभा शुक्ला ने मातृशक्ति को संबोधित करते हुए आवाह्न किया कि वह सिर्फ साक्षर नहीं बल्कि शिक्षित बनें। उत्तम चरित्र की शिक्षा से सभी बेटियों का गौरव बढ़ेगा। महिलाओं एवं किशोरियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य व स्वावलंबन के लिये प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी द्वारा मिशन शक्ति अभियान फेज–4 चलाया गया है। प्रधानमंत्री द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया गया है महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इस भव्य कार्यक्रम में आई हुई सभी कन्याएं मां दुर्गा, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती का रूप है। इन तीनों देवियों की परिकल्पना पर ही पूरा संसार का निर्माण हुआ है।

नौ महिलाओं को दिया गया नवदेवी सम्मान

शक्ति वंदन समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जनपद की नौ मातृशक्तियों को नवदेवी सम्मान से सम्मानित किया गया। पुलिस विभाग क्षेत्राधिकारी सदर शिल्पा वर्मा, राजस्व विभाग की अन्नू सिंह, न्याय विभाग की शैलबाला सिंह, उद्योग जगत से उर्मिला गुप्ता, स्वास्थ्य विभाग से सुनीत मौर्या (आशा), भगहरिया पूरेमितई की ग्राम प्रधान रेखा सिंह, तरबगंज की बी.सी. सखी संध्या देवी, कंपोजिट विद्यालय–पथवलिया झंझरी की सहायक अध्यापिका वंदना मिश्रा, मुजेहना ब्लाक की आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुशीला को राज्य मंत्री द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

208 किलो कूड़े का निस्तारण सुनिश्चित

कन्या पूजन के इस भव्य समारोह की एक बड़ी उपलब्धि जीरो वेस्ट इवेंट भी रहा। इस पूरे समारोह के दौरान 138 किलोग्राम गीला कूड़ा और करीब 70 किलोग्राम सूखा कूड़ा उत्सर्जित हुआ। इसका पूर्ण रूप से निस्तारण सुनिश्चित किया गया। गीले कूड़े के निस्तापण के लिए कार्यक्रम स्तर पर कम्पोस्ट पिट तैयार किया गया था। इस कूड़े को खाद में परिवर्तित किया जा रहा है। अधिशासी अधिकारी संजय मिश्र ने बताया कि सूखे कूड़े को भी चार भागों में बांटा गया है। इसमें, गिलास, प्लास्टिक की बोतल, पेपर वेस्ट और पॉलिथीन शामिल हैं। इनका पृथक्कीकरण कार्यक्रम स्थल पर ही सुनिश्चित किया गया है। इस पृथक्कीकृत कूड़े को ड्राई वेस्ट यूनिट में भेज दिया गया है।

लक्ष्य से भी बड़ा रहा आयोजन

देश के इस सबसे बड़े शक्ति वंदन को भव्य बनाने के लिए 11 हजार बेटियों का कन्या पूजन कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। लेकिन, जिला प्रशासन की कोशिशों के नतीजा है कि लक्ष्य से आगे बढ़कर 11,888 कन्याओं का पूजन किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रेम चन्द्र यादव ने बताया कि झंझरी ब्लॉक से 2550, पण्डरी कृपाल से 1100, हलधरमऊ से 1300, कटरा बाजार से 1120, मुजेहना से 1650, मनकापुर से 590, वजीरगंज से 580, नवाबगंज से 560, परसपुर से 592, करनैलगंज से 570, बेलसर से 583, तरबगंज से 575, रुपईडीह से 565 तथा इटियाथोक से 596 बेटियां इस समारोह में शामिल हुई।

संक्षिप्त समाचार

फाल्ट से 14 गांवों की बत्ती गुल

जालौन। राहिया में आटा बिजली उपकेंद्र का ब्रेकर खराब हो गया। जिससे उपकेंद्र से जुड़े 14 गांवों में 24 घंटे से बिजली गुल है। बिजली न आने से नवरात्र पर सजे देवी पंडालों को जनरेटर से व्यवस्था करनी पड़ी। गांव में पानी का भी संकट खड़ा हो गया। गुरुवार की रात आठ बजे आटा बिजलीघर की सप्लाई ठप हो गई। 220 केवी पावर स्टेशन में लगा मैन ब्रेकर अचानक खराब हो गया। इस ब्रेकर से आटा बिजली उपकेंद्र से बिजली की सप्लाई दी जाती है। जिससे 14 गांव आटा, अकोढ़ी, संदी, तगारेपुर, पांडेयपुर, रिरुआ बरदर, बम्हौरी कलां, चमारी, पिपरायां, भभुआ, लैंकूपुरवा आदि की बिजली बंद है। किसानों की जमीनों की सिंचाई नहीं हो पा रही है। आटा के मोनू पाल, अनुज तिवारी, मनीष, अजय, आशीष, विनीत, संजय पटेल आदि का कहना है कि पिछले 24 घंटे से बिजली नहीं आई है। बिजली न आने से कई काम प्रभावित हो रहे हैं। जेई राहुल साहू का कहना है कि तकनीकी खराबी के चलते बिजली नहीं आ रही है। काम किया जा रहा है। जल्द लोगों को बिजली मिलेगी।

21 करोड़ से शहर में होंगे विकास कार्य

जालौन। नगर पालिका की दूसरी बोर्ड बैठक शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी एवं पालिकाध्यक्ष अरविंद कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में सभासदों ने 21 करोड़ से अधिक के प्रस्ताव सर्वसम्मत से पारित किए गए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे क्षेत्रीय विधायक ने कहा कि आप सभी के सहयोग से ही नगर का चहुमुखी विकास हो सकता है। आप सभी सदस्य मिलजुल कर सहयोग करें। लेखाकार हरिभूषण चौहान ने बताया कि इस बैठक में सदस्यों ने 21 करोड़ 28 लाख के प्रस्ताव को रखा गया। सभी को मंजूरी दी गई। उन्होंने बताया कि 15 करोड़ 61 लाख की आय तथा प्रारंभिक अवशेष 5 करोड़ 67 लाख रुपये की धनराशि शामिल है। इस बैठक में नगरीय सड़क सुधार योजना, कान्हा गोशाला एवं पशु आश्रय योजना, स्वच्छ भारत मिशन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना, राज्य वित्त आयोग, नया सवेरा योजना से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है। बैठक में पालिका का वर्ष 2023-24 पुनरीक्षित बजट प्रस्तुत किया गया। बैठक में पेयजल की टंकी बनाने के लिए मोहल्ला उदनपुरा में जमीन का चयन करने का प्रस्ताव पारित किया गया। वार्षिक बजट पालिका के मासिक आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर ईओ वेद प्रकाश यादव और सभासद कपिल शुक्ला, सुनील पटवा, शशि गुप्ता, नंदिनी जाटव, गीता पाल, विनीता देवी, राजू शेख, लाल खान आदि मौजूद रहे।

अध्यक्ष पद पर सात, मंत्री पद पर तीन पर्चे भरे

जालौन। बीसा अग्रवाल समिति की नवीन कार्यकारिणी के गठन के लिए शुरू हुई चुनाव प्रक्रिया में शुक्रवार को विभिन्न पदों के लिए 49 नामांकन दाखिल किए गए। सर्वाधिक प्रतिष्ठापूर्ण अध्यक्ष पद पर सात और मंत्री पद पर तीन लोगों ने पर्चे भरे। जयप्रकाश नगर स्थित अग्रवाल भवन में शुक्रवार को मुख्य चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश अग्रवाल सीनियर तथा सहायक निर्वाचन अधिकारियों ओमप्रकाश अग्रवाल जूनियर, वीरेंद्र सर्राफ, ऋषि अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, रवि की देखरेख में सुबह दस बजे शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया में अध्यक्ष पद पर मनीष भदौरिया, सत्येंद्र कुमार, अजय अग्रवाल, अनिल सर्राफ, रामेश्वर दयाल अग्रवाल, संतोष बजाज, विजय अग्रवाल ने पर्चे भरे। मंत्री पद पर महेंद्र अग्रवाल, महेश डोली व अवधेश इकडस्या ने नामांकन दाखिल किए। उपाध्यक्ष पद पर पारसमणि अग्रवाल, वेदप्रकाश अग्रवाल, दीपेंद्र, अनिल तोस्वामी, ब्रजविहारी मुखिया, उपमंत्री पद पर दीपक अग्रवाल, रवि गोयल, ऑडीटर पद पर दिलीप पंसारी, आशुतोष अग्रवाल, भंडारी पद पर राममोहन, संतोष तोस्वामी ने नामांकन किए। कार्यकारिणी के 32 सदस्यों के लिए कुल 24 नामांकन आए। लिहाजा सभी सदस्यों के निर्विरोध चुने जाने में कोई अड़चन नहीं है। नाम वापसी 24 अक्टूबर को सुबह 11 से शाम 3 बजे तक हो सकेगी। आवश्यक हुआ तो मतदान 29 अक्टूबर को सुबह 9 से 3 बजे तक होगा। उसी दिन परिणामों की घोषणा कर दी जाएगी।

रिश्वत के लिए किसान को फोन कर बुलाया, वो साथ में एंटी करप्शन टीम ले आया, ऐसे पकड़ा गया घूसखोर लेखपाल

जौनपुर। जमीन पर कब्जा दिलाने के नाम पर पांच हजार रुपये रिश्वत लेते समय मड़ियाहूं के एक लेखपाल को एंटी करप्शन की टीम ने पकड़ लिया। एक महीने के भीतर यह दूसरी गिरफ्तारी है। जौनपुर जिले में इन दिनों भ्रष्टाचार के मामले कुछ ज्यादा बढ़े हैं। शनिवार को जमीन पर कब्जा दिलाने के नाम पर पांच हजार रुपये रिश्वत लेते समय मड़ियाहूं के एक लेखपाल को एंटी करप्शन की टीम ने पकड़ लिया। एक महीने के भीतर यह दूसरी गिरफ्तारी है। मड़ियाहूं तहसील के सरौना गांव निवासी प्रभुनाथ सरोज से उनके गांव के लेखपाल सत्येंद्र दत्त द्विवेदी उनकी ही जमीन पर कब्जा दिलाने के नाम पर पांच हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। जिसकी शिकायत उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण संगठन की वाराणसी इकाई के प्रभारी इंस्पेक्टर नीरज कुमार सिंह से की। दोपहर इंस्पेक्टर ने प्रभुनाथ सरोज केमिकल युक्त नोट दिया। इसके बाद उसने ले लेखपाल सत्येंद्र दत्त द्विवेदी को फोन किया और पैसे देने के लिए मछलीशहर रोड स्थित एक बिल्डिंग सामग्री की दुकान के पास बुलाया। आरोप है कि लेखपाल ने जैसे ही घूस लिया, वैसे ही भ्रष्टाचार निवारण संगठन की ट्रैप टीम ने दबोच लिया। जब लेखपाल का हाथ धुलवाया तो उनका हाथ गुलाबी हो गया। टीम की तहरीर पर पुलिस ने लेखपाल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया।

30 फुट गहरे कुएं में डूबने से दुकानदार की मौत

झांसी। पूंछ के जरहाकला गांव में करीब 30 फुट गहरे कुएं में गिर जाने से एक दुकानदार की मौत हो गई। कुएं के बाहर उसकी चप्पल एवं मोबाइल रखा था। ग्रामीणों ने किसी तरह से शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पूंछ के जरहाकला निवासी वीरपाल (40) पुत्र जयकरण सिंह किराने की दुकान चलाता था। परिजनों के मुताबिक बृहस्पतिवार रात दुर्गा मंडप में भजन सुनने गया था। रात में घर लौटकर नहीं आया। शुक्रवार सुबह वीरपाल ने दुकान नहीं खोली। इसके बाद परिजनों ने तलाश शुरू की। गांव के बाहर स्थित कुएं के बाहर उसका मोबाइल और चप्पल रखी मिली। कुएं में पानी भरा था। अंदर देखने पर वीरपाल नजर आया। लोहे का कांटा मंगा कर उसे बाहर निकाला गया। तब तक उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक वीरपाल की अभी तक शादी नहीं हुई थी। वहीं, थानाध्यक्ष अरूण कुमार तिवारी का कहना है कि वीरपाल शराब पीने का आदी था। आशंका जताई जा रही कि शराब के नशे में वह कुएं में गिर पड़ा।

पीईटी में शामिल होंगे 66432 छात्र-छात्राएं

झांसी। जिले में 37 केंद्रों पर 28 और 29 अक्तूबर को प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) होगी। दो पालियों में होने वाली परीक्षा में 66432 छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। शुक्रवार को एडीएम एक सिंह ने परीक्षा की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एडीएम ने कहा कि सोशल मीडिया पर गलत अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। परीक्षा केंद्र के 500 मीटर के दायरे में आसपास ध्वनि विस्तारक यंत्र के प्रयोग, फोटो स्टेट की दुकानें, साइबर कैफे, पीसीओ आदि को सख्ती से बंद करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का मोबाइल, इलेक्ट्रानिक सामान/उपकरण, घड़ी आदि ले जाना प्रतिबंधित है। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक होगी। बैठक में एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट वरुण पांडेय, डीआईओएस राजेश कुमार मौजूद रहे।

जनता को गुमराह करने को बनाया इंडिया गठबंधन - दानिश अंसारी

जौनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश अंसारी शुक्रवार को जनपद में पहुंचे। इस दौरान डाक बंगले में पत्रकार वार्ता के दौरान वह इंडिया गठबंधन पर हमलावर रहे। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन विपक्षी राजनीतिक दलों ने केवल जनता को गुमराह करने के लिए बनाया है। इसमें राजनीतिक दल केवल निजी लाभ के लिए रोटी सेंक रहे हैं। ऐसे में इंडिया गठबंधन में दरारें आना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार तेजी से काम कर रही है। फिलिस्तीन के मुद्दे पर पीएम मोदी अपनी राय रख चुके हैं। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। जौनपुर में 12 करोड़ की लागत से आईटीआई सिद्दीकपुर में छह ट्रेड के लिए भवन व महिला छात्रावास बनाया जा रहा है और 53 करोड़ की लागत से पीएम जन विकास कार्यक्रम के तहत शासन में प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही पूर्वांचल के अन्य जिलों में भी विकास कार्य चल रहे हैं। डबल इंजन की सरकार मुसलमानों के हित में काम कर रही है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से शादी अनुदान को खत्म करने के बाबत उन्होंने कहा कि उसको समाज कल्याण विभाग से जोड़ दिया गया है। प्रदेश की सरकार हर योजना का लाभ पात्रों तक पहुंचाने का काम कर रही है। भाजपा सरकार में मुसलमान पूरी तरह से सुरक्षित है। अपराधी केवल अपराधी होता है, आज यूपी के लॉ एंड ऑर्डर की चर्चा पूरे देश में होती है। इस मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष मेराज हैदर, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी राजेश कुमार खरवार, रवि, ताहिर रजा, मौलाना हसान, पूर्व सभासद सदफ आदि मौजूद रहे।

अव्यवस्थाओं पर बिफरे कमिश्नर, अधीनस्थों को लगाई फटकार

कौशांबी। मंडलायुक्त ने शुक्रवार को जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का हाल जानने के लिए संयुक्त जिला अस्पताल के साथ दो स्वास्थ्य केंद्रों का भी निरीक्षण किया। अव्यवस्थाओं और मनमानी पर कड़ी नाराजगी जताई।

संयुक्त जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान कमिश्नर विजय विश्वास पंत ने वार्ड में भर्ती मरीजों से पूछताछ की। इस दौरान डेंगू वार्ड के 16 नंबर बेड पर भर्ती एक मरीज को चिकित्सकों ने प्रयागराज रेफर कर दिया था, जबकि उसकी स्थिति कमिश्नर को ठीक दिखी।

इस पर चिकित्सकों और कर्मचारियों को फटकार लगाई। कमिश्नर डिजिटल एक्स-रे और सिटी स्कैन का निरीक्षण कर रहे थे, तभी नगर के गल्लामंडी निवासी पवन आ गए। पर्चा दिखाते हुए बताया कि बेटा बीमार है। चिकित्सक ने अल्ट्रासाउंड की सलाह दी। जांच कराने पहुंचा तो एक महीने बाद की तारीख दे दी गई। तीमारदार की बात सुन कमिश्नर का बिफर गए। अल्ट्रासाउंड करने वाले चिकित्सक को फटकार लगाई। डेट देने वाले इंटर्नशिपकर्मी अरविंद कुमार को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। कार्रवाई के लिए उसके कॉलेज को भी पत्र लिखने की बात कही। कई वार्डों की खिड़कियों में उन्हें जाली नहीं मिली। सीएमएस डॉ. एसके शुक्ला को तुरंत जाली लगवाने के आदेश दिए। उनके साथ डीएम सुजीत कुमार, सीडीओ रवि किशोर त्रिवेदी, सीएमओ डॉ. सुष्पेंद्र कुमार मौजूद रहे।

कमिश्नर को बंद मिला हेल्थ एटीएम

कमिश्नर को सीएचसी आलमचंद में हेल्थ एटीएम बंद मिला। डेंगू वार्ड की खिड़कियों में जाली नहीं लगी थी। प्रभारी चिकित्साधिकारी सुनील सिंह को तत्काल हेल्थ एटीएम शुरू कराने और खिड़कियों में जाली लगवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने ओपीडी, एक्सपायर्ड और स्टॉक रजिस्टर की जांच की। वहीं पीएचसी मूरतगंज का भी निरीक्षण किया।

जेएसवाई के लाभार्थियों का करें भुगतान

मंडलायुक्त ने सीएमओ कार्यालय में बैठक कर स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान कहा कि जननी सुरक्षा योजना के जिन लाभार्थियों का भुगतान शेष है, उसे तुरंत कराएं।

आशा कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों को भरा जाए। नियमित टीकाकरण में तेजी लाई जाए। प्रभारी चिकित्साधिकारी प्रत्येक सप्ताह आशा एवं एएनएम के साथ बैठक कर योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करें। बजट के सापेक्ष अपेक्षित व्यय होने पर नाराजगी जताई। प्रगति लाने के निर्देश दिए।

दहेज उत्पीड़न में पति को एक वर्ष का कारावास

उरई। दहेज उत्पीड़न के मामले में दोषी को दोषी ठहराते हुए एक साल की कैद व पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। अभियोजन अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला तुलसीनगर निवासी अलका गुप्ता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि कानपुर नगर निवासी सचिन गुप्ता के साथ 2009 में विवाह हुआ था। विवाह के कुछ दिन बाद ससुरालीजनों द्वारा दहेज उत्पीड़न के मामले में मारपीट कर दहेज मागने लगे। पुलिस ने पांच ससुरालियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी। न्यायालय में पांच ससुरालियों के खिलाफ 22 जनवरी 2010 को चार्जशीट दाखिल कर दी। 13 साल कोर्ट में चले ट्रायल के बाद शुक्रवार को सुनवाई पूरी हुई। जिसमें दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की जिरह गवाहों के और साक्ष्य के आधार पर चार लोगों को दोषमुक्त कर दिया। जबकि पति सचिन को दोषी पाते हुए न्यायाधीश प्रियंका सरन ने एक साल की कारावास और पांच हजार रुपये अर्थदंड लगाया।

पत्नी से दुष्कर्म, पति की हत्या में तीन दोषियों को ताउम्र कैद

जालौन। पति की हत्या कर पत्नी से दुष्कर्म में एंटी डकैती कोर्ट ने तीन दोषियों को ताउम्र आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दोषियों पर दो-दो लाख रुपये जुर्माना भी लगाया। न्यायाधीश ने दोषियों को जेल भेज दिया गया है। शासकीय अधिवक्ता महेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि ग्राम प्रधान पनियारा राजकुमारी ने 8 सितंबर 2015 को पुलिस में तहरीर देकर अज्ञात लोगों के खिलाफ सूचना देकर बताया था कि युवक (मृतक) व उसकी पत्नी इटौरा से गुरु पूर्णिमा पर दर्शन कर अपने गांव लौट रहे थे। पनियारा के पास तीन बदमाश लूट के इरादे से उनके पीछे लग गए। बदमाशों ने ओवरटेक कर दंपती को रोककर पहले महिला के जेवर लूटे। इसके बाद महिला को खेत में ले जाकर दुष्कर्म करने लगे। पति ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसके को सिर में सरिया मारकर हत्या कर दी। इस दौरान महिला ने एक बदमाश की जीभ भी काट ली थी। महिला खून से लथपथ होकर बेहोश हो गई। सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के सहारे 13 सितंबर 2015 को उरई कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गढ़र निवसी बृजमोहन, मड़ोरा निवासी अभिजीत उर्फ मंटोले नाई और ध्यानचंद्र उर्फ ध्यानू पांचाल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ा तो इनमें एक की जीभ कटी हुई थी। महिला ने उसे पहचान लिया। पुलिस ने हत्या, दुष्कर्म, लूट की धारा में मुकदमा दर्ज कर तीनों आरोपितों को जेल भेज दिया। 21 जनवरी 2016 को कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। सात साल तक चले ट्रायल के बाद डकैती कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई पुरी हुई। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 14 गवाह पेश किए गए। शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की जिरह, गवाहों के बयान सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश अचल लवानिया ने साक्ष्यों के आधार बृजमोहन, ध्यानचंद व मटोले को अंतिम सांस तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दो-दो लाख रुपये व चार हजार रुपये जुर्माना लगाया।

तीन साल से नौकरी को भटक रही बिकरु कांड के शहीद की पत्नी

झांसी। पूरे देश में भूचाल ला देने वाले बिकरु कांड को तीन साल बीत चुके हैं। इसमें आठ पुलिसकर्मी शहीद हुए थे। उनकी शहादत को सम्मान देते हुए सरकार ने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों की खातिर तमाम घोषणाएं एवं वादे किए लेकिन, इस कांड में शहीद हुए सिपाही सुल्तान सिंह की पत्नी उर्मिला को नौकरी नसीब नहीं हुई। सरकार भी शहीद की पत्नी का दर्द सुनने को राजी नहीं।

डीजीपी से गुहार लगाने के बावजूद उनको मदद नहीं मिल सकी है। दो जुलाई 2020 को कानपुर के बिकरु में सीओ, एसओ समेत आठ पुलिस कर्मी शहीद हो गए थे। इनमें झांसी के भोजला निवासी सिपाही सुल्तान सिंह भी शामिल थे। सरकार ने शहीदों के परिजनों को तत्काल मृतक आश्रित कोटे में भर्ती करने का एलान किया था। कुछ दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को नौकरी मिल गई लेकिन, इसके बाद शारीरिक एवं लिखित परीक्षा पास करना अनिवार्य कर दिया गया। शहीद सुल्तान सिंह की पत्नी उर्मिला ने एमए एवं बीएड किया है। उनका कहना है उम्र करीब 35 वर्ष हो चुकी। नौ साल की बेटी है। तबीयत भी अक्सर खराब रहती है। ऐसे में पुलिस विभाग के मानक के मुताबिक शारीरिक परीक्षा पास करना मुश्किल है। बीएड उत्तीर्ण होने से उन्होंने शिक्षा विभाग में नौकरी दिलाने की बात कही लेकिन, उनके इस प्रस्ताव को भी सरकार ने ठुकरा दिया। पिछले माह डीजीपी विजय कुमार से उन्होंने मुलाकात की थी। डीजीपी की ओर से भी जल्द ही मदद दिलाए जाने का भरोसा दिलाया गया लेकिन, उर्मिला तक मदद नहीं पहुंची। वहीं, डीआईजी जोगेंद्र कुमार का कहना है कि इस संबंध में शासन स्तर पर प्रक्रिया चल रही है।

1.67 करोड़ के प्रस्ताव, नाराज अध्यक्ष सदन से बाहर गए

कौशांबी। चायल नगर पंचायत कार्यालय सभागार में शुक्रवार को बोर्ड की बैठक में उस वक्त असहज स्थिति बन गई, जब टाउन एरिया के सीमा विस्तार का प्रस्ताव रखते ही अध्यक्ष नाराज होकर सदन से बाहर चले गए। इससे पहले सदस्यों ने 20 विकास परियोजनाओं के लिए तकरीबन 1.67 करोड़ के प्रस्ताव रखे गए। अध्यक्ष का हस्ताक्षर नहीं होने से प्रस्ताव शासन को नहीं भेजे जा सके। चेयरमैन अमर सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार सुबह दस बजे टाउन एरिया कार्यालय में बोर्ड की बैठक हुई। इसमें सभासदों ने कहा कि नगर की साफ-सफाई, नाला खुदाई, नाले की सफाई, अतिक्रमण हटाने सहित कार्य के लिए जरूरत पड़ने पर किराये का बुलडोजर लाना पड़ता है। कई बार समय से बुलडोजर नहीं मिलता है। साथ ही भुगतान भी अधिक करना पड़ता है। ऐसे में अपना बुलडोजर खरीदने का प्रस्ताव रखा। डेंगू, संचारी रोग जैसे बीमारियों से बचाव के लिए कस्बे में फॉगिंग मशीन की आवश्यकता जताई गई। विभिन्न मोहल्लों में प्रकाश के लिए 400 एलईडी स्ट्रीट लाइट लगवाने का प्रस्ताव रखा गया। सभी वार्डों पेयजल आपूर्ति के लिए ओपन पाइप लाइन, बोरिंग, पानी एटीएम, सबमर्सिबल ट्यूबवेल के निर्माण का भी प्रस्ताव रखा गया। खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत के लिए लिफ्ट खरीदने की जरूरत बताई गई। सभासदों ने पूर्व में किए गए सर्वे के अनुसार गृह एवं जलकर को अधिक बताया। कहा कि नए सिरे से सर्वे कराकर इसे ठीक कराया जाना आवश्यक है। लाइसेंस शुल्क लागू करने का भी प्रस्ताव रखा। कुल मिलाकर तकरीबन 1.67 करोड़ से 20 विकास परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा गया। अंत में सभासदों ने जैसे ही नगर के सीमा विस्तार का प्रस्ताव रखा अध्यक्ष नाराज हो बैठक छोड़ बाहर चले गए।नतीजतन बाकी अन्य विकास कार्यों के प्रस्ताव पर भी बोर्ड की मुहर नहीं लग सकी। जबकि बैठक में मौजूद सभासद हरी सिंह, गुड्डी देवी, राजू, सुदर्शन सिंह, विनीता, सोनकर, सीमा देवी, गुड्डू, राजकुमार, रहनुमा खातून, माया देवी के साथ ही अधिशासी अधिकारी प्रवीण प्रकाश ने हस्ताक्षर कर दिया था, लेकिन अध्यक्ष का हस्ताक्षर नहीं होने के कारण प्रस्ताव शासन को नहीं भेजे जा सके।

कंटेनर में जा घुसी कार, उड़ गए परखच्चे, दोस्त की सगाई से लौटते वक्त हादसा; दो की मौत

झांसी। खड़े कंटेनर में पीछे कार जा घुसी। इस हादसे में कार सिक्योरिटी एजेंसी के मालिक समेत दो की मौत हो गई। दोस्त के साथ सगाई समारोह से लौटते वक्त हादसा हो गया। झांसी-ललितपुर हाइवे पर शुक्रवार सुबह गणेशपुरा के पास भीषण हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार के चालक को झपकी आ गई। इससे कार सड़क पर खड़े कंटेनर के पीछे जा घुसी। हादसे में कार की छत उड़ गई। कार सवार सिक्योरिटी एजेंसी मालिक समेत दो की मौके पर मौत हो गई जबकि चालक समेत दो गंभीर रूप से घायल हो गए। नाजुक हाल में दोनों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। ओरछा गेट के छनियापुरा निवासी राहुल पाखरे (28) पुत्र विपिन पाखरे के मौसेरे भाई की बृहस्पतिवार को सागर में सगाई थी। इसमें शामिल होने के बाद राहुल अपने दोस्त सिक्योरिटी एजेंसी संचालक संजीव शर्मा (50) पुत्र हरविलास निवासी ग्वालियर के साथ कार से वापस लौट रहा था। कार अजय तोमर निवासी मुरैना चला रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुक्रवार भोर करीब 4-45 बजे बबीना के गणेशपुरा के पास पहुंचे, उसी दौरान अजय को झपकी आ गई। सड़क पर कंटेनर खड़ा था। अजय कार संभाल नहीं पाया और कार पीछे से जा घुसी। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के कुछ देर बाद पुलिस भी पहुंच गई। चारों कार के अंदर बुरी तरफ फंसे हुए थे। किसी तरह कार का दरवाजा तोड़कर चारों को बाहर निकाला गया। लेकिन, तब तक राहुल और संजीव की मौत हो चुकी थी। जबकि अजय एवं सिद्धार्थ श्रीवास्तव निवासी जालौन को गंभीर चोट आ गई। सीओ सदर स्नेहा तिवारी के मुताबिक, कंटेनर पंक्चर हो गया था। ड्राइवर-क्लीनर टायर बदलने की तैयारी कर रहे थे। तभी पीछे से एक कार टकरा गई।

हादसे के बाद परिवार में मचा कोहराम हादसे के कुछ देर बाद ही पुलिस ने परिजनों को हादसे के बारे में बताया। राहुल की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिवार में राहुल सबसे छोटा था। पिता विपिन ओरछा गेट के पास सीमेंट की एजेंसी चलाता था। वहीं, ग्वालियर निवासी संजीव के पिता हरिविलास शर्मा सेना में कैप्टन थे। संजीव अब शर्मा सर्विस सिक्योरिटी के नाम से एजेंसी चलाते थे। घटना के बाद ड्राइवर ने फोन कर घरवालों को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद मामेरे भाई कमल किशोर, साला प्रदीप थापक समेत अन्य परिजन रोते बिलखते हुए झांसी पहुंच गए।

87 क्विंटल कम मिला खाद्यान, कोटेदार पर मुकदमा दर्ज

जौनपुर। सुजानगंज विकासखंड के ऊंचगांव में सरकारी सस्ते गल्ले राशन की दुकान की जांच के दौरान 87 क्विंटल खाद्यान्न गोदाम में उपलब्ध नहीं होने पर पूर्ति निरीक्षक ने कोटेदार के खिलाफ सुजानगंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पूर्ति निरीक्षक पद्माकर तिवारी ने बताया है कि सुजानगंज विकास खंड के ऊंचगांव में प्रेमनाथ सिंह सरकारी राशन की दुकान चलाते हैं। राशन की दुकान के निरीक्षण में वितरण के बाद में स्टॉक बचा 52 क्विंटल चावल और 35 क्विंटल गेहूं मौके पर गोदाम में नहीं उपलब्ध मिला। गांव के 48 लाभार्थियों ने अपने बयान में कहा कि दो-तीन माह से उन्हें कोटेदार ने खाद्यान्न नहीं दिया है। इस अनियमितता की जांच कर पूर्ति निरीक्षक सुजानगंज पद्माकर तिवारी व खाद्य अधिकारी योगेंद्र कुमार ने रिपोर्ट जिलाधिकारी अनुज कुमार झा को दी। जिलाधिकारी के निर्देश पर पूर्ति निरीक्षक ने बुधवार को थाने में तहरीर दी थी।

नाले के पास पड़ा मिला बुजुर्ग का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

कन्नौज। थानाध्यक्ष किशनपाल ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है। कन्नौज जिले में इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव के बाहर नाले के पास शव देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने श की शिनाख्त करते हुए परिजनों को सूचना दी। हादसे की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने हत्या कर शव फेंक देने की आंशका जताई है। वहीं, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के मढ़पुरा मौजा के अर्जुनपुर गांव के बाहर नाले के पास एक शव पड़ा था। शनिवार की सुबह नाले के पास शव पड़ा देख गांव के लोगों के बीच मे हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की शिनाख्त की। मृतक की शिनाख्त तालग्राम थाना क्षेत्र के तिकुरियन गांव निवासी बच्चन लाल (50) के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दी। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि अर्जुनपुर गांव के निवासी संजय के कारखाने में मिस्त्री के रूप में कार्य करते थे। परिजनों ने हत्या कर शव फेंक देने की आंशका जताई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष किशनपाल ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

छात्र ने कर्मचारी को पीटा, एक घंटे ठप रही मेडिकल कॉलेज की ओपीडी

जौनपुर। उमानाथ सिंह राज्य स्वशासी महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) में परीक्षा के दौरान नकल करने से रोकने पर एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के एक छात्र ने कॉलेज के एक कर्मचारी को पीट दिया। इससे नाराज अन्य कर्मचारियों ने शुक्रवार की सुबह मेडिकल कॉलेज की ओपीडी ठप कर दी। करीब एक घंटे तक ओपीडी बंद रही। बाद में कॉलेज के प्राचार्य के समझाने पर मामला शांत हुआ। पुलिस जांच कर रही है। शाम की पाली में एमबीबीएस द्वितीय सत्र की परीक्षा चल रही थी। महाविद्यालय के एक विभागाध्यक्ष के निर्देश पर कुछ डॉक्टर के साथ दीपक सिंह की भी ड्यूटी परीक्षा में लगाई गई थी। इसी दौरान एमबीबीएस द्वितीय वर्ष का एक छात्र नकल करते हुए दिखा तो दीपक सिंह ने ऐसा करने से मना किया। इस पर वह नाराज हो गया और परीक्षा खत्म होने के बाद बाहर देख लेने की धमकी दी।परीक्षा खत्म होने के बाद जैसे ही कर्मचारी एलटी एक के भवन में पहुंचा, छात्र ने वहां शिक्षक और व विभागाध्यक्ष के सामने ही नोकझोंक करके थप्पड़ मारने लगा। कर्मचारी ने इसकी सूचना नजदीकी थाने पर दी। मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने बीच बचाव कर कर्मचारी को साथ ले जाकर घर छोड़ा। शुक्रवार की सुबह जैसे ही जानकारी कर्मचारियों को हुई तो एक घंटे के लिए ओपीडी बंद कर दी। प्राचार्य प्रो. शिवकुमार के समझाने के बाद मामला शांत हुआ। उन्होंने छात्र पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। थाना प्रभारी सतीश सिंह ने कहा कि तहरीर मिली है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी। एक कर्मचारी की पिटाई को लेकर सुबह जो ओपीडी बंद हुई थी उसे करीब एक घंटे बाद शुरू करा दिया गया। ओपीडी बंद कराने का अधिकार कर्मचारी को नहीं है। ऐसे में इस मामले में कार्रवाई की जाएगी। - डॉ. एए जाफरी, सीएमएस-मेडिकल कॉलेज

धोखाधड़ी की शिकार महिला को रकम वापस

जालौन। नगर के रामगंज बाजार में स्थित इंडियन बैंक की मुख्य शाखा में कैश काउंटर पर बैठकर खातों में रुपये जमा करने के नाम पर धोखा देकर कई ग्राहकों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाला बैंक वीसी तीन दिन बाद भी सामने नहीं आया है। वहीं दूसरी ओर शाखा प्रबंधक ने धोखाधड़ी के शिकार हुए ग्राहकों को रकम लौटाना शुरू कर दिया है। शाखा प्रबंधक राहुल कुमार सिंह ने शुक्रवार को धोखाधड़ी की शिकार हुई वर्षा कुशवाहा निवासी तिलकनगर को बैंक शाखा में बुलाकर उसकी हड़पी गई सवा दो लाख रुपये की रकम वीसी की आईडी के माध्यम से वापस दिलाई। अपना लगभग डूब चुका पैसा वापस पाकर वर्षा के चेहरे पर खुशी देखी गई। उसने शाखा प्रबंधक का शुक्रिया भी अदा किया। शाखा प्रबंधक ने कहा है कि धोखाधड़ी के शिकार हुए छह ग्राहक अभी तक सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि अगर अन्य कोई भी ग्राहक वीसी की धोखाधड़ी का शिकार हुआ है तो वह जमा पर्ची और पासबुक लेकर सीधे बैंक शाखा आकर उनसे संपर्क कर सकता है।

सरकारी अस्पतालों में 100 से अधिक डॉक्टरों के पद खाली

जौनपुर। करीब 50 लाख से अधिक की आबादी वाले जनपद में चिकित्सकों के कई पद खाली हैं। जिला अस्पताल हो या फिर सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र। हर जगह डॉक्टरों की कमी का असर देखने को मिलता है। सीएचसी में तो विशेषज्ञ डॉक्टरों की इतनी कमी है कि उधार के डॉक्टरों के सहारे काम चलाया जाता है।

आंकड़ों के अनुसार जिले में 100 से अधिक डॉक्टरों के पद खाली हैं। स्वास्थ्य विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, जिले भर में कुल 253 चिकित्सकों के पद सृजित हैं। इसमें से 155 की वर्तमान में तैनाती है। जो तैनात हैं उनमें भी पांच चिकित्सक पीजी करने के लिए गए हैं। यानी 150 ही सेवा दे रहे हैं। दो चिकित्सक करीब एक साल से बगैर सूचना के नहीं आ रहे हैं। यानी ये माना जा रहा है कि वह छोड़ दिए हैं। इस तरह से 100 से अधिक पद खाली पड़े हैं। इनको भरने के लिए विभाग की तरफ से शासन को पत्र भी भेजा जा चुका है। फिलहाल नए डॉक्टरों के मिलने का इंतजार है।

यह है सीएचसी का हाल

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत के अधीक्षक अरुण कनौजिया ने बताया कि स्वीकृत पद सात हैं। जिसमे से पांच उपलब्ध है। बच्चों के व हड्डी के डॉक्टरों की नियुक्ति नही है। प्रमुख रोग जैसे लिवर, किडनी, हार्ट जैसे गम्भीर बीमारियों के कोई विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं हैं। यही हाल मछलीशहर का भी है। अधीक्षक मेजर डॉ तपिश कुमार बताते हैं कि स्वीकृत 10 पद है, जिसमें बालरोग, स्त्री रोग,सर्जन, निश्चेतक जैसे महत्वपूर्ण पद खाली हैं। यहां कोई भी विशेषज्ञ डॉक्टर नही है। पीएचसी कुवरपुर, बरईपार और जमालपुर के चिकित्सक सीएचसी मछलीशहर में ओपीडी करते हैं। केवल एक एमबीबीएस डॉ. अमरनाथ यादव की वैध तैनाती सीएचसी में है। बदलापुर में बेहोशी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ नहीं हैं। इनके अभाव में मरीजों को जिला मुख्यालय पर चक्कर लगाना पड़ता है। मड़ियाहूं में अधीक्षक डॉ. एमएस यादव ने बताया कि तीन पद पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से खाली चल रहे हैं। जिसमें हड्डी रोग विशेषज्ञ व आंख के चिकित्सक नहीं है।महिला रोग विशेषज्ञ न होने से काफी दिक्कत होती है।

करीब सौ चिकित्सकों की जरूरत है। वर्तमान में 155 चिकित्सक हैं, जिसमें से पांच पीजी करने गए हैं। चिकित्सकों की तैनाती शासन स्तर से होती है। उम्मीद है कि जल्दी ही कुछ डॉक्टर जिले को मिलेंगे। - डॉ. राजीव यादव, एसीएमओ-जौनपुर

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बोले- सपा सरकार में दंगाइयों के हवाले था सूबा, सपाई परिवारवाद तक सीमित

हरदोई। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि जब अखिलेश यादव शासन में थे, तो पूरे प्रदेश में अराजकता थी और सरकार दंगाइयों के साथ खड़ी थी। मुलामय सिंह यादव के शासन काल में महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी की गई और कारसेवकों पर गोलियां चलवाई गई। हरदोई जिले में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सूबे में मच्छर न संभाल पाने और विश्वगुरू बनने की बात पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने पलटवार किया है। भूपेंद्र चौधरी ने कहा है कि भाजपा ने चुनाव से पहले संकल्प पत्र में जो कहा था वह सब करके दिखाया। अखिलेश यादव अपना और मुलायम सिंह यादव का कार्यकाल याद कर लें, फिर टिप्पणी करें।

उन सरकारों में सूबा दंगाइयों के हवाले था। उन्होंने कहा कि संविधान के प्रति हम संकल्पित हैं, लेकिन सपाई परिवारवाद और जातिवाद तक ही सीमित हैं। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी के पति उपेंद्र तिवारी की पुण्य तिथि में शामिल होने के लिए हरदोई पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने पत्रकारों से कहा कि हमारी सरकारों ने बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, सुरक्षा सहित सभी विषयों पर काम किया है। देश और प्रदेश को बेहतर बनाने के लिए मोदी और योगी

जब अखिलेश यादव शासन में थे, तो पूरे प्रदेश में अराजकता थी और सरकार दंगाइयों के साथ खड़ी थी। मुलामय सिंह यादव के शासन काल में महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी की गई और कारसेवकों पर गोलियां चलवाई गई। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश को बेहतर बनाने के लिए मोदी और योगी के नेतृत्व में काम किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि जनता को योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

भाजपा ने बाबा साहब की विचारधारा को आगे बढ़ाया

प्रधानमंत्री से लेकर बूथ अध्यक्ष तक सेवा कार्या, रचनात्मक कार्यों के जरिए सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता के बीच ले जा रहे हैं। अखिलेश के बाबा साहब का संविधान खतरे में होने संबंधी बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहब के प्रतीक चिन्हों को मिटाने का काम हमेशा सपा ने किया है। भाजपा ने बाबा साहब की विचारधारा को आगे बढ़ाया है।

लोकतंत्र में भाषा की मर्यादा जरूरी

कांग्रेस नेताओं और अखिलेश यादव के बीच चल रही जुबानी जंग पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में भाषा की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं। विपक्ष के नेता भी हैं, लेकिन इन लोगों का इतिहास और सभ्यता कुछ अलग है। जनता का ध्यान भटकाने के लिए ठगबंधन किया गया है। यह लोग कुछ भी कर लें प्रदेश और देश की जनता सब जानती है।

महिला से अभद्रता...लाइन हाजिर हुआ दरोगा

कानपुर। निरीक्षक मंगलपुर देवेंद्र सिंह ने बताया कि एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति दरोगा राजेंद्र सिंह को लाइन हाजिर किया गया है। दो दिन पहले जांच करने गए दरोगा का महिला के साथ अभद्रता करने का वीडियो वायरल हो गया था। कानपुर देहात में मंगलपुर थानाक्षेत्र के विजय मंडली गांव में जांच करने गए दरोगा का महिला के साथ अभद्रता का वीडियो सोशल मीडिया वायरल होने पर एसपी ने दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया है। मंगलपुर थानाक्षेत्र के विजय मंडली गांव में बीते दिनों सीमा पत्नी राजेश व उसकी जेठानी मंजू पत्नी राजेन्द्र के बीच झगड़ा हो गया था। दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ मंगलपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दो दिन पहले मंगलपुर थाने के दरोगा राजेंद्र चौहान जांच करने गए थे । इस दौरान महिला के साथ अभद्रता करने का वीडियो वायरल हो गया। निरीक्षक मंगलपुर देवेंद्र सिंह ने बताया कि एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति दरोगा राजेंद्र सिंह को लाइन हाजिर किया गया है।

बयान और साक्ष्य बढ़ाएंगे विधायक पुत्र की मुश्किल, बढ़ सकती हैं धाराएं

झांसी। ककरवई थाने में थानेदार सुरेंद्र सिंह चौहान से अभद्रता करने और धमकाने के मामले में गरौठा विधायक के पुत्र राहुल राजपूत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। मामले के विवेचक सीओ गरौठा अरुण चौरसिया ने वायरल वीडियो में दिख रहे लोगों और पुलिसकर्मियों को बयान दर्ज कराने और साक्ष्य करने के लिए बुलाया है। बयान और साक्ष्य मिलने पर पुलिस आरोपी विधायक पुत्र के खिलाफ धाराएं भी बढ़ा सकती है। पुलिस अफसरों का कहना है विवेचना के बाद आरोपी विधायक पुत्र को सीआरपीसी की धारा 41 के तहत नोटिस जारी किया जाएगा। इसके बाद आरोपी को न्यायालय से जमानत मिलेगी। उधर, विधायक पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद दिन भर चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। बृहस्पतिवार को भी वायरल वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर होता रहा। तमाम लोगों ने एक्स (पूर्व में टिवट्र) पर डीजीपी समेत कई भाजपा नेताओं को टैग करके विधायक पुत्र का वीडियो शेयर किया। बता दें, गरौठा विधायक जवाहर राजपूत के बेटे राहुल राजपूत का खरवांच घाट में बालू भरने को लेकर विवाद हो गया था। विधायक पुत्र राहुल पर ठेकेदार के कर्मचारियों से टोकन लूटने और मारपीट करने का आरोप था। पुलिस राहुल को लेकर थाने आई। यहां राहुल ने थानेदार सुरेंद्र सिंह चौहान को ही धमकाना शुरू कर दिया। वीडियो वायरल होने पर राहुल समेत पांच के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई। एसपी (आरए) गोपीनाथ सोनी का कहना है मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है। नियत समय के भीतर विवेचना पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिला उद्योग बन्धु की बैठक 26 अक्टूबर को

बहराइच । उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र बहराइच ने बताया कि 26 अक्टूबर 2023 को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में अपरान्ह 04:00 बजे से उद्योग बन्धु समिति एवं एम.ओ.यू. से सम्बन्धित बैठक आहूत की गई है। उपायुक्त उद्योग ने जिले के उद्यमियों, व्यापारियों एवं निर्यातकों से अपेक्षा की है कि बैठक में समय से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं से समिति को अवगत करायें।

पुनरीक्षण कार्य सम्बन्धी बैठक 26 अक्टूबर को

बहराइच । अर्हता तिथि 01 जनवरी 2024 के आधार पर जिले में संचालित होने वाले विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के सम्बन्ध में 26 अक्टूबर 2023 को पूर्वान्ह 11:30 बजे से जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई है। यह जानकारी देते हुए सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी शिखा श्रीवास्तव ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष व मंत्री से अपेक्षा की है कि स्वयं अथवा प्रतिनिधि के माध्यम से बैठक प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

जनप्रतिनिधियों ने कन्याओं का किया बन्दन व पूजन

बहराइच । प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु संचालित किये जा रहे मिशन शक्ति के विशेष अभियान अन्तर्गत शारदीय नवरात्र की सप्तमी के शुभ अवसर पर जिलाधिकारी मोनिका रानी की अभिनव पहल पर सेवा से संतृप्तिकरण अभियान की तर्ज पर आयोजित किये गये अभियान अन्तर्गत सांसद बहराइच अक्षयवर लाल गोंड ने विकास खण्ड मिहींपुरवा के प्राथमिक विद्यालय मधवापुर, विधायक सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल ने विकास खण्ड चित्तौरा अन्तर्गत कमोलिया, विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी ने विकास खण्ड पयागपुर अन्तर्गत जूनियर हाई स्कूल पयागपुर में तथा विधायक नानपारा राम निवास वर्मा ने विकास खण्ड शिवपुर अन्तर्गत ग्राम पंचायत अम्बरपुर तिगड़ा में शारदीय नवरात्र की सप्तमी के शुभ अवसर पर कन्याओं का बन्दन एवं पूजन कर उपहार भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न योजनाओं अन्तर्गत लाभार्थियों को लाभान्वित करने के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की तथा बच्चों को अन्नप्रासन कराया।

प्रशासन और पुलिस ने आरआरसी के लिए भरवाई नींव

एटा। थाना क्षेत्र के ग्राम नौरंगाबाद में महिलाओं ने आरआरसी निर्माण के लिए नींव भरने नहीं दी थी। इसी लेकर शुक्रवार को प्रशासनिक और राजस्व विभाग के अधिकारियों व पुलिस ने नींव भरवाई। वहीं विरोध करने वालों के खिलाफ थाने में तहरीर भी दी गई। नायब तहसीलदार सतीश चंद्र अपने साथ राजस्व व पुलिस टीम लेकर गांव पहुंचे। विरोध कर रहे ग्रामीणों को समझा-बुझाकर कार्य पूरा कराया गया। ग्राम प्रधान पति संजीव यादव ने बताया कि पहले राजस्व विभाग की टीम दो बार उपजिलाधिकारी के आदेश पर पैमाइश कराई गई थी। इसके बावजूद महिलाओं व पुरुषों ने नींव नहीं लगाने दी। सरकारी काम में बांधा डालने और विरोध करने वालों के खिलाफ थाने में तहरीर दी गई है।

कार्यशाला में छात्राओं को किया गया जागरूक

एटा। अलीगंज के सारा सिंह डिग्री कॉलेज में छह दिवसीय मिशन शक्ति कार्यशाला चल रही है। विद्यालय के सचिव डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। जिस क्षेत्र व समाज की महिलाएं नेतृत्व करने लगी है वह समाज तरक्की की राह पर पहुंच जाता है। महिला थाना प्रभारी सीमा त्रिपाठी ने कहा कि महिलाओं को अब डरने की आवश्यकता नहीं है। सरकार व पुलिस उनके साथ है। सुरेंद्र कुमार सागर ने संचालन किया। राहुल प्रताप सिंह, अंकुर भदौरिया, अरविंद मिश्रा, हर्षित पालीवाल, अभीषेक तोमर आदि मौजूद रहे। अवागढ़ में जलेसर रोड स्थित जनता इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रम का आयोजन पुलिस द्वारा किया गया। जिसमें महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा और विकास के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम तथा हैल्पलाइन नंबर आदि के बारे में जानकारी दी गई। थाना प्रभारी जेपी मौर्य ने कहा कि अन्याय, छेड़छाड़, भेदभाव, घरेलू हिंसा आदि के लिए वह नजदीकी थाना या सरकारी हैल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज करा सकती हैं। पुलिस उनकी मदद तत्परता से करने को 24 घंटे तैयार है। निरीक्षक अपराध अनुज शर्मा, सिटी इंचार्ज रवेंद्र शर्मा, आरक्षी अन्नू यादव, प्रधानाचार्य राकेश यादव, अनुराधा राणा, रणवीर सिंह परमार, डॉ. अमरेंद्र सिंह, विवेक दुबे आदि मौजूद थे।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत, पति घायल

सैफई। मैनपुरी रोड पर थाने से करीब 100 मीटर दूरी पर बाइक सवार दंपती ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति जख्मी हो गया। हादसे की जानकारी पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से सैफई मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। पुलिस ने ट्रक मारने वाले ट्रक को कब्जे में ले लिया है। मैनपुरी जिले के करहल थाना क्षेत्र के नगला बिजई निवासी देवेंद्र कुमार (55) अपनी पत्नी रानी देवी (52) की तबीयत खराब होने पर इटावा में निजी अस्पताल में दवा लेने के लिए गए थे। वहां से दोपहर एक बजे बाइक पर सवार होकर दोनों घर जा रहे थे। तभी मैनपुरी रोड पर सैफई थाने से करीब 100 मीटर दूरी पर ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पति घायल हो गया है। मृतका के तीन बेटे व दो बेटी हैं। सैफई मेडिकल कॉलेज प्रशासन की सूचना पर थाना पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर मोर्चरी में रखवाया।

दो आरोपियों पर दुष्कर्म का आरोप साबित, आज सुनाई जाएगी सजा

बलिया। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश(पॉक्सो एक्ट) न्यायाधीश प्रथमकांत की अदालत ने नाबालिक लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले में अभियुक्तगण राजेश यादव, विकास यादव के खिलाफ दोष साबित पाया और सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए शनिवार की तारीख तय की है। वादी मुकदमा ने रसड़ा थाना में तहरीर दिया था कि उसकी पुत्री उम्र करीब 16 वर्ष 29/5/ 2021 को घर से रात आठ बजे शौच के लिए गांव से बाहर गई थी और रात तक नहीं लौटी। लोग परेशान होकर उसे खोजने रहे। मामले में रसड़ा थाना में मुकदमा दर्ज हुआ और विवेचक ने विवेचना कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। न्यायालय ने 30 जुलाई 2021 को मामले का संज्ञान लिया और मुकदमे का विचारण प्रारंभ किया दौरान विचारण अभियोजन की तरफ से कुल छह साक्षी परीक्षित हुए। अभियोजन की तरफ से राकेश कुमार पांडे विशेष लोक अभियोजक व बचाव पक्ष की बहस सुनने के उपरांत अभियुक्तगण के खिलाफ दोष साबित पाया और सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए शनिवार की तारीख नियत की।

दुकान से खदेड़ने पर युवक ने किया ब्लेड से हमला

बलिया। सदर कोतवाली के अमृतपाली गांव स्थित एफसीआई गोदाम के समीप बुधवार की देर शाम मनबढ़ युवक ने ब्लेड से दुकानदार पर जानलेवा हमला कर जख्मी कर दिया। आसपास के लोगों ने इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। इसकी खबर लगते ही खलबली मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल के बाद आरोपी की तलाश में जुट गई। अमृतपाली एफसीआई गोदाम के सामने आनंद गुप्ता की समोसा चाय की दुकान है। शाम को ग्राहक की भीड़ होने पर दुकान पर अक्सर बैठने वाले ललटू को आनंद ने दुकान से खदेड़ दिया, इससे आक्रोशित ललटू चला गया। कुछ देर बाद आया उसने दुकान से बाहर आनंद को बुलाकर ब्लेड से गर्दन पर वार कर भाग गया। गर्दन कटने से खून निकलने लगा। आसपास के लोगों ने उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, वहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सक ने भर्ती कर लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्रॉसिंग के पास बीयर की दुकान होने के कारण शाम ढलते ही शराबी आदि दिन मारपीट व गाली गलौज करते हैं। इसके कारण लोगों में भय बना रहता है। इस बाबत कोतवाल संजय सिंह ने बताया कि आनंद की शिकायत पर आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है, जल्द ही हिरासत में होगा।

बीमारी से परेशान अधेड़ ने कुएं में कूदकर दी जान

हैदरगढ़(बाराबंकी)। कोतवाली क्षेत्र में बीमारी से परेशान एक अधेड़ ने कुएं में कूदकर जान दे दी। सुबह बिस्तर पर नहीं मिलने पर परिजनों को इसकी जानकारी हुई। पुलिस को सूचना दिए बगैर अंतिम संस्कार कर दिया गया। हैदरगढ़ के मोहल्ला कोठी निवासी गफ्फार (58) तीन साल से कैंसर की बीमारी से पीड़ित चल रहे थे। पुत्र मोनू ने बताया कि बीमारी से परेशान रहने के कारण पिता ने पहले भी एक बार कुआं में कूदने की कोशिश की थी, मगर बचा लिया गया था। सुबह बिस्तर से गायब होने पर खोजबीन शुरू हुई। इस दौरान कुएं में शव मिला, यह देख परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों के सहयोग से शव बाहर निकालकर परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया। कोतवाल अजय त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस को इस घटना की जानकारी नहीं है।

थारू बाहुल्य ग्रामों में डीएम ने 36 बालिकाओं के पैर पखार किया बन्दन पूजन

अपने हाथों परोसा भोजन, कन्याओं को बांटी स्टेशनरी, फल, बिस्किट व चाकलेट

बहराइच कार्यालय

बहराइच। प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु संचालित किये जा रहे मिशन शक्ति के विशेष अभियान अन्तर्गत शारदीय नवरात्र की सप्तमी के शुभ अवसर पर जिलाधिकारी मोनिका रानी ने कतर्नियाघाट वन्य जीव विहार की गोद में बसे जिले के दूरस्थ थारू बाहुल्य न्याय पंचायत आम्बा की 04 ग्राम पंचायत फकीरपुरी, आम्बा, बर्दिया एवं विशुनापुर पहुंचकर ग्राम पंचायत की 36 कन्याओं के पैर पखार कर बन्दन व पूजन कर उन्हें अपने हाथों से भोजन परोसा तथा सभी कन्याओं को स्टेशनरी, फल, बिस्किट, चाकलेट इत्यादि भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सेवा से संतृप्तिकरण अभियान की तर्ज पर आयोजित किये गये विशाल शिविर के दौरान जिलाधिकारी ने कई गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की तथा बच्चों को अन्नप्रासन कराने के साथ-साथ ग्राम की पात्र महिलाओं को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अन्तर्गत गोल्डेन कार्ड का वितरण किया तथा कई महिला कृषकों की अपने सम्मुख ई-केवाईसी भी कराई।

मिशन शक्ति के विशेष अभियान अन्तर्गत लगाये गये स्वास्थ्य शिविर के दौरान सैकड़ों ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श व दवाओं का भी वितरण किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मोनिका रानी ने कहा कि प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए दृढ़ संकल्पित है। प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं के सम्मान एवं स्वाभिमान हेतु वीमेन पावर लाइन 1090, इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, सीएम हेल्प लाइन नम्बर-1076, चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर 1098, वन स्टाप सेण्टर-181, साइबर हेल्प लाइन-1930, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन 102, एम्बुलेंस सेवा-108, जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की महिला हेल्प डेस्क जैसी सेवाएं संचालित की जा रही है।

डीएम ने महिलाओं एवं बालिकाओं का आहवान किया कि शिक्षा के माध्यम से जागरूक होकर महिलाओ के स्वावलाम्बन हेतु संचालित होने वाली योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बैंकिंग करस्पाण्डेण्ट सखी, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेण्टर, आयुष्मान योजना, जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई मशीन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, महिला ई-हाट इत्यादि का लाभ उठाकर अपना तथा अपने परिवार के जीवन स्तर में सुधार लायें।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने वन स्टाप सेण्टर का किया निरीक्षण

बहराइच। शेल्टर होम में आवासित बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा तथा शेल्टर होम की आधारभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विराट शिरोमणि ने शुक्रवार को देर गेंद घर स्थित वन स्टॉप सेण्टर, बहराइच का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय मौके पर मौजूद प्रबन्धक श्रीमती रचना कटियार ने बताया कि वर्तमान में कोई बालिका/महिला नहीं है। वन स्टॉप सेण्टर में कुल 04 कमरे हैं, जिसमें 01 परामर्श कक्ष, 01 शेल्टर कक्ष, 01 पैरामेडिकल कमरा व 01 कार्यालय कक्ष है तथा 02 शौचालय मय स्नानगृह है। पैरामेडिकल कक्ष में ही खाना बनाया जाता है। प्रतिदिन खाना बनाने व सफाई हेतु हेल्पर आते हैं। सुरक्षा व्यवस्था में 04-04 पुरुष व महिला आरक्षी तैनात हैं। प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि बालिकाओं/महिलाओं के प्रवास के लिये तख्त उपलब्ध कराये गये थे।

कार्यालय द्वारा अवगत कराया गया कि यदि कोई बालिका/महिला होती है तो वह अपने कपड़े स्वयं धोती हैं। गैलरी, शौचालयों तथा कमरों में उचित साफ-सफाई पायी गयी। प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि सफाई कर्मचारी नियमित आ रहे हैं। फिर भी प्रबन्धक को आदेशित किया जाता है कि समुचित साफ-सफाई बनाये रखना सुनिश्चित करें। प्रबन्धक ने बताया कि यदि कोई बालिकाएं/महिलाएं बीमार पड़ती हैं, तो आपातकालीन स्थिति में संवासिनियों को एम्बुलेंस बुलाकर जिला चिकित्सालय में ले जाकर उनका उपचार कराया जाता है। स्वास्थ्य सम्बन्धी आपातकालीन स्थिति हेतु प्रतिदिन 01 पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी रहती है। प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि वन स्टाप सेन्टर में मेडिसिन उपलब्ध नहीं है। मेडिसिन उपलब्ध कराये जाने हेतु सीएमओ को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि संस्था में कोई मेन्यू निर्धारित नही है। इस संबंध में प्रबन्धक को आदेशित किया गया कि वह तत्काल सम्पूर्ण पोषण को दृष्टिगत रखते हुए मेन्यू बनवाये जाने तथा ससमय राशन उपलब्ध कराये जाने हेतु जिला प्रोबेशन अधिकारी, बहराइच को पत्र लिखना सुनिश्चित करें। इसके अलावा परिसर में स्थित पुलिस चौकी व वन स्टाप सेन्टर के महिला शौचालय, सीसीटीवी इत्यादि के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

नीति आयोग के अधिक वेटेज वाले संकेतांको में सुधार लाकर पुरस्कार प्राप्त करें अधिकारी-डीएम

राजकीय जिला पुस्तकालय गेंदघर के सुदृढ़ीकरण हेतु आगणन गठित करने के दिये निर्देश

बहराइच संवाददाता

बहराइच । नीति आयोग द्वारा निर्धारित सूचकांको की समीक्षा हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार की देर शाम आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा नीति आयोग के निर्धारित सेक्टर स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि, वाटर रिसोर्स, फाइनेन्सियल इन्क्ल्यूजन एवं कौशल विकास तथा आधारभूत संरचना के संकेतांकों से सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपने से सम्बन्धित संकेतांकों में मानक के अनुसार सुधार लाना सुनिश्चित करें।

बैठक के दौरान नीति आयोग द्वारा निर्धारित सूचकांको की समीक्षा करते हुए पाया गया कि माह अगस्त में ओवर आल 93 वीं डेल्टा रैंकिंग, स्वास्थ्य एवं पोषण सेक्टर में 99वीं, शिक्षा सेक्टर में 08, कृषि सेक्टर में 15, आधारभूत आंकड़ा सेक्टर में 21 तथा वित्तीय समावेशन व कौशल विकास सेक्टर में 88वीं डेल्टा रैंकिंग प्राप्त हुई है। स्वास्थ्य विभाग के सूचकांकों की प्रगति की समीक्षा में पाया गया कि कुछ संकेतांकों के प्रगति में माह अगस्त में कमी आयी है जिससे डेल्टा रैंक कम हुई है। डीएम द्वारा सेक्टर से सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन संकेतांकों का वेटेज से अधिक है ऐसे संकेतांकों को चिन्हित कर सुधार लाकर डेटा फीड कराना सुनिश्चित करें।

डीएम द्वारा एलडीएम जितेन्द्र नाथ श्रीवास्तव को निर्देश दिये गये कि वित्तीय क्षेत्र में इंडीकेटर वार वेटेज में अन्तराल अधिक है और अधिक सुधार की संभावना है उन्होनें सम्बन्धित संकेताकों की गहन समीक्षा करते हुए संकेतांक में सुधार लाये जाने के भी निर्देश दिये। प्रधानाचार्य आईटीआई पी.के. श्रीवास्तव तथा एमआईएस मैनेजर कौशल विकास मिशन के अर्पित कटियार को निर्देश दिये गये कि माह सितम्बर के डाटा का विश्लेषण कर सही डेटा प्रस्तुत करें तथा प्रत्येक वर्ग के अभ्यर्थियों के नामांकन अधिक से अधिक संख्या में कराना सुनिश्चित करें। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये गये कि पशु टीकाकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान की प्रगति में सुधार लाया जाय। डीडी एग्री कल्चर को निर्देश दिये कि सूक्ष्म सिचाई में वेटेज अधिक है विश्लेषण कर प्रगति में सुधार लाना सुनिश्चित करें।

डीएम ने आकांक्षी विकास खण्ड हुजूरपुर ब्लाक विकास रणनीति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये गये कि बेस्ड लाइन डेटा से सुधार के लिए प्रयास किया जाय। जिससे विभिन्न पोर्टलो पर फीड कराकर माह जनवरी की अच्छी रैंक प्राप्त करने का प्रयास किया जाय। खण्ड विकास अधिकारी हुजूरपुर को निर्देश दिये गये कि स्वास्थ्य शौचालय, समूह से सम्बन्धित इंडीकेटर्स की गहन समीक्षा कर पोर्टल पर डाटा फीड कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने नीति आयोग एवं सीएसआर फण्ड से अतिरिक्त आवंटन के रूप में प्राप्त धनराशि से कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये गये कि पूर्ण कार्यो के हैण्डओवर की लिस्ट प्राप्त कर प्रस्तुत की जाय। अधिशाषी अभियन्ता लो.नि.वि. प्रा.ख. को निर्देश दिये गये कि राजकीय जिला पुस्तकालय गेंदघर बहराइच के आधुनिकरण हेतु आगणन गठित कर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को यथाशीघ्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर सीडीओ रम्या आर. उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ राजेन्द्र प्रसाद, पीडीडीआरडीए राजकुमार, प्राधानार्य आईटीआई पी.के. श्रीवास्तव, चिकित्साधिकारी डॉ पीयूष, डीएचआईओ बृजेश सिंह, अपर सांख्यिकीय अधिकारी तीरथ राम वर्मा, एलडीएम जितेन्द्र नाथ श्रीवास्तव तथा बीडीओ हुजूपुर सहित अन्य ब्लाक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

एमपी में सीट बंटवारे को लेकर शिवपाल ने कांग्रेस पर साधा निशाना

बलिया। भाजपा सरकार मुसलमानों व पिछड़ों को टारगेट कर उत्पीड़न कर रही। सरकार प्रदेश की समस्याओं पर ध्यान न देकर, सिर्फ विपक्ष को खत्म करने में जुटी है।

प्रदेश में बेईमानी व भ्रष्टाचार चरम पर है। उक्त बातें सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने फेफना में आयोजित प्रेसवार्ता में कही। शिवपाल यादव ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए वादा तोड़ने का आरोप लगाया। कहा कि इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस ने एमपी में दो सीट देने का वादा किया था, उसे पूरा नहीं किया। उसके बावजूद भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए 2024 लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के सभी दलों के साथ मजबूती के साथ लड़ेंगे। आजम खान के सवाल पर कहा कि उनके साथ नाइंसाफी हुई है, उनके साथ पूरी समाजवादी पार्टी है। आजम खान से मिलने जेल जाएंगे। भाजपा पर महंगाई बढ़ाने व आमलोगों के शोषण का आरोप लगाया। कहा कि आमजन आज बिजली का बिल भरने में परेशान है। सरकार ने जो बिजली का मीटर लगाया है वह उसकी रीडिंग तेजी से भाग रहा है।

शिवपाल यादव ने कहा की पीएम के चेहरे को लेकर कोई मतभेद नहीं है, राष्ट्रीय नेतृत्व उसका फैसला करेगा। श्री राम मंदिर के सवाल पर कहा कि श्री राम सभी के हृदय व कण-कण में है। मंदिर बनकर तैयार होने दीजिए दर्शन पूजन करने जाएंगे। भगवान किसी एक के नहीं होते हैं। इसके पूर्व स्थानीय होटल में वुड विला का उद्घाटन किया। सपा नेता सतीश चौधरी नागा ने शिवपाल सिंह यादव को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इस दौरान पूर्व अंबिका चौधरी, राजीव राय, सनातन पांडेय, पूर्व मंत्री नारद राय, जिलाध्यक्ष राजमंगल यादव, नीरज सिंह गुड्डू मौजूद रहे।

मॉ दुर्गा मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने लिए नगर क्षेत्र में तैनात किये गये स्टेटिक मजिस्ट्रेट

बहराइच । जनपद में मॉ दुर्गा मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने लिए जिला मजिस्ट्रेट मोनिका रानी की ओर से नगर क्षेत्रों के लिए स्टेटिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गयी है। झिंगहाघाट पश्चिमी तट से चांदपुरा चौराहा तक जिला अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्रा व स.न.ख. तृतीय अधि.अभि. अनुपम सिंह, चांदपुरा चौराहा से छावनी चौराहा तक स.डेऊख.7 अधि. अभि. अजय कुमार व मुकेश श्रीवास्तव, छावनी चौराहा से रेलवे क्रासिंग तक सहा.नि.जि.सह.अधि संजीव तिवारी व सहा. अभि. स.न.ख-1 अजय कुमार रेलवे क्रासिंग से दरगाह शरीफ तक उपायुक्त उद्योग केशव राम वर्मा व सहा. अभि. स.न.ख-5 देवेन्द्र सिंह, दरगाह शरीफ से बक्शीपुरा चौराहे तक जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी व सहा. अभि. स.ड्रे.ख-1 पलट नारायन झा, गोण्डा बलरामपुर रोड दोनक्का तिराहा से डिगिहा तिराहा तक क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी नगर हेमन्त कुमार व अ.जि.सह.अधि. सदर सुभाश चन्द्र मिश्र, डिगिहा तिराहा से अस्पताल चौराहा होते हुए पानी टंकी तिराहा तक ज्येष्ठ गन्ना विकास नि. मनोज कुमार उपाध्याय व सहा. अभि. स.न.ख-4 रमेश चन्द्र, पानी टंकी तिराहा से कटी चौराहा तक सहायक श्रमायुक्त सिद्धार्थ मोदियानी व सहा. अभि. स.न.ख-4 रमेश चन्द्र को स्टेटिक मजिस्ट्रेट नामित किया गया है।

पानी टंकी तिराहा से किसान डिग्री कालेज तक गन्ना वि.नि. राजेश कुमार व सहा. अभि. स.न.ख. बहराइच अबरार खां, किसान डिग्री कालेज से बंजारी मोड़ होते हुए टिकोरा मोड़ तक परियोजना निदेशक नेडा सुरेन्द्र कुमार व ड्रग एवं खाद्य नि. राजू प्रसाद, किसान डिग्री कालेज तिरहा से रोडवेज होते हुए पीपल तिराहा तक गन्ना वि.नि.दीपक वर्मा व सहा.नि.मत्स्य गणेश प्रसाद, छावनी चौराहा से घंटाघर चौकी चौक मस्जिद व नानपारा मस्जिद तक जिला गन्नाधिकारी आनन्द कुमार शुक्ल व जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय तथा सहा.अभि. स.ड्रे.ख. बजरंग बहादुर पाल, घंटाघर चौक से पीपल तिराहा तक के लिए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा राजेन्द्र प्रसाद, बीडीओ तजवापुर अखिलेश वर्मा, गना वि.नि. राजेन्द्र प्रसाद, पीपल तिराहा से छावा कुआं तक जिला आबकारी अधिकारी सुंधाशु कुमार व आबकारी निरीक्षक विवके सिंह, छावा कुआं से गुदड़ी चौराहा होते हुए जामा मस्जिद तक अधि.अभि.लो.नि.वि.नि.ख.-1 अमर सिंह व बीडीओ पयागपुर वीरेन्द्र नाथ द्विवेदी, जामा मस्जिद से ट्रान्सफार्मर चौराहा होते हुए बशीरगंज राम लीला मैदान तक अधि.अभि.लो.नि.वि.प्रा.ख. प्रदीप कुमार व सहा.अभि.स.न.ख. 5 रामराज यादव, बशीरगंज राम लीला मैदान से जुलूस मार्ग होते हुए झिंगहा घाट तक सहा.नि.रेशम एम.के. सिंह व आबकारी निरीक्षक अवधेश कुमार मिश्र, झिंगहाघाट के पूर्वी तट पर जिला समाज कल्याण अधि. रमाशंकर, खाद्य सुरक्षा अधि. राघवेन्द्र प्रताप वर्मा व सहा.अभि. लघु उद्योग चन्द्र प्रकाश त्रिवेदी, झिंगहाघाट के पश्चिमी तट पर अपर मुख्य अधि.जि.पं. प्रदीप कुमार गुप्ता, जिला दिव्यांग सशक्तिकरण अधि. वी.पी. सत्यार्थी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधि. राजन कुमार व परि.अधि.डूडा सौरभ त्रिपाठी तथा विसर्जन स्थल झिंगहाघाट के लिए डीआईओएस नरेन्द्र देव पाण्डेय, सहा.अभि.स.न.ख. 3 रमेश चन्द्र प्रसाद, जि.पं.राज अधि. राघवेन्द्र कुमार द्विवेदी व ईओ नगर पालिका प्रमिता सिंह को स्टेटिक मजिस्ट्रेट नामित किया गया है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट अपने-अपने तहसील क्षेत्र में पुलिस क्षेत्राधिकारी से समन्वय रखते हुए संवेदनशीलता के दृष्टिगत अपने स्तर से अधिकारियों/कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर प्रतिमा विसर्जन कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराना सुनिश्चित करेंगे।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील मिहींपुरवा में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

बहराइच । जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवसों की कड़ी में तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) में जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर, उप जिलाधिकारी संजय कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी राहुल पाण्डेय व अन्य अधिकारियों के साथ आए हुए फरियादियों के समस्याओं की गंभीरता पूर्वक सुनवाई करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस प्राप्त 231 प्रार्थना पत्रों में 30 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष प्रार्थना पत्रों के सम्बंध में जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि तीन दिवस में मौके पर जाकर गुणवत्तापरक निस्तारण आख्या के साथ जिओ टैग फोटो भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत एनआरएलएम, नगर पंचायत मिहींपुरवा, बेसिक शिक्षा, खाद्य एवं रसद विभाग, स्वास्थ्य एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा लगाये शिविरों का जिलाधिकारी मोनिका रानी ने अन्य अधिकारियों के साथ अवलोकन करते हुए सीडीओ रम्या आर. के साथ 02-02 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की तथा अन्नप्रासन कराया।

सीएमओ ने किया भागलपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

देवरिया । मुख्य चिकित्साधिकारी राजेश कुमार झा ने शुक्रवार को भागलपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, जननी सुरक्षा कक्ष और लैब व स्टोर को देखा लैब में धूल फांक रही खून के जांच की मशीन को जल्द चालू कराने का निर्देश दिया। जिससे मरीज को बाहर जांच नहीं करानी पड़े। स्टोर में पड़े कुछ सामग्री को प्रभारी चिकित्साधिकारी एस के सिंह से क्षेत्र के उपकेंद्रों पर भेजने को कहा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसिया चंदौर में तैनात स्टाफ नर्स को जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भागलपुर में रहती थी। तत्काल प्रभाव से मूल तैनाती स्थल पर रिलीव करने का आदेश प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को दिया। उसके बाद नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ठेगवलदूबे का निरीक्षण किया। जहां अस्पताल में गंदगी देख वहां के चिकित्साधिकारी को फटकार लगाई।

सेवानिवृत्त सीजेएम की पत्नी से साले ने हड़पे 15 लाख के जेवर

फर्रुखाबाद। आर्थिक तंगी बताकर सेवानिवृत्त सीजेएम की पत्नी से साले ने 15 लाख के जेवर हड़प लिए। मांगने पर साले ने जेवर देने से इन्कार कर दिया। सीजेएम प्रवीण त्यागी ने शहर कोतवाल को मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने के आदेश दिए हैं। जनपद बरेली-बीसलपुर रोड मानसरोवर गार्डन कालोनी निवासी सेवानिवृत्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पीयूष वर्मा की पत्नी अनू वर्मा ने सीजेएम फर्रुखाबाद कोर्ट में जनपद सहारनपुर सदर कोतवाली जनकपुरी निवासी भाई रमनजीत सहगल के खिलाफ अर्जी दायर की। इसमें बताया कि वर्ष 2016 में पति पीयूष की तैनाती जनपद बदायूं में थी। भाई रमनजीत ने अन्नू वर्मा को फोन पर बताया कि उसको व्यापार में नुकसान हो गया है। वह आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में 15 लाख रुपये की आवश्यकता है। अन्नू ने पति को बिना बताए भाई की मदद के लिए हामी भर दी। अन्नू 19 अप्रैल 2016 को जनपद उरई से बरेली के लिए निकली। उन्होंने भाई रमनजीत से फर्रुखाबाद में मिलने के लिए कहा। अन्नू ने शहर कोतवाली के रेलवे रोड स्थित रॉयल अक्षय रेस्टोरेंट में भाई रमनजीत को सोने-चांदी के जेवरात दे दिए। रमनजीत ने दो प्रतिशत ब्याज और छह वर्ष में रुपये वापस करने का भरोसा दिया।

उसके बाद से अन्नू भाई से ब्याज की मांग करती रही। 16 अगस्त 2022 को अन्नू ने भाई से मोबाइल पर बात कर रुपये मांगे। भाई ने रुपये देने से इन्कार कर दिया। भाई ने पिता के नाम की दुकान में किरायेदारी के लिए उसके फर्जी हस्ताक्षर भी किए हैं। पूरे मामले की सुनवाई के बाद सीजेएम ने शहर कोतवाल को मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

निर्माणाधीन परियोजनाओं में तेज़ी लाएं कार्यदायी संस्थाए-जिलाधिकारी

बहराइच ।नगरीय विकास प्राधिकरण एवं नगर निकायों के कार्यो तथा सीएम डैश बोर्ड पर फीडिंग कार्य की समीक्षा हेतु शुक्रवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने नगर निकायों को निर्देश दिया कि नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छन्द विचरण करने वाले गोवंशों को गौआश्रय स्थलों में पहुंचाया जाय। डीएम ने कहा कि छुट्टा गौवंशों के संरक्षण हेतु यदि गौशाला की आवश्यकता हो तो अस्थायी गौशाला की स्थापना कर गौवंशों का संरक्षित किया जाय। डीएम ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में पशुओं के स्वच्छन्द विचरण को गम्भीरता से लेते हुए सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

डीएम ने नगर निकायों को निर्देश दिया संचारी रोगों पर प्रभावी अंकुश के लिए सम्पूर्ण नगर क्षेत्र में फागिंग तथा एण्टीलार्वा के छिड़काव के साथ-साथ मोहल्लें की साफ-सफाई, कूड़ा उठान का कार्य भी नियमित रूप से कराया जाय। डीएम ने अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभागीय अधिकारियों के साथ साफ-सफाई व्यवस्था का नियमित रूप से पर्यवेक्षण भी करें। प्रधानमंत्री स्वानिधि योजना कच्छप गति पर नाराज़गी व्यक्त करते हुए निर्देष दिया गया कि योजना का प्रचार-प्रसार का लाभार्थियों की संख्या को बढ़ाया जाय। डीएम ने नगर निकायों को यह भी निर्देश दिया शहरी क्षेत्रों को अतिक्रमण की समस्या से निजात दिलाने हेतु भी प्रभावी कार्यवाही करें। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी हेतु चयनित अभ्यर्थियों की सूची का उप जिलाधिकारियों के माध्यम से सत्यापन कराये जाने के निर्देश दिये गये। डीएम ने परियोजना अधिकारी डूडा को निर्देश दिया कि पिंक ई रिक्शा कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ा जाय तथा उन्हें ई-रिक्शा संचालन के लिए प्रेरित भी किया जाय ताकि ऐसे परिवारों की आय दोगुनी हो सके।

इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी सदर प्रिन्स वर्मा, पीओ डूडा सौरभ त्रिपाठी, ई.ओ. बहराइच प्रमिता सिंह सहित अन्य निकायों के अधिशासी अधिकारी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जबकि सदर को छोड़कर शेष तहसीलों के उप जिलाधिकारियों द्वारा वर्चुअल माध्यम से बैठक में प्रतिभाग किया गया।

त्रिगुट

सोमवार 23 अक्टूबर 2023

पहाड़ों पर बर्फ और मैदानों में चुनावी गर्मी

देश में पहाड़ों पर बर्फबारी से तापमान गिरकर 20 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है लेकिन देश के मैदानी राज्यों में विधानसभा चुनावों की गर्माहट तेज हो गयी है । पारा दिन-ब-दिन बढ़ता दिखाई दे रहा है । राजस्थान में भाजपा की वरिष्ठ नेता श्रीमती बसुंधरा राजे को मना लेने के दावे किये जा रहे हैं, वहीं मध्यप्रदेश में भाजपा और कांग्रेस में कहीं बगावत जारी है तो कहीं मान-मनव्वल । उधर मिजोरम जाने के लिए भाजपा को कोई चंद्रयान नहीं मिल रहा है। अभी तक मिजोरम में चुनावी माहौल ठंडा बना हुआ है।

पहाड़ों का मौसम बदलता है तो मैदानों का मौसम अपने आप बदलने लगता है ,लेकिन इस बार बर्फबारी के बावजूद मैदानों में चुनावी सरगर्मियां देखने लायक है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ जीतने के लिए भाजपा है कमान को जहाँ रूठों को मनाने में पसीना आ गया वहीं मध्यप्रदेश में अपनी सत्ता बचाये रखने के लिए भाजपा हाईकमान को ऐढ़ी -चोटी का जोर लगना पड़ रहा है । कांग्रेस को राजस्थान और छत्तीस गढ़ में सत्ता बचाना है जबकि मध्यप्रदेश और तेलंगाना में सत्ता हासिल करना है। मिजोरम के बारे में कोई भी दल बहुत ज्यादा गंभीर नहीं है। मध्यप्रदेश में भाजपा से सत्ता हासिल करने के लिए एक बार फिर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी आखरी दांव लगा रही है । कांग्रेस ने मध्यप्रदेश के लिए एक लंबा-चौड़ा वचन-पत्र जारी किया है। जिस्मने 59 मुद्दों पर 1250 वचन दिए गए है। कांग्रेस ने इस बार भाजपा सरकार की योजनाओं के नाम बदलने के साथ ही लगभग हर योजना में दी जाने वाली सहायता को स्वय या इयौढ़ा बढ़ा दिया है। अगर कांग्रेस अपने वचन-पत्र को मतदाताओं तक पहुंचा पाने में कामयाब रही तो यकीन जानिये कि भाजपा के लिए सत्ता में बने रहना कठिन हो जाएगा वैसे भी भाजपा खरीदे हुए जनादेश के सहारे प्रदेश की सत्ता में है।

भाजपा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की छवि 2003 के प्रदेश के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जैसी हो गयी है । वे भी अब भाजपा और प्रदेश के लिए बंटाधार साबित हो रहे हैं। प्रदेश में सड़कों और बिजली की दुर्दशा शिवराज सिंह सरकार पर भारी पड़ रही है। शिवराज पिछले विधानसभा चुनाव में कमलनाथ,दिग्विजय और महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया से लड़े थे, इस बार उन्हें कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी के अलावा अपनी ही पार्टी की मोदी-शाह की जोड़ी से भी जूझना पड़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती अभी तक नाराज है। उनके जिन समर्थकों के टिकिट कटे हैं उन्हें बहन मायावती अपनी पार्टी का टिकिट दे रहीं हैं। समाजवादी पार्टी ने भी चुनाव मैदान में खम ठोंक दिए हैं। इससे कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गयीं हैं। आम आदमी पार्टी अभी तक अपने लिए कोई जगह नहीं बना पायी है। मध्यप्रदेश में कल तक चुनावी रण में सबसे ज्यादा मुस्तैद दिखाई दे रही कांग्रेस के दोनों बड़े नेताओं की बदजुबानी बना-बनाया खेल बिगड़ती दिखाई दे रही है । पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह इस विधानसभा चुनाव के जरिये अपनी राजनीतिक विरासत अपने बेटों को सौंप देने पर आमादा है। पुत्र मोह में ये दोनों नेता पार्टी के नेता राहुल गांधी की कोशिशें को भी पलीता लगा दें तो कोई बड़ी बात नहीं है। कांग्रेस का चुनाव चिन्ह दो बैलों की जोड़ी युगों पहले बदल चुका है किन्तु आज के मध्यप्रदेश में कांग्रेस की पहचान दो बूढ़े बैलों की जोड़ी से ही है। दोनों अपने जीवन के अमृतकाल में हैं। इस जोड़ी की सबसे बड़ी बाधा ज्योतिरादित्य सिंधिया तीन साल पहले ही कांग्रेस के खेत-खलिहान छोड़कर भाजपा के साथ हो लिए थे। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का जादू जनता के सर से उतरने के लिए मोदी-शाह की जोड़ी ने सरे कस-बल लगा लिए हैं। भाजपा के लिए अशोक गहलोत से बड़ी चुनौती पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती बसुंधरा राजे सिंधिया की बगावत थी ,लेकिन आखिर-आखिर में हाईकमान उन्हें शांत करने में कामयाब होता दिखाई दे रहा है। राजे की नाराजगी भाजपा की सबसे बड़ी चुनाती है । राजस्थान में अशोक गहलोत को यदि किसी के नेतृत्व में हराया जा सकता है तो वे सिर्फ और सिर्फ बसुंधरा राजे ही है। राजे को आईना दिखने के लिए भाजपा हाई कमान ने जयपुर राजघराने की दीया सिंह को आगे बढ़ाने की कोशिश की ,लेकिन पैसा उलटा पड़ा।

दुर्भाग्यवश ही सब कुछ होय

सौभाग्य से ज्यादा सशक्त है और अपना रोल खूब निभाता है। झूठी मुस्कान, उदंड हंसी, नाटकीय संबंध सब उपलब्ध हैं और कामयाब हैं। भक्ति में भाव की कमी आई हुई है। ज़िंदगी में फ़िल्मी फैशननुमा भाव बढ़ रहे हैं। यह सब आम लोगों के दुर्भाग्यवश हो रहा है। अपनी सुविधायुक्त रिहाइश में रात भर आराम से सोकर वह सुबह उठे। निजी स्वास्थ्य प्रबंधक द्वारा दिए पेय का रसपान कर बाग़ में टहले। प्रकृति संवाद करते हुए योग किया। नहाकर, ईष्ट पूजन कर ताज़ा उम्दा फलों का रस पिया। बैठक में आकर आज का पहला वक्तव्य दिया, 'दुर्भाग्यवश समाज में विनम्र भाव में कमी आई है।' एक तरह से उन्होंने कह दिया कि बाज़ार में दुर्भाग्य का भाव चढ़ता जा रहा है। वह बात दीगर है कि उनको नहीं लगता कि उनका सौभाग्य तो दूसरों के दुर्भाग्य के कारण ही है। अब तो विनम्रता भी दुर्भाग्य का साथ दे रही है, अभिनय की तरह हो रही है। उसे सजा, संवारकर बाज़ार में उतार दिया गया है। दुर्भाग्य, सौभाग्य से ज्यादा सशक्त है और अपना रोल खूब निभाता है। झूठी मुस्कान, उदंड हंसी, नाटकीय संबंध सब उपलब्ध हैं और कामयाब हैं। भक्ति में भाव की कमी आई हुई है। ज़िंदगी में फ़िल्मी फैशननुमा भाव बढ़ रहे हैं। यह सब आम लोगों के दुर्भाग्यवश हो रहा है। सफल दिमागों की इसमें कोई भूमिका नहीं क्यूंकि उनकी जेब में तो सौभाग्यश्री विराज रहे हैं। वातावरण खुश है, महत्त्वपूर्ण और अमहत्त्वपूर्ण चीज़ें बाज़ार की रौनक बनी हुई हैं।

प्रकृति ने जो कुछ हमारे जीवन में रोपा वह दुर्भाग्यवश ही उजड़ा। इसमें कुदरत प्रेमी इंसान की ज़रा भी गलती नहीं है। संसार नश्वर है, जो सृजन हुआ है उसका विसर्जन होना है। अगर विदेशी शैली में संजीदा खोज हो तो पता चलेगा कि यह सब दुनिया रचने वाले की गलती है। अब तो यह उनका दुर्भाग्य ही है कि उनकी सबसे आश्चर्यजनक रचना बदहाल हुई जाती है। संसार के महाशक्तिशाली व्यक्ति एक दूसरे को खत्म करने पर तुले हैं। यह सब मानवता के दुर्भाग्य के कारण हो रहा है। दुर्भाग्य के कारण ही अब राजनीतिज्ञ खुद हर मामले में राजनीति करते हुए दूसरों से कहते हैं कि राजनीति न करें। राजनेता कहता है कि संकट की घड़ी में राजनीति न करें। यह उनका सौभाग्य है लेकिन उनका चुनाव जीतना जनता का दुर्भाग्यशाली होना बताता है। कुदरत की नाराजगी या अप्रत्याशित कारणों से तबाही और जान माल का नुकसान होता है तो उसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण कहा जाता है। बात तो ठीक है उनकी, राजनीतिजी तो सौभाग्य के कारण ही विकासजी के नाम पर सड़कों, इमारतों, पुलों और सुरंगों के माध्यम से पर्यावरण का नुकसान करती है। सबसे सुरक्षित कारण यह है कि घटनाएं दुर्भाग्यवश होती हैं। अवैध निर्माण, अवैध खनन, अनुचित विकास कार्यों का कोई दोषी नहीं। इससे पता चलता है कि हमारी ज़िंदगी में सौभाग्य कम सक्रिय है दुर्भाग्य ज्यादा बेहतर तरीके से काम कर रहा है।

क्या किसी विदेशी विश्वविद्यालय में अध्ययन करना उचित है ?

विजय गर्ग

पिछले कुछ सालों से भारत से लोगों का विदेश जाकर विदेशी कॉलेजों में दाखिला लेने और वहीं बस जाने का क्रेज बढ़ रहा है। सरकार के मुताबिक, 2016 से 2021 के बीच 26.44 लाख भारतीय छात्र पढ़ाई के लिए विदेश गए। एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) के अनुमान बताते हैं कि साल 2020 में 4.5 लाख भारतीय छात्र शिक्षा के लिए विदेश गए और उन्होंने इस प्रक्रिया में 13.5 अरब डॉलर खर्च किए। साल 2022 में ये खर्च 24 अरब डॉलर यानी करीब 2 लाख करोड़ रुपये था. रेड सीयर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 तक यह खर्च 80 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जब अनुमानतः 20 लाख भारतीय छात्र विदेश पढ़ने जाएंगे. यदि हम राज्यवार विश्लेषण करें तो वर्ष 2021 तक विदेश में पढ़ने जाने वाले छात्रों में से 12-12 प्रतिशत पंजाब और आंध्र प्रदेश से थे; और 8 प्रतिशत गुजरात से थे। यदि युवाओं की कुल संख्या के अनुपात में देखा जाए तो पंजाब से प्रति हजार में से 7 युवा, आंध्र प्रदेश से प्रति हजार में से 4 युवा और गुजरात से प्रति हजार में से कम से कम 2 युवा हर साल विदेश में पढ़ाई करने जा रहे हैं। यदि हम 2016 से 2022 तक की संचयी संख्या लें तो स्थिति काफी चिंताजनक दिखती है। पंजाब में यह संख्या 50 प्रति हजार, आंध्र प्रदेश में 30 प्रति हजार और गुजरात में 14 प्रति हजार है। पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि कई कारणों से चिंता का विषय है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि ये युवा शिक्षा और रोजगार की तलाश में विदेशों की ओर पलायन कर रहे हैं और इस प्रवास के कारण देश में आर्थिक गतिविधियों के लिए श्रमिकों की कमी हो रही है। देश में शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। यदि हम उच्च शिक्षा में छात्रों के प्रवेश पर नज़र डालें तो 1990-91 में केवल 49.2 लाख छात्रों ने उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लिया; लेकिन साल 2020-21 में ये संख्या 414 लाख तक पहुंच गई. मोटे तौर पर कहें तो पिछले 30 वर्षों में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या 10 गुना से अधिक बढ़ गई है। अगर हम उच्च शिक्षा संस्थानों की बात करें तो हम देखते हैं कि वर्ष 2021 में देश में 1113 विश्वविद्यालय और समकक्ष संस्थान, 43796 कॉलेज और 11296 स्टैंडअलोन शैक्षणिक संस्थान थे। जहां तक ?शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए शुल्क का सवाल है, तो अधिकांश भारतीय शिक्षण संस्थानों में यह विदेशी संस्थानों की फीस से काफी कम है और जिन विदेशी संस्थानों में भारतीय युवा प्रवेश ले रहे हैं उनमें से अधिकांश का स्तर बहुत ही निम्न स्तर का है। तो, सवाल यह उठता है कि भारतीय युवा भारी मात्रा में पैसा खर्च करके विदेशी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश क्यों लेते हैं? इसका सरल उत्तर यह है कि जो छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विदेश जाते हैं, उनमें से अधिकांश वास्तव में उच्च डिग्री प्राप्त करने के लिए नहीं जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा सहित अन्य देशों और यूनाइटेड किंगडम सहित यूरोपीय देशों में जाने वाले भारतीय छात्रों का वास्तविक इरादा शिक्षा प्राप्त करने के लिए बहुत उत्सुक नहीं है।

समय के महत्व को समझें

नरेन्द्र भारती

समय के महत्व को समझें और अपनी महत्वकाक्षांओं को पूरा करें। समय के पाबंद बनें। अगर समय के साथ नहीं चलोगे तो पिछड़ जाओगे। समय का प्रबंधन करें। समय सारणी बनाएं और हर पल का फायदा उठाएं। समय का सदुपयोग करें और अपने जीवन को खुशहाल बनाएं। समय सबसे बड़ा गुरु है। समय एक अनमोल पूंजी है। समय को जिसने भी बरबाद किया समय ने उसे भी बरबाद कर दिया। समय किसी का इंतजार नहीं करता। समय का सदुपयोग करोगे तो सफलता हासिल करोगे अगर समय का दुरुपयोग किया तो धराशायी हो जाओगे। वक्त का पहिया जब घूमता है तो कंगाल होने में देर नहीं लगती। मानव को हमेशा अतीत का आईना देखते रहना चाहिए ताकि अहसास होता रहे कि ऐसे भी दिन थे दिन एक जून की रोटी नसीब नहीं होती थी आज जब समय बदला तो अपना गुजरा हुआ वक्त भूल रहा है। आदमी भले ही कितना बड़ा बन जाए अतीत की परछाईयां उसका दामन नहीं छोड़ती मरते दम तक साथ रहती हैं। । वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए। आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए। किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए। क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है। समय के पास सबका लेखाजोखा है। मानव को समय से डरना चाहिए न जाने कब कैसा समय देखना पड़े।

कहानी

जिम्मेदार आदमी

दिनेश चंद्र वर्मा

आखिर कल्लू उर्फ कालूराम वल्द रामलाल उम्र 20 साल जाति हरिजन साकिन बेरखेड़ी खुर्द तहसील ग्यारसपुर जिला विदिशा को जिला पुलिस अधीक्षक ने ग्रामरक्षक अर्थात्‌ चौकीदार के पद पर नियुक्त कर ही दिया। नियुक्ति का यह कागज उसे थाने से मिला और उस छोटे से कागज को देखकर उसे उतनी ही खुशी हुई, जैसे वर्षों से प्रतियोगिता में बैठ रहे उम्मीदवार को आई.ए.एस. की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के समाचार से होती है।

इस छोटे से कागज के लिये कल्लू उर्फ कालूराम पिछले एक साल से थाने और जिला कचहरी के दफ्तर के चक्कर काट रहा था। न जाने कितने बाबूओं के उसने हाथ जोड़े थे और न मालूम कितने खाकी वर्दी वालों के पैरों को उसने छुआ था। कोई उसे झिड़कता तो कोई उसे हिम्मत बंधाता। बड़ी मुश्किल से उसे यह कागज मिल पाया था और उस कागज को उसने इस तरह संभालकर अपने कुर्ते की जेब में रखा था, जैसे उसे गांव की जागीरदारी का पट्टा मिल गया हो।

चौकीदार, जिसे गांव के लोग कोटवार तथा सरकारी कागजों में ग्रामरक्षक कहा जाता है, कल्लू के लिये बड़ा परिचित नाम था। उसके यहां कई पीढ़ियों से चौकीदारी या कोटवारी का ही काम होता आ रहा था। उसका बाप रामलाल भी कोटवार था, यदि उसके बाप की जानकारी सही थी तो उसके दादा और परदादा भी चौकीदार थे। न जाने कब यह नियम बना था कि चौकीदार के बेटे को ही चौकीदार बनाया जाए और यह नियम आज तक लागू था।

पिछले साल तक कल्लू का बाप ही चौकीदार था, पर तीन-चार रोज के बुखार में ही वह परलोकवासी हो गया तो मौजा (गांव) बेरखेड़ी खुर्द चौकीदार विहीन अर्थात ग्रामरक्षक विहीन हो गया। सबसे पहले इसकी चिंता ग्राम के सरपंच चौधरी अजब सिंह को हुई। फिर इलाके के थानेदार को। इसके बाद चौकीदार की कमी से कई और लोग चिंतित हुए, जिनमें गांव के स्कूल के हेडमास्टर साहब, पास के गांव के पशु डॉक्टर, टीका लगाने वाला वेक्सीनेटर, नर्स-बाई, हफ्ते-दो हफ्ते में आने वाले पटवारी साहब, ग्रामसेवक और मलेरिया विभाग के बाबू शामिल थे।

जब कल्लू का बाप चौकीदारी करता था तो कल्लू गांव के दो-चार घरों के गाय-बैल चराने के लिये ले जाता था। वह दिन भर इन्हीं गाय, बैलों के साथ भटकता रहता था, इसलिये उसे पता ही नहीं था कि चौकीदार के काम क्या हैं? हां उसने अपने बाप को नीली कमीज, नीली टोपी और फटी धोती पहने जरूर देखा था। कमीज के ऊपर उसका बाप एक बेल्ट भी बांधता था, जिस पर कुछ लिखा होता था। मगर उसका बाप चौकीदारी कैसे करता था और हाथ में लाठी लिये हुए दिन भर कहां जाता था, इसका उसे कुछ पता नहीं था।

गांव के सरपंच अजबसिंह ने जब उससे चौकीदारी की अर्जी पर निशानी अंगूठा लगवाया था तो उसने झिझकते हुए यह कह भी दिया था कि हुजूर मुझे मालूम नहीं है कि चौकीदारी कैसे करते हैं। उसकी इस बात पर सरपंच हंस पड़ा और बोला 'साले तेरा बाप क्या अपनी मां के पेट से चौकीदारी सीख कर आया था, वह भी तो हमारी खिदमत करके ही सब सीखा था' सरपंच साहब खानदानी, रईस थे और कल्लू ही नहीं सारा गांव उनसे डरता था। कल्लू ने ठान लिया कि वह चौकीदार बन जाएगा तो सरपंच साहब की खूब खिदमत करेगा।

कल्लू ने सोचा था कि जब इतने बड़े आदमी ने अर्जी लिखवाई है तो दो-चार दिन में उसे चौकीदारी का हुक्म भी मिल जाएगा। इसी उम्मीद से उसने गाय-बैल चराना भी छोड़ दिया, पर जब एक महीना बीत गया और उसे हुक्म नहीं मिला तो उसने यह सोचते हुए कि सरपंच साहब बड़े आदमी हैं, भूल गए होंगे, उनके यहां हाजिर होने को फैसला किया। सरपंच ने उसे देखते ही पूछा क्यों बे तुझे अभी हुक्म मिला या नहीं? कल्लू ने जब इंकार किया तो सरपंच साहब बोले कल थाने में जाकर थानेदार साहब से मिल लेना, वे बता देंगे कि तुझे कब हुक्म मिलेगा।

दूसरे दिन वह थाने पहुंचा। थानेदार के सामने जाने की तो वह हिम्मत ही नहीं जुटा पाया। सिपाहियों और वहां तैनात मुंशीजी को चाय, सिगरेट पिलाकर वह इतना जान सका कि उसकी अर्जी, जिले के कप्तान साहब को भेज दी गई है। मुंशी ने उसे यह भी बताया कि कप्तान के दफ्तर में इतना बड़ा पोल खाता है कि हाथी भी घुस जाए तो पता नहीं चले। उसकी अर्जी न जाने किस कोने में दबी पड़ी होगी। इसलिये चार दिन बाद जब मुंशी जी जिला दफ्तर जाएं तो कल्लू भी उनके साथ चला जाए और अर्जी पर वजन रखने के लिये रुपयों का इंतजाम करता लाये।

चार दिन बाद कल्लू फिर थाने में हाजिर हुआ। मुंशीजी ने अपना बस्ता कल्लू के सिर पर रखा और बस अड्डे की ओर रवाना हुए। बस के आने में देर थी। इस बीच मुंशी जी ने दो बार चाय पी, दो बार पान खाया तथा एक डिब्बी सिगरेट खरीदी। यह बताने की जरूरत नहीं कि इस सबके पैसे कल्लू को ही देना पड़े। बस आई तो मुंशी जी ने अपने पुलिसिया रौब से एक सवारी को उठा दिया और खुद पसर कर बैठ गये। कल्लू उनका बस्ता रखे हुए, जैसे-तैसे खड़े रहने की जगह बना पाया। दो घंटे की यात्रा के बाद बस जिला सदर मुकाम पहुंची तब तक मुंशी जी सिगरेट की सारी डिब्बी बस में ही धुआं बनाकर उड़ा चुके थे। बस से उतरकर मुंशी जी ने पहला काम यह किया कि वे खाने की एक होटल में घुस गये। कल्लू बाहर खड़ा रहा और मुंशी जी ने एक प्लेट मुर्गा तथा आठ रोटियां फटकारने के बाद कल्लू को पैसे देने का हुक्म दिया। फिर उन्होंने एक पान मुंह में दबाया और सिगरेट की एक नई डिब्बी ली। भक्तिभाव से कल्लू इस सबके पैसे देता रहा। बाद में मुंशी जी और कल्लू एक तांगे में सवार होकर पुलिस कप्तान के दफ्तर पहुंचे। कल्लू को एक पेड़ के नीचे खड़ा करके मुंशी जी उस दफ्तर में ऐसे लापता हुए कि कल्लू के खड़े-खड़े पैर दुखने लगे। थककर वह पेड़ के नीचे बैठ गया।

जब दोपहर ढलने लगी तो मुंशी जी बाहर आए। हाथ का बस्ता उन्होंने फिर कल्लू को थमा दिया। मुंशी जी के साथ एक और बाबूजी थे। मुंशी जी ने उन बाबूजी से कहा बड़े बाबू ये हमारे इलाके के बेरखेड़ी खुर्द गांव का कल्लू है। इसका बाप रामलाल पहले वहां चौकीदार था। वह मर गया है, उसकी जगह चौकीदारी के लिये इस कलुआ ने अर्जी दी है। थाने से अर्जी आपके पास आ गई है। अब आप उस अर्जी पर कृपादृष्टि कर दो, यह कलुआ आपकी खिदमत करने के लिये ही आया है। बड़े बाबू और मुंशी जी दोनों ही यह जानते थे कि खिदमत का अर्थ क्या है। अब मुंशीजी ने कल्लू से कहा क्यों बे, सूखे ही सूखे चौकीदारी चाहता है, बाबूजी को चाय-पानी नहीं कराएगा।

तीनों ही पास की एक होटल की ओर बढ़े। अबकी बार मुंशीजी ने कल्लू को भी साथ चलने को कहा। तीनों जब भीतर पहुंचे तो खाने-पीने की चीजों का आर्डर देने का काम मुंशीजी ने संभाल लिया। पहले गुलाब जामुन आयी, फिर रबड़ी, फिर कचोरी फिर समोसे और उसके बाद चाय। कल्लू ने चाय को छोड़कर अन्य चीजों के नाम ही सुने थे। इन चीजों का स्वाद चखकर वह अपने आपको धन्य समझने लगा। चाय की चुस्की लेते हुए मुंशी जी ने कल्लू से कहा तू जो पांच सौ रुपये लेकर आया है वह बाबूजी को दे दे। कल्लू अब तक एक सौ रुपया मुंशी जी की सेवा में खर्च कर चुका था। उसने कहा हुजूर अब तो चार सौ ही बचे हैं। मुंशी जी यह सुनकर भड़के और बोले साले तुम हो गांव के गंवार, पूरे पैसे लेकर क्यों नहीं आए। बड़े बाबू क्या तेरे नौकर हैं जो मुफ्त में तुझे चौकीदारी का आर्डर दे देंगे। कल्लू चुप हो गया। अब बड़े बाबू ने बात आगे बढ़ाई ऐसा करो तुम तीन सौ रुपए अभी दे जाओ दो सौ रुपए आठ-दस दिन बाद दे जाना तब तक मैं तुम्हारी अर्जी आगे बढ़ा दूंगा। तीन सौ रुपए अपनी जेब के हवाले करने के बाद बाबू होटल से बाहर निकले और होटल का बिल कल्लू को ही चुकाना पड़ा।

रात को वे थाने में पहुंच गए। थाने में मुंशी जी से राम-राम करने के बाद जब कल्लू अपने गांव के लिये रवाना हुआ तो उसने यह फैसला कर लिया था कि घर के बरतन और सारे जेवर गिरवी रखने के बाद गांव के बनिया ने उसे पांच सौ रुपए दिये थे। अब वह इन बरतनों और जेवरों को बेच देगा, ताकि बड़े बाबू के लिये दो सौ रुपए का इंतजाम कर ले और इस गांव का चौकीदार बन जाए।

अपने वादे के मुताबिक कल्लू बड़े बाबू को दो सौ रुपए और दे आया। उन्होंने अर्जी भी आगे बढ़ा दी। बड़े बाबू ने अर्जी डिप्टी साहब को भेजी, डिप्टी साहब ने स्टेनो को, स्टेनो ने रीडर को, रीडर ने उसे कप्तान साहब के सामने पेश किया, पर अर्जी की चाल ने चींटी को भी मात कर दिया। कल्लू का अब नियम बन गया था कि वह हर हफ्ते जिला सदर मुकाम जाता। वहां बड़े बाबू को चाय-पानी कराता। उसके बाद वह उस अफसर के सामने खड़ा हो जाता, जिसके बारे में बड़े बाबू उसे बताते। हर बार वह दो-चार लोगों के पैरों से हाथ लगाता। इतनी भाग-दौड़ के बाद उसे पता चला कि उसकी अर्जी मंजूर हो गई है। कप्तान साहब ने आर्डर कर दिया है, मगर आर्डर के जिला सदर मुकाम से थाने पहुंचने में ही डेढ़-दो महीने लग गए। इस बीच वह गांव में मेहनत-मजदूरी करता रहा, पर इससे उसका और उसके घर का पेट ही भर पाता था। जिला सदर मुकाम जाने, वहां चाय, पानी कराने के लिये उसे यहां-वहां से कर्जा भी लेना पड़ता था, जिसे उसने चौकीदार बनने के बाद चुकाने का वादा किया था। सारे गांव को उसके चौकीदार बनने का इंतजार था। जब वह जिला सदर मुकाम से लौटता तो कई लोग उससे पूछते कि उसकी चौकीदारी का क्या हुआ? यह बात दूसरी है कि कुछ लोग यह बात अपना रुपया वापस लेने के लिये पूछते तो कुछ लोग मजाक उड़ाने के लिये। गांव के कुछ निठल्लों ने लिए कल्लू की चौकीदारी एक लतीफा बन गई थी।

कल्लू ने खुशी से गदगद होकर ज्यों ही नियुक्ति का कागज जेब में रखा, त्यों ही मुंशीजी ने कहा साले आर्डर तो जेब में रख लिया और हमें क्या उल्लू ही समझ लिया है जो हम इतने कागज लगाते रहे। थाने का मुंह मीठा कराये बिना तू यहां से जा नहीं सकता। कल्लू ने इसे मुंशी जी की अहसान भरी झिड़की मानी। मगर आज उसकी जेब में दो रुपए ही थे। उसने कहा हुजूर आज तो जेब खाली है दो-चार दिनों में मुंह मीठा करा जाऊंगा। कल्लू के इस जवाब से मुंशी जी और उदार होते हुए बोले अबे रुपयों की क्यों फिकर करता है रुपये तो मैं अभी दिये देता हूं। तेरी पगार जब आएगी, तब उसमें से काट लूंगा। यह कहते हुए मुंशी जी ने कल्लू के जवाब की प्रतीक्षा नहीं की, बल्कि जेब से सौ रुपये का एक नोट निकालकर एक सिपाही को दिया और कहा जाओ ठाकुर साहब एक किलो मिठाई ले आओ। थोड़ा-बहुत नमकीन ले आना। दस पेशल चाय बोल आना, दस पान बनवा लाना और एक डिब्बी सिगरेट की ले आना।

जिला सदर मुकाम और थाने के चक्कर काटते हुए कल्लू इतना तो जानने ही लगा था कि इतने सामान के आने के बाद सौ रुपये का नोट पूरी तरह ही खर्च हो जाना है। थाने का मुंह मीठा कराने की इस व्यवस्था से उत्साहित मुंशी जी ने अपने मुंह में मिठास लाते हुए कल्लू को समझाना शुरू किया कि अब वह भी सरकार और पुलिस का जिम्मेदार आदमी हो गया है। इसलिये हर हफ्ते सोमवार को उसे थाने में हाजिरी देनी होगी और गांव की सारी रिपोर्ट थानेदार साहब और मुंशी को देनी होगी। गांव में कोई बदमाशी करे तो यह भी बताना होगा। गांव में कोई मर जाये, किसी के घर बच्चा पैदा हो, इसकी रिपोर्ट आकर दर्ज कराना होगी। गांव में चोरी, डाकेजनी, मारपीट, बलवा और खून हो जाए तो उसकी रिपोर्ट तुरत-फुरत थाने में देना होगा। इसके अलावा कुछ और बातें उसे थाने में बताना होंगी, जैसे गांव में जुआ खेलने, शराब, गांजा और चरस पीने के शौकिनों के बारे में भी उसे खबर थाने में देनी होगी।

मुंशीजी से यह गुरुज्ञान प्राप्त करके तथा सारे थाने का मुंह मीठा कराके कल्लू अपने गांव लौट आया। उसे गांव में जो भी मिला, उसे उसने बता दिया कि वह चौकीदार हो गया है। उसने सरपंच साहब को भी जाकर यह खबर सुनाई।

सरपंच साहब यह सुनकर बहुत खुश हुए और बोले हमारी कोशिश कभी बेकार नहीं जाती। अब तू मन लगाकर अपने बाप की तरह काम करना। कल्लू हाथ जोड़कर उनके उपदेश सुनता रहा और लौटकर घर आ गया। रात को वह चैन की नींद सोया, आखिर महीनों पुरानी चिंता दूर हो गई थी।

दूसरे दिन सुबह उठकर उसने एक मटके में रखी अपने बाप की पुरानी वर्दी को निकाला। बेल्ट को कपड़े से रगड़ा तथा कपड़ों को धोकर सूखने के लिये डाल दिया। तीन-चार दिन बाद सोमवार को उसे थाने में हाजिरी देने जाना है और कल्लू इतना जानता था कि हाजिरी के लिये वर्दी पहिनना बहुत जरूरी है। वह अपनी वर्दी की इस चिंता से मुक्त हुआ ही था कि उसे सरपंच साहब के यहां से बुलावा आ गया। उनके बरामदे में पटवारी साहब बैठे हुए थे। सरपंच ने कल्लू से कहा कि पटवारी साहब लगान वसूल करने के लिए आए हैं, इसलिये गांवों के सभी किसानों को खबर कर दो कि अपना-अपना लगान लेकर आ जाएं। गांव के अधिकांश घर किसानों के थे। नतीजे में कल्लू ने हर घर की कुण्डी खटखटाई। जो लोग एक बार के बुलाने पर नहीं आए, उन्हें वह दूसरी बार बुलाने गया। कई लोगों को बुलाने के लिये उसे चार-चार, पांच-पांच बार जाना पड़ा। वह दिन भर भाग-दौड़ करता रहा। शाम को भूख और थकान से उसका बुरा हाल था और इस तरह कल्लू उर्फ कालूराम वल्द रामलाल साकिन (निवासी) बेरखेड़ीखुर्द तहसील ग्यारसपुर जिला विदिशा ने ग्रामरक्षक उर्फ चौकीदार उर्फ सरकार के सबसे जिम्मेदार आदमी के रूप में अपनी नौकरी का पहला दिन पूरा किया। दूसरे दिन सुबह होते ही एक नई जिम्मेदारी उसकी प्रतीक्षा कर रही थी। पंचायत के मुंशी जी ने उसे कागजों का एक पुलिंदा थमाते हुए कहा ये डाक आज ही तहसील के पंचायत दफ्तर में पहुंचानी है और इसकी रसीद लेकर आना है। वह इस जिम्मेदारी को पूरा करने के लिये दस मील पैदल तहसील गया और वहां पंचायत दफ्तर तलाश करके कागज सौंपे, पर यहां भी उसे जिम्मेदार आदमी मान लिया गया। दफ्तर का चपरासी छुट्टी पर था, इसलिये बाबुओं ने उसे चाय-पान और सिगरेट लाने की जिम्मेदारी सौंप दी। हां, इस काम में उसे भी दो-तीन बार चाय पीने का मौका मिल गया। तीसरे दिन ग्रामसेवक जी आ धमके, उन्हें अपने दफ्तर तक जरूरी डाक पहुंचना थी। चौथे दिन जब वह थाने में हाजिरी देने जा रहा था कि गांव की मिडवाइफ जिसे लोग नर्स बाई कहते थे, पास के अस्पताल से दवाएं लाने की एक चिट्ठी दे गयीं। मगर जब उसने थाने में हाजिरी की मजबूरी बताई तो उन्होंने बहुत दयाभाव से कहा कोई बात नहीं, कल ले आना। थाने में वह वर्दी लगाकर हाजिर हुआ। मुंशी जी उसके इंतजार में ही बैठे थे। कल्लू उन्हें गांव की खैरियत रिपोर्ट दे पाता इसके पहले ही मुंशी जी ने कहा जरा थानेदार साहब के बंगले में चला जा वहां से दो-तीन खबरें आ चुकी हैं। थानेदार साहब थाने के अहाते में एक क्वार्टर में रहते थे, जिसे बंगला कहा जाता था। बंगले में कई जिम्मेदारी के काम उसका इंतजार कर रहे थे। इनमें से कुछ काम थे थानेदार के सारे घर के कपड़ों को धोना, उनकी गाय के लिये घास काटकर लाना, बंगले के आसपास की सफाई करना शाम को उसे खुद थानेदार साहब ने एक जिम्मेदारी का काम सौंपा। यह काम था थानेदार साहब का नाम लेकर बिना पैसा दिए शराब की दुकान से एक बोतल शराब लाना। दिन भर वह दौड़-दौड़कर काम करता रहा, किसी ने उससे यह भी नहीं पूछा कि उसने कुछ खाया-पिया भी है या नहीं।

रात को थका-हारा वह लौटा। ग्राम बेरखेड़ी खुर्द का वह सबसे जिम्मेदार सरकारी आदमी चोरों की तरह अपने घर में घुसा और सो गया। उसे डर था कि कहीं कोई और जिम्मेदार काम उससे आकर नहीं चिपट जाए।

संक्षिप्त समाचार

12 क्विंटल अफीम का डोडा बरामद, दो तस्कर दबोचे

हैदरगढ़ (बाराबंकी)। एसटीएफ व हैदरगढ़ कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने गुरुवार की रात लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर एक डीसीएम में लदा करीब 12 क्विंटल 23 किलो अफीम का डोडा बरामद किया, जिसकी कीमत करीब 12 करोड़ रुपये हैं। तस्करों ने इसे शकरकंद के बीच छिपा रखा था। पुलिस ने बरेली के दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की तह तक जाने में जुटी है। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि झारखंड के रांची से शकरकंद की बोरियों के बीच अफीम का डोडा डीसीएम पर लादकर बरेली ले जाया जा रहा है। इस पर एसटीएफ व हैदरगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम ने लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर हैदरगढ़ चौराहे के पास रात करीब डेढ़ बजे घेराबंदी कर डीसीएम को रोकवा लिया। पुलिस ने डीसीएम में सवार बरेली जिले के भमौरा थाना क्षेत्र के बल्लिया गांव निवासी समीर शाह व इसी जिले के बारादरी थाना क्षेत्र के एजाजनगर गोड़िया निवासी अनीस को गिरफ्तार कर लिया। हैदरगढ़ के कोतवाल अजय त्रिपाठी ने बताया कि पकड़े गए दोनों तस्करों ने बताया कि बरेली के जगतपुर गोड़िया निवासी असलम तस्कर गिरोह का सरगना है। उसी के कहने पर हम लोग डोडा बरेली लेकर जा रहे थे। डीसीएम भी बरेली के जलापुर भोजीपुरा गुड्डू की है। इस काम के बदले दोनों को 25-25 हजार रुपये मिलते हैं और पहले भी कई बार डोडा की सप्लाई कर चुके हैं।

सिलिंडर लीक होने से लगी आग, 10 आशियाने राख

रामसनेहीघाट (बाराबंकी)। कोतवाली क्षेत्र के गोड़ियनपुरवा मजरे असेना गांव में शुक्रवार को दोपहर एक घर में सिलिंडर लीक होने से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने छप्परनुमा घरों को चपेट में ले लिया। इससे 10 आशियाने राख हो गए। इस दौरान दो महिलाएं झुलस गईं। फायर ब्रिगेड टीम ने आग पर काबू पाया। रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के गोड़ियनपुरवा मजरे असेना गांव में शिवकुमार के घर में रसोई गैस सिलिंडर लीक हो रहा था। दोपहर करीब तीन बजे इसी बीच खाना बनाते वक्त आग भड़क गई। यह देख शिवकुमार के घर के लोग बचाव के लिए चिल्लाने लगे। घर के ऊपर छप्पर रखा होने के कारण आग तेजी से फैल गई। देखते ही देखते आसपास स्थित दयाशंकर, राम, रामलाल, शांति देवी, शिवराम, नरेश, महादेव, आशा, रामरती, ममता के घर पर रखे छप्परों में भी आग फैल गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम रास्ता संकरा होने के कारण तुरंत मौके पर नहीं पहुंच सकी। पाइप जोड़कर कर्मचारियों ने आग बुझाना शुरू किया। इस दौरान गांव की सरिता व संजू आग से झुलस गईं। फायर ब्रिगेड ने जब तक आग पर काबू पाया, तब तक गृहस्थी का सामान राख जल गया। मौके पर पहुंचे एसडीएम रामआसरे वर्मा, सीओ जटाशंकर मिश्र ने करीब 10 लाख के नुकसान का अनुमान लगाया है। क्षेत्रीय विधायक व राज्यमंत्री सतीश शर्मा की ओर से पीड़ितों को राहत सामग्री बांटी गई है।

आभूषण का डिब्बा खोलेगा हत्या का राज, लखनऊ पहुंची पुलिस

देवरिया । क्षेत्र के जोगिया मोड़ स्थित पुलिया के निकट गद्दे में महिला का धड़ और पास फेंके गए ट्रॉली बैग में पैर मिलने के मामले की जांच करने पुलिस लखनऊ पहुंच गई है। शव के साथ पुलिस को आभूषण का एक डिब्बा मिला था जिसपर लखनऊ का पता अंकित था। इससे महिला की हत्या कर शव ठिकाने लगाने का राज खुलने की उम्मीद जगी है। महिला के शव के पास से बैग में मिले आभूषण के डिब्बे लखनऊ के ज्वेलरी की दुकान का होना बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार टीम दुकान की पड़ताल करने के लिए लखनऊ गई हुई है। जहां आभूषण की दुकान के सीसीटीवी कैमरे की दो वर्ष तक की फुटेज खंगाला जा रहा है। जिसके जरिए अपराधियों तक पहुंचने में आसानी होगी। हालांकि मामले में 22 दिन बाद भी पुलिस कोई खुलासा नहीं कर सकी है। लोगों के अनुसार जोगिया मोड़ स्थित पुलिया के पास धान के खेत में संदिग्ध हाल में गद्दा और बैग देखा था। जानकारी होने पर आसपास के लोग जमा हो गए थे। जबकि सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची थी। गद्दा और ट्रॉली बैग खोला गया तो लोग अवाक रह गए। नए गद्दे में महिला का धड़, जबकि बैग में कटा हुआ पैर और अन्य सामान बरामद हुए थे। लोग महिला को गैर जनपद या आरकेस्ट्रा की नर्तकी से जोड़कर देख रहे हैं। भलुअनी थाना प्रभारी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि जांच कराया जा रहा है। कुछ सुराग हाथ लगे हैं। जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा।

मातृ शक्ति ने देश को राह दिखाई - डॉ. रमापति राम

देवरिया। मिशन शक्ति फेज-4 के तहत शुक्रवार को टाउन हॉल सभागार में महिलाओं का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। सदर सांसद डॉ. रमापति राम त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी अर्धांगिनी कहा गया है। मातृ शक्ति को जब-जब अवसर मिला उसने राष्ट्र को नई राह दिखाई। कभी रानी लक्ष्मीबाई व अहिल्याबाई तो कभी सावित्री बाई फुले के रूप में समाज को नई दिशा दी। मातृ शक्ति को जब भी अवसर मिला उसने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय गणराज्य की संकल्पना में विभेद का कोई स्थान नहीं है। महिला अधिकार भारतीय संस्कृति में प्रदत्त है। भारत में शिक्षा की पद्धति में गुरुकुल की समृद्ध परंपरा रही है। महिला थाना प्रभारी सुषमा तिवारी, चाइल्ड हेल्पलाइन कॉर्डिनेटर ज्योति जायसवाल, स्मिता श्रीवास्तव, सुनीता सिंह, अंजनी द्विवेदी ने भी संबोधित किया।

दो घरों का ताला तोड़कर हजारों का सामान चोरी

देवरिया । खुखुंदू थाना क्षेत्र के पड़री पांडेय गांव में बृहस्पतिवार रात दो घरों का ताला तोड़कर हजारों का सामान चोर चुरा ले गए। सूचना पर पहुंची खुखुंदू पुलिस ने जांच की। खुंखूदू थाना क्षेत्र के पड़री पांडेय गांव निवासी राजनाथ शर्मा के घर बृहस्पतिवार रात चोर ने ताला तोड़कर घुस गए तथा बॉक्स में रखे सोने के जेवरात और करीब दस हजार रुपये चोरी कर लिए। वहीं, गांव के ही गुलाब कुशवाहा के घर के अंदर रखे बाक्स का ताला तोड़कर हजारों का सामान चुरा लिया। दोनों परिवारों के लोगों को चोरी की जानकारी सुबह हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो पीड़ितों ने खुखुंदू थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी वकीलों पर कसेगा शिकंजा, प्रशिक्षु वकील पहनेंगे काली टाई

फर्रुखाबाद। कचहरी में फर्जी वकीलों के प्रवेश पर रोक को लेकर बार एसोसिएशन ने निगरानी समिति का गठन कर दिया है। प्रशिक्षु वकील काली टाई पहनेंगे और मुंशी के काला कोट व जैकेट पहनने पर रोक रहेगी। सभी के परिचय पत्र बार एसोसिएशन जारी करेगी। वकालतनामा 25 अक्तूबर से 120 रुपये महंगा मिलेगा। यानी 350 रुपये का मिलेगा। बार एसोसिएशन के सभागार में अध्यक्ष जवाहर सिंह गंगवार व महासचिव नरेश यादव की अगुवाई में पदाधिकारियों व वकीलों बैठक शुक्रवार दोपहर हुई। बैठक में महासचिव नरेश ने कहा कि कचहरी में वकीलों की यूनिफार्म पहनकर आने वाले लोगों पर शिकंजा कसा जाएगा। सभी वकील यूनिफार्म में आएं। प्रशिक्षु वकील काली टाई पहनेंगे। वे जिस कॉलेज में कानून की पढ़ाई कर रहे हैं। वहां से कचहरी में बैठने का प्रमाण पत्र लाएं। जिस वकील के पास बैठकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, उनसे भी लिखित प्रमाण पत्र लेकर आएं। इसके बाद उनको परिचय पत्र बार एसोसिएशन से जारी किया जाएगा। वकीलों के मुंशी पर काला कोट व जैकेट पहनने पर रोक रहेगी। मुंशियों के परिचय पत्र भी जारी किए जाएंगे। अन्य व्यापार करने वाले वकील कचहरी में वकालत नहीं कर सकेंगे। इन लोगों को वकालत या व्यवसाय में से एक काम करना होगा। इसके लिए निगरानी समिति बनाई जाएगी। अभी तक वकालतनामा 230 रुपये में मिलता था। 25 अक्तूबर से इसमें 120 रुपये की वृद्धि करने का निर्णय बैठक में लिया गया। वकालतनामा 350 रुपये में मिलेगा। सर्व सम्मति से साथी वकीलों ने सभी प्रस्ताव पर मंजूरी जताई। इस दौरान उमेश मिश्रा, पवन मिश्रा, शहजाद अली बंटी, पूर्व पदाधिकारी राजेंद्र सिंह यादव, शेर सिंह यादव आदि वकील मौजूद रहे।

तहसील में अधिवक्ताओं ने प्राइवेट कर्मचारियों को दिखाया बाहर का रास्ता, किया प्रदर्शन

देवरिया । तहसील परिसर में अधिवक्ताओं ने दूसरे दिन शुक्रवार को भी कार्य से विरत रहते हुए विरोध-प्रदर्शन किया। जबकि कार्यालयों में प्राइवेट कर्मचारियों को कार्य करने से रोकते हुए उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया। वकीलों के प्रदर्शन के कारण पूरे दिन कार्य प्रभावित रहा। अधिवक्ता, प्राइवेट कर्मचारियों के जरिए मनमाना वसूली का आरोप लगा रहे हैं। तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष खुर्शेद आलम के नेतृत्व में वकीलों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध-प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने एसडीएम कोर्ट, तहसीलदार कार्यालय, मालबाबू, नायब नाजिर, अभिलेख आदि कार्यालयों में प्राइवेट कर्मचारियों को कार्य करने से रोकते हुए उन्हें बाहर कर दिया। अधिकारियों पर वकील प्राइवेट कर्मचारियों के जरिए मनमाना पैसा वसूल किए जाने का आरोप लगा रहे थे। उनका यह भी आरोप था कि पैमाइश के नाम पर लोगों से करीब 10 हजार रुपये लिए जा रहे हैं। सभी का कहना था कि 67 क, 32 38 का निस्तारण नहीं हो रहा है।

डेंगू से किशोरी, बुखार से मासूम ने तोड़ा दम

बाराबंकी। जिले में डेंगू और बुखार का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को भी डेंगू और बुखार से एक मासूम समेत दो की जान चली गई। वहीं सैकड़ों मरीजों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। डेंगू के कारण शहर के रसूलपुर निवासी श्रेया तिवारी (16) की जान चली गई। परिजनों के मुताबिक उसे कई दिनों से बुखार था। लखनऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां जांच में प्लेटलेट्स की कमी और डेंगू की पुष्टि हुई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं जहांगीराबाद के मिर्जापुर गांव निवासी कुलदीप की पुत्री आर्या (1) ने बुखार के कारण दम तोड़ दिया। परिजनों ने बताया कि एक सप्ताह से बच्ची को बुखार था। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार जिले में डेंगू के आठ और मरीज मिले हैं। इनमें घुंघटेर और नगर क्षेत्र के दो-दो तथा देवा, मसौली, जाटाबरौली व सूरतगंज का एक-एक मरीज शामिल है। वहीं जांच में घुंघटेर, रामनगर, सिद्धौर, सूरतगंज, देवा, जाटाबरौली, रामसनेहीघाट व फतेहपुर में बुखार के 138 मरीज मिले हैं। उधर सिरौलीगौसपुर के संयुक्त चिकित्सालय में प्लेटलेट्स की कमी वाले छह मरीजों को भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। टायफाइड की जांच में भी चार मरीज मिले हैं। वहीं रामसनेहीघाट नगर पंचायत में डेंगू व उसके लक्षण जैसे बुखार से करीब 25 से अधिक लोग पीड़ित हैं, जिनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। रानीबाजार क्षेत्र के सिरौलीकला गांव में डायरिया के 20 मरीज मिले हैं। सीएमएस डॉ. बृजेश कुमार ने कहा कि अस्पताल आने वाले सभी मरीजों का बेहतर उपचार किया जा रहा है। किसी को कोई समस्या न हो, इसके लिए सभी प्रकार की सुविधाएं अस्पताल में मौजूद हैं। लगातार जांच व दवा मरीजों को दी जा रही है।

मरीजों की भरमार, स्ट्रेचर तक मिलना दुश्वार

बाराबंकी। जिला अस्पताल आने वाले मरीजों को यहां की अव्यवस्थाएं निराश कर रही हैं। पर्चा बनवाने से लेकर दवा और जांच के लिए तो परेशान होना ही पड़ता है। इमरजेंसी में भी हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे है। यहां आने वाले मरीजों को स्ट्रेचर तक नसीब नहीं हो रहा है। सभी वार्ड फुल हो गए हैं। ऐसे में कई मरीजों को बिना देखे ही रेफर कर दिया जाता है। शुक्रवार को जिला अस्पताल की इमरजेंसी में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली। ऐसे में यहां के कर्मचारी भी परेशान नजर आए। एक स्ट्रेचर पर दो-दो मरीजों को लिटाकर इलाज किया गया। कुछ मरीज ऐसे भी नजर आए, जिन्हें स्ट्रेचर तक नसीब नहीं हुआ।

मासूम ने तोड़ा दम, अस्पताल के पास नहीं जानकारी

जिला अस्पताल की इमरजेंसी में शुक्रवार सुबह 11 बजे छह वर्षीय मासूम ने दम तोड़ दिया। बच्ची की मौत के बाद परिजन बदहवास होकर इमरजेंसी के गेट पर ही रोने लगे। कोई कुछ बताने की हालत में नहीं था। ऐसे में ड्यूटी पर तैनात कर्मियों से जब बच्ची की मौत के बारे में पूछताछ की गई तो जवाब मिला कि वह मृत अवस्था में यहां लाई गई थी। इसके चलते उसके बारे में कोई जानकारी अस्पताल के पास नहीं है।

प्रधान को पता भी नहीं, सचिव ने निकाल लिए 3.70 लाख

फर्रुखाबाद। मोहम्मदाबाद क्षेत्र की ग्राम पंचायत बीसलपुर बांगर में प्रधान को जानकारी दिए बिना ही सचिव ने खाते से 3.70 लाख रुपये निकाल लिए। प्रधान ने मामले की शिकायत बीडीओ से की है। ग्राम पंचायत बीसलपुर बांगर के प्रधान धारा सिंह ने बीडीओ मोहम्मदाबाद से शिकायत की कि उनके गांव में 24 लाख रुपये की लागत से अंत्येष्टि स्थल का निर्माण स्वीकृत है। सचिव ने उनका डोंगल ले लिया और श्रीबाला जी फर्म के खाते में तीन लाख 70 हजार रुपये स्थांतरण कर दिए। इसकी उन्हें जानकारी भी नहीं दी गई। सामग्री न होने से निर्माण भी रुक गया। भुगतान मिलने के बावजूद फर्म ने निर्माण सामग्री देने से मना कर दिया। इस स्थिति में अंत्येष्टि स्थल का निर्माण पूरा कराना संभव नहीं है। प्रधान ने सचिव को निर्माण पूरा कराने के लिए निर्देशित करने की मांग की। प्रधान ने बताया कि ग्राम पंचायत खाते से करीब 16 लाख रुपये अधिक का भुगतान हो चुका है। जबकि मौके पर अंत्येष्टि स्थल का निर्माण आधा ही हुआ है। सचिव ने चहेती फर्म के खाते में भुगतान कर गोलमाल किया है।

ट्रेनों में वेटिंग शुरू, भीड़ देख गोमतीनगर एक्सप्रेस बहाल

बाराबंकी। त्योहारों के मौसम में ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ करीब 30 फीसदी तक बढ़ गई है। बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर ठहराव करने वाली कई ट्रेनों में वेटिंग कुछ दिन पहले से शुरू हो गई है। दीपावली व छठ पूजा तक हालात और मुश्किल भरे होंगे। भीड़ को देखते हुए रेलवे ने गोमतीनगर-नकहा जंगल एक्सप्रेस को शुक्रवार से बहाल कर दिया।

इससे करीब एक हजार यात्रियों को रोजाना राहत मिलेगी। जिले के हजारों लोग दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, पंजाब आदि प्रांतों में नौकरी व मजदूरी करते हैं। नवरात्र के बाद इन लोगों की घर वापसी होती है। बाराबंकी से होकर गुजरने वाली ट्रेनों से बिहार के हजारों लोग छठ पूजा में घर लौटते हैं। त्योहार का मौसम आते ही ट्रेनों में 30 फीसदी यात्री बढ़ गए हैं। इनकी संख्या बढ़ती ही जा रही है। बिहार और पूर्वोत्तर की ओर जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग ज्यादा है। लखनऊ जंक्शन-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस की सेकेंड सीटिंग क्लास में वेटिंग 26 तक है। दो सप्ताह पहले ही वैशाली एक्सप्रेस में वेटिंग 400 के पार, थर्ड एसी इकोनोमी में 35 से अधिक, एसी थर्ड में 200 व एसी सेकेंड में 72 से 91 तक चल रही थी। वहीं, लखनऊ मंडल के बुढ़वल-सीतापुर रेल खंड पर कार्य के चलते निरस्त की गई गोमतीनगर-नकहा जंगल एक्सप्रेस को शुक्रवार से बहाल कर दिया गया। बाराबंकी रेलवे स्टेशन के अधीक्षक अरुण रायजादा बताते हैं कि भीड़ बढ़ने लगी है। मगर अभी तमाम ट्रेनों में सीटें खाली हैं। यात्री तेजी से ऑनलाइन बुकिंग करा रहे हैं।

देवा मेला में बढ़ेगी भीड़, बाहर से मांगी फोर्स

30 अक्तूबर से शुरू हो रहे देवा मेला को लेकर रेलवे ने तैयारी पूरी कर ली है। जरूरत पड़ी तो अलग से काउंटर भी खोले जा सकते हैं। 10 दिन तक चलने वाले देवा मेला के दौरान बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर भीड़ बढ़ेगी। इसे लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी चाकचौबंद की जा रही है। रेलवे स्टेशन पर स्थित जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि मेले को देखते हुए बाहर से अतिरिक्त फोर्स की मांग की गई है।

तीन बिंदुओं की जांच में कई नाम आए सामने, हत्या की पहेली सुलझने की उम्मीद

देवरिया । बलुआ अफगान गांव के डाक टोला निवासी हंसनाथ की हत्या के करीब एक सप्ताह के बाद भी मामले में पुलिस के हाथ अभी तक खाली हैं। एसओजी और पुलिस के तीन बिंदुओं की जांच में कुछ लोगों के नाम सामने आए हैं। एसओजी बहुत जल्द कुछ लोगों को हिरासत में लेकर घटना से जुड़ी सवाल जानने को पूछताछ कर सकती है।

भटनी के बलुआ अफगान गांव के डाक टोला में शनिवार की रात हंसनाथ तिवारी उर्फ बिट्टू की अज्ञात लोगों ने धारदार हथियार से सिर पर वार कर हत्या कर दी। घटना के एक सप्ताह बाद भी एसओजी और पुलिस टीम आरोपियों की पहचान नही कर पाई है। वहीं, बिट्टू का दूसरा मोबाइल भी पुलिस बरामद नहीं कर पाई है। जिससे युवक की हत्या किसने और क्यों की यह पहेली बनकर रह गया है। पुलिस के अलावा परिजन व ग्रामीण भी यह जानने को बहुत परेशान है कि आखिर बिट्टू की हत्या किस वजह से हुई है। इसके लिए परिजन प्रतिदिन पुलिस से सवाल कर रहे है, जिसका जवाब अभी पुलिस के पास नही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार एसओजी व पुलिस की जांच टीम प्रेम -प्रसंग, लेनदेन और जमीन संबंधी विवाद को आधार बनाकर जांच कर रही है। तीनों बिंदुओं के जांच में कुछ लोगों का नाम सामने आया है। ऐसे में एसपी के आदेश पर बहुत जल्द एसओजी कुछ लोगों को पूछताछ के लिए उठा सकती है। पुलिस को उम्मीद है कि जांच में कुछ ऐसे सुराग हाथ आएगा जिससे हत्या की गुत्थी सुलझ सकती है। फिलहाल पुलिस पूरी ताकत से गायब मोबाइल को बरामद करने में जुटी है। ताकि बिट्टू से लगातार बात करने वाले की पहचान हो सके। प्रभारी निरीक्षक बृजेश मिश्र ने बताया कि पुलिस हत्यारोपियों की पहचान के लिए प्रयास कर रही है। लगातार लोगों से पूछताछ की जा रही है। हत्या के आरोपी किसी भी हाल में बच नहीं पाएंगे।

वन गमन का मंचन देख भाव-विभोर हुए दर्शक

बस्ती। विक्रमजोत क्षेत्र के रानीपुर बस्थनवां व नियामतपुर गांव में चल रही रामलीला में कलाकारों ने राम विवाह व राम वन गमन का मार्मिक मंचन किया। क्षेत्र के रानीपुर बस्थनवां में बृहस्पतिवार को कलाकारों ने राम विवाह की झांकी प्रस्तुत की गई। अयोध्या से बारात निकल जनकपुर पहुंचती है। तहां गुरू वशिष्ठ, विश्वामित्र, शतानंद की मौजूदगी में चारों भाइयों का विवाह संपन्न हुआ। मौके पर आयोजक बलराम चौहान, महेश चौहान, वृजेंद्र उपाध्याय, भूपेंद्र पांडेय, पप्पू यादव आदि मौजूद रहे। नियामतपुर गांव में चल रही रामलीला में श्रीराम के राजतिलक की तैयारी का मंचन किया गया। अयोध्या में राम के राज्याभिषेक की तैयारी चल रही थी कि इसी बीच मंथरा ने कैकेयी को मतिभ्रम कर दिया। मंथरा के झांसे में आकर कैकेयी महाराजा दशरथ से पूर्व में दिए गए वचन के अनुसार दो वर मांगती हैं। जिसमें वह राम के लिए वन और भरत के लिए राजपाठ मांगती हैं। रानी के दोनों वर सुनकर राजा दशरथ मूर्छित होकर गिर गए। यहीं पर परदा गिर जाता है।

लालकुआं-बेंगलुरु के बीच जल्द शुरू होगी रेल सेवा, इज्जतनगर मंडल ने बोर्ड को भेजा प्रस्ताव

बरेली। दक्षिण भारत के लिए बरेली से सीधी रेल सेवा नहीं है। कानपुर के लिए मात्र एक ट्रेन है और जयपुर के लिए ट्रेनों की संख्या सीमित है।पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल ने इन रूटों पर सीधी रेल सेवा शुरू करने के लिए प्रस्ताव भेजा है। दक्षिण भारत के लिए सीधी रेल सेवा जल्द शुरू हो सकती है।

पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल लालकुआं-बेंगलुरु के बीच रेल सेवा शुरू करेगा। शुरुआत में यह ट्रेन प्रायोगिक तौर पर सप्ताह में एक दिन चलाई जाएगी। इसके अलावा टनकपुर-जयपुर और लालकुआं-कानपुर के बीच भी सीधी रेल सेवा शुरू करने का प्रस्ताव है। दक्षिण भारत के लिए बरेली से सीधी रेल सेवा नहीं है। कानपुर के लिए मात्र एक ट्रेन है और जयपुर के लिए ट्रेनों की संख्या सीमित है। त्योहार के सीजन में भी इन रूटों पर अब तक स्पेशल ट्रेनों की घोषणा नहीं की गई है। बरेली-जयपुर के बीच वाया बांदीकुई रेल सेवा को बंद कर दिया गया था। इसके बाद इस रूट पर लगातार रेल सेवा शुरू करने की मांग हो रही है। कानपुर के लिए भी ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की भी लंबे समय से मांग चल रही थी। पिछले दिनों जीएम चंद्रवीर रमण के साथ बैठक में जनप्रतिनिधियों ने भी इन रूटों पर ट्रेनों के संचालन की मांग की थी। रेलवे ने अब इन रूटों पर ट्रेनों का संचालन शुरू करने का निर्णय लिया है। लालकुआं-बेंगलुरु, टनकपुर-जयपुर सप्ताह में दो दिन और लालकुआं-कानपुर के बीच सप्ताह में तीन दिन चलाने का प्रस्ताव है। रेल मंडल ने टनकपुर-जयपुर स्पेशल ट्रेन के संचालन का समय भी रेल बोर्ड को उपलब्ध करा दिया है।

एलएचबी कोच की तीन रैक उपलब्ध

पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल के पास एलएचबी कोच की तीन रैक उपलब्ध हैं। रेल मंडल के पास चार रैक थीं। इनमें एक रैक टनकपुर-सिंगरौली त्रिवेणी एक्सप्रेस में लगाई जा चुकी है। रेलवे बोर्ड को रेल मंडल की ओर से भेजे गए प्रस्ताव में कहा गया है कि तीन रैक की उपलब्धता है।

ऐसे में लंबी दूरी की तीन ट्रेनों का संचालन शुरू होने में कोई समस्या नहीं आएगी। रेल मंडल की ओर से दक्षिण भारत के लिए रेल सेवा पर ज्यादा जोर दिया गया है।

दरअसल, बरेली से दक्षिण भारत के लिए सीधी रेल सेवा नहीं है। इसकी लंबे समय से मांग हो रही है। इज्जतनगर रेल मंडल के पीआरओ राजेंद्र सिंह ने कहा कि लालकुआं-बेंगलुरु, टनकपुर-जयपुर और लालकुआं-कानपुर के बीच ट्रेनों का संचालन प्रस्तावित है। इज्जतनगर मंडल के पास तीन रैक भी उपलब्ध हैं। प्रस्तावित तीन जोड़ी ट्रेनों में कम से कम दो जोड़ी का संचालन अक्तूबर अंत या नवंबर पहले सप्ताह में प्रायोगिक तौर पर शुरू हो जाएगा।

ओवरब्रिज निर्माण ने पकड़ी तेजी, पांच पिलर तैयार, 17 बाकी

पानीपत खटीमा नेशनल हाईवे पर कोतवाली देहात में चल रहा है निर्माण

बिजनौर। भले ही नेशनल हाईवे का काम कछुआ चाल से चल रहा है, लेकिन ओवर ब्रिज के निर्माण ने तेजी पकड़ ली है। पानीपत-खटीमा नेशनल हाईवे पर कोतवाली देहात में बनाए जा रहे ओवरब्रिज के पांच पिलर बनकर तैयार हो गए हैं। इस ब्रिज में कुल 22 पिलर बनाए जाएंगे। 750 मीटर लंबाई के साथ यह सबसे बड़ा ओवरब्रिज होगा। कोतवाली देहात में 200 मीटर लंबा ओवरब्रिज प्रस्तावित था। मगर, दुकानदारों के विरोध के चलते इसके डिजाइन में फेरबदल किया गया। डिजाइन में फेरबदल होने की प्रक्रिया के चलते इसका निर्माण देरी से चालू हुआ।

आखिरकार दो सौ मीटर से बढ़ाकर इसकी लंबाई 750 मीटर कर दी गई। ऐसे में पूरे कस्बे से ऊपर ही हाईवे होकर निकल जाएगा। अब इसके निर्माण ने तेजी पकड़ ली है, पांच पिलर बनकर तैयार हो चुके हैं। कुल 22 पिलर बनाए जाएंगे। निर्माण कंपनी मार्च 2024 तक निर्माण पूरा करने का दावा कर रही है, हालांकि साल के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।

बाईपास से जुड़ जाएंगे दोनों हाईवे

कोतवाली मार्ग को पानीपत-खटीमा नेशनल हाईवे में शामिल करने के बाद सड़क का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इस सड़क को मेरठ-पौड़ी नेशनल हाईवे से जोड़ने के लिए साढ़े तीन किलोमीटर लंबा बाईपास भी बनाया जा रहा है। यह बाईपास बिजनौर नजीबाबाद मार्ग में पैदा के पास से शुरू होकर कोतवाली मार्ग पर वीकेआईटी कॉलेज के पास निकल रहा है। बाईपास का भी 60 फीसदी से अधिक काम पूरा हो चुका है।

एक अंडरपास कर दिया गया चालू

इस मार्ग में चार अंडरपास भी बनाए गए हैं। इनमें पीली चौकी के अंडरपास को चालू कर दिया गया है जबकि महेश्वरी जट, बरुकी और वीकेआईटी के पास वाला अंडरपास सड़क से जुड़ना बाकी रह गया है। फिलहाल नहरों, छोइया नदी और बान नदी पर पुल का निर्माण चल रहा है जोकि गर्डर स्तर तक हो चुका है।

तय सीमा में पूरा नहीं हो पाया काम

दो साल पहले हाईवे का निर्माण चालू कर दिया गया था। अब मई 2023 में इसे पूरा कर लिया जाना था लेकिन इस परियोजना के पूरी होने में देरी हो चुकी है। 22 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाना है, जिसमें अभी तक केवल 14 किलोमीटर लंबी सड़क ही बन सकी है। हालांकि निर्माण के दौरान लोगों का काफी मुश्किलें झेलनी पड़ रही है। क्योंकि जगह जगह मिट्टी होने की वजह से उड़ती धूल लोगों को परेशान करती है।

कोतवाली देहात में ओवर ब्रिज के पांच पिलर तैयार हो चुके हैं। अगले साल इसका निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। बान नदी के पुल पर अगले सप्ताह स्लैब डालने का काम चालू हो जाएगा। बाकी पुलों पर दीपावली तक गर्डर रखे जाएंगे। - अरुण शुक्ला, इंजीनियर निर्माण कंपनी

इतिहास समेटे घंटाघर से किसी तरह की छेड़छाड़ नामंजूर

एटा। लंबा इतिहास समेटे शहर के घंटाघर का कुछ हिस्सा जर्जर हो गया है। पालिका इसे हटाना चाहती है, लेकिन स्थानीय लोगों ने विरोध जता दिया है। उनका कहना है कि शहर की पहचान इस एतिहासिक इमारत में किसी तरह की छेड़छाड़ मंजूर नहीं। अंग्रेजों के शासनकाल में उस समय शहर के बीचोंबीच इस घंटाघर का निर्माण कराया गया था। वर्ष 1903 में नगर पालिका ने इसे बनवाया था।जिसकी ऊंचाई करीब 100 फीट है। अपने समय की यह शहर की सबसे ऊंची इमारत थी। एक सदी और दो दशक से यह शहर की पहचान और शासन बना हुआ है। इसी घंटाघर के तले स्वतंत्रता संग्राम की तमाम गतिविधियां भी हुईं। आजादी के बाद भी इसका महत्व कम नहीं हुआ। लेकिन समय गुजरने के साथ यह कमजोर पड़ने लगा। फिलहाल घड़ी तो बंद है ही, अधिक ऊंचाई की वजह से साफ-सफाई भी नहीं हो पाती। देखरेख और मरम्मत के अभाव में बाहर की ओर इसका एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर गिरासू हाल में पहुंच गया है। इसी हिस्से को नगर पालिका द्वारा तोड़ने जाने की बात कही जा रही है।

सरकारी जेनरिक दवाएं कारगर, ऋषिकेश एम्स के विशेषज्ञ बोले-निजी कंपनियों के परिणाम शक के घेरे में

चंडीगढ़ । डॉ. पुनीत का कहना है कि सरकार दवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए नियम कानून बना रही है। केंद्र स्तर पर उसका पालन भी हो रहा है, लेकिन राज्य स्तर पर आते आते स्थिति खराब हो जा रही है। अब भी कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां जोनल ऑफिसर की तैनाती नहीं है। जेनरिक दवाओं का असर उसकी निमार्ण कंपनी पर काफी हद तक निर्भर करता है। सरकार जिन जेनेरिक दवाओं का निर्माण अपनी देखरेख में करवा रही है, उसकी गुणवत्ता ब्रांडेड के समान है। लेकिन बाजार में बिक रही सभी जेनेरिक दवाओं को लेकर यह बात नहीं कही जा सकती, क्योंकि निर्माण की प्रक्रिया पर दवाओं की गुणवत्ता निर्भर करती है। यह कहना है ऋषिकेश एम्स के फार्माकोलॉजी विभाग के डॉ. पुनीत जुनेजा का। वह पीजीआई के फार्माकोलॉजी विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में बतौर वक्ता मौजूद थे।

डॉ. पुनीत का कहना है कि सरकार दवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए नियम कानून बना रही है। केंद्र स्तर पर उसका पालन भी हो रहा है, लेकिन राज्य स्तर पर आते आते स्थिति खराब हो जा रही है। अब भी कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां जोनल ऑफिसर की तैनाती नहीं है। जिलों में ड्रग इंस्पेक्टरों के पद वर्षों से खाली पड़ेहैं। एक ही ड्रग इंस्पेक्टर कई जिलों की जिम्मेदारी संभाल रहा है। केंद्र एक नियम बना रहा है, लेकिन राज्यों में वे बदल जा रहे हैं।

विदेशों से आने वाले माल की गुणवत्ता पर सवाल

गड़बड़ दवाओं पर डॉ. पुनीत का कहना है कि अब भी काफी दवाएं विदेशों से मंगाई जा रही हैं। वहां क्वालिटी कंट्रोल की व्यवस्था लचर है। आने वाले माल के हर बैच की गुणवत्ता जांच की व्यवस्था कर पाना संभव नहीं है। गड़बड़ी को दूर करने के लिए ही सरकार ने अब सभी दवा कंपनियों के लिए डब्ल्यूएचओ के गुड मैन्यूफैक्चरिंग सर्टिफिकेट को अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए कंपनियों को एक साल का समय दिया गया है।

एक हफ्ते बाद सेक्टर-23 का शक्ति ज्वेलर फिर सील

चंडीगढ़। एस्टेट ऑफिस ने भवन उल्लंघन का हवाला देते हुए शुक्रवार को दोबारा सेक्टर-23 में एक एससीओ को सील कर दिया है। पिछले सप्ताह व्यापारियों के विरोध के चलते इस एससीओ को खोल दिया गया था और मालिक को सप्ताह के अंदर उल्लंघनों को हटाने के निर्देश दिए थे। आरोप है कि समय देने के बावजूद उल्लंघनों को नहीं हटाया गया। उधर, दुकानदार ने अब अदालत का दरवाजा खटखटाया है। सोमवार को सुनवाई हो सकती है। सेक्टर-23 स्थित शक्ति ज्वेलर के मालिक ने बताया कि पहले एस्टेट ऑफिस ने उन्हें सप्ताह का समय दिया है, जिसके चलते ही पांच के करीब उल्लंघनों को उन्होंने हटा लिया था लेकिन इसके बावजूद उनके एससीओ को सील कर दिया गया। कहा कि हर बार ही विभाग की तरफ से नया उल्लंघन बता दिया जाता है। एक बार उन्हें सभी उल्लंघन बता दिए जाएं ताकि वह उसे हटा लें।

उन्होंने कहा कि फेस्टिवल सीजन के दौरान कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इससे पहले 13 अक्तूबर को भी इस एससीओ को सील कर दिया गया था। तब पूरी मार्केट के व्यापारियों ने दुकानें बंद कर दीं थी और सड़क पर जाम लगा दिया था। आठ घंटे सड़क जाम होने के बाद ही विभाग ने दोबारा एससीओ को खोल दिया था, जिसके बाद ही व्यापारी शांत हुए और अपना धरना खत्म किया था। इस दौरान मालिक को उल्लंघन हटाने के लिए सप्ताह का समय दिया गया था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को कार्रवाई के दौरान पुलिस की तरफ से पहले ही चेतावनी जारी कर दी गई थी कि अगर किसी भी तरह का विरोध प्रदर्शन किया गया तो विभाग की तरफ से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

946 ग्राम पंचायतों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

बुलंदशहर। शहरी क्षेत्र की तर्ज पर जिले की 946 ग्राम पंचायतों में सीसीटीवी कैमरे लगेंगे। इस पर पंचायत निधि खर्च होगी। डीपीआरओ के अनुसार सभी ग्राम पंचायतों के प्रधान और सचिव को इससे संबंधित निर्देश जारी कर दिए हैं। ग्रामीण अंचल की सुरक्षा व्यवस्था में सुधार के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की जा रही है। ग्राम प्रधान को ग्राम सभा की बैठक में प्रस्ताव को पास करना होगा। जिला पंचायत राज अधिकारी के अनुसार सरकार ने शहर के साथ-साथ ग्रामीण अंचल के प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरों को लगवाने के आदेश जारी किए हैं। जिले की 946 ग्राम पंचायतों में ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के तहत सीसीटीवी कैमरा ग्राम पंचायत के सामुदायिक शौचालय, ग्राम सचिवालय, प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूल के साथ ग्राम पंचायत के प्रमुख चौराहों एवं मार्गों पर लगवाए जा सकेंगे। व्यक्तिगत स्थलों पर लगवाने पर प्रतिबंध रहेगा। इन कैमरों को पुलिस कमांड कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा। इन कैमरों को लगवाने के साथ ही इनके संचालन के लिए पंचायत में बिजली के लिए सोलर सिस्टम लगवाने के साथ ही इंटरनेट की कनेक्टिविटी को क्रियाशील किया जाएगा। सीसीटीवी कैमरा के साथ पब्लिक एड्रेस सिस्टम भी लगाए जाएंगे। ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के तहत इन कैमरों को लगाए जाने से ग्रामीण अंचल में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता गांव को उपलब्ध हो सकेगी। जिले की ग्राम पंचायतों में कैमरों से निगरानी की जाएगी। ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के तहत ग्राम पंचायतें अपनी पंचायत के सार्वजनिक स्थल, प्रमुख चौराहों, पंचायत के प्रवेश द्वार पर सीसीटीवी कैमरा लगवा सकेंगी। इससे पंचायतों में सुरक्षा, विकास के साथ हर तरह की जानकारी ग्रामीणों को हो सकेगी। - डॉ. प्रीतम सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी

पति-पत्नी को ईंट मारकर किया घायल

बस्ती। थाना क्षेत्र के अगौना गांव में जमीन के विवाद में हुई मारपीट में पुलिस ने चार लोगों पर केस दर्ज किया है। पुलिस को दिए गए तहरीर में मशां देवी ने लिखा है कि ससुर नीवर व सास पिलकी देवी बृहस्पतिवार को खेत देखने गए थे। खेत के बगल में रह रहे पट्टीदार रामकिशुन, रामजीत, पार्वती, रीता जमीन के विवाद में दोनों लोगों पर ईंट फेंक कर घायल कर दिया। जाते समय जान से मारने की धमकी भी दी। थानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों पर केस दर्ज कर जांच उपनिरीक्षक विजयकांत यादव को सौंपी गई है।

अमहट घाट के सुंदरीकरण के 15.98 लाख का बजट मंजूर

बस्ती। शहर के मेन इंट्री प्वाइंट कहे जाने वाले अमहट पुल को चमकाने व ध्वस्त हो चुकी नालियों के मरम्मत के लिए पीडब्ल्यूडी ने 15.98 लाख का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा था। जिस पर शासन ने मंजूरी देकर धन जारी कर दिया है। जल्द ही यह ऐतिहासिक पुल व इसका अप्रोच नए कलेवर में चमकने लगेगा। शहर से सटकर बहने वाली कुआनो नदी पर अंग्रेजों ने वर्ष 1907 में पुल का निर्माण किया था। भारी ट्रक के गुजरने के कारण वह पुल 16 फरवरी 2017 को नदी में समा गया और मंडल मुख्यालय तक पहुंचने के लिए लोग फोरलेन के पुल से आवागमन करने को मजबूर होने लगे। नतीजा यह हुआ कि महज कुछ मीटर की जगह राहगीरों को तकरीबन चार किमी अधिक की दूरी तय करनी मजबूरी हो गई। यही नहीं इस पुल के ढहने के कारण जिले के तकरीबन डेढ़ सौ गांवों के नियमित राहगीरों व अमहट घाट पर धार्मिक आयोजन करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं ने जब धरना प्रदर्शन किया तो जिला प्रशासन ने पहल कर नए पुल के निर्माण की जिम्मेदारी राज्य सेतु निगम को सौंप दिया। इधर इस 106 मीटर लंबे पुल व उसका अप्रोच जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो चुका है और यहां बनी नालियां ध्वस्त होने लगी हैं। जिला प्रशासन की पहल पर पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड एक के अधिशासी अभियंता अवधेश कुमार ने असिस्टेंट इंजीनियर यूसी विश्वकर्मा व उनकी टीम से सर्वे करवाया ।

रुपये लेने के बाद भी नहीं किया बैनामा, अब देना होगा जुर्माना

बुलंदशहर। 250 वर्ग गज के प्लॉट के लिए पूरी धनराशि देने के बाद भी अलीगढ़ की पंचशील सहकारी आवास समिति लिमिटेड ने क्रेता को बैनामा नहीं किया। अब पीड़ित की शिकायत पर उपभोक्ता आयोग ने समिति के पदाधिकारियों को 45 दिन में बैनामा करने के निर्देश दिए हैं। अन्यथा की स्थिति में पीड़ित को सात फीसदी की दर से ब्याज देना होगा। उपभोक्ता आयोग के सहायक जन सूचना अधिकारी शेखर वर्मा ने बताया कि नगर की यमुनापुरम कॉलोनी निवासी सुशीला देवी ने अलीगढ़ की पंचशील सहकारी आवास समिति लिमिटेड से एक 250 वर्ग गज का प्लॉट वर्ष 1991 में खरीदा था। प्लॉट के लिए पूरी धनराशि देने के बाद भी समिति के पदाधिकारियों ने उनके पक्ष में बैनामा नहीं किया था। जिसके चलते छह जनवरी 2021 को उन्होंने उपभोक्ता आयोग में वाद दायर किया था। वाद दायर करने के बाद सुशीला देवी की मौत हो गई। जिसके बाद उपभोक्ता आयोग ने उनके पति रामस्वरूप वर्मा और उनके दो बेटों को प्लॉट के लिए वारिस बनाया। उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह ने सदस्यों के साथ दोनों पक्षों को सुना और फैसला सुनाया। इस दौरान पंचशील सहकारी आवास समिति के पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि 45 दिन के अंदर प्लॉट का बैनामा किया जाए और यदि संभव नहीं है तो प्लॉट की कीमत 2508382 रुपये वाद दायर करने की तारीख से सात फीसदी की दर से ब्याज सहित वापस किया जाए और पांच हजार रुपये वाद व्यय के तौर पर दिए जाएं।

सोच बदलनी होगी, चुप नहीं रहना है -एसपी

बिजनौर। महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के तहत ग्राम भोजपुर में जन चौपाल का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने अपने अनुभवों को साझा किया। कहा कि शोषण के विरुद्ध चुप्पी को तोड़ना पड़ेगा। सोच बदलनी होगी, चुप नहीं रहना है और किसी के दबाव में नहीं आना है। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने छात्राओं और महिलाओं को सोशल मीडिया पर अपने फोटो अपलोड ना करने की सलाह दी। सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो अपलोड के नुकसान के संबंध में अनुभवों को साझा किया। छात्राओं से आह्वान किया कि वह पढ़ाई पर ध्यान दें और तरक्की के प्रत्येक क्षेत्र में अव्वल आएं, यही जीवन में सफलता की कुंजी है। महिला इंस्पेक्टर ने वुमन हेल्पलाइन नंबर 1076, 1090, 1930, 102, 108, 1098, 1078, 181, 112 आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। जनपद पुलिस महिला सशक्तिकरण के लिए 24 घंटे तत्पर है। योगेन्द्र राजपूत की अध्यक्षता एंव संचालन में आयोजित मिशन शक्ति कार्यक्रम में कुंवर धीरेन्द्र प्रताप सिंह, रजनी कालरा, मयंक अग्रवाल, आकाश जैन, अशोक कुमार एंव क्षेत्राधिकारी गजेन्द्र पाल सिंह मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

फिट इंडिया स्वच्छता फीडम के तहत जवानों ने लगाई दौड़

पीडीडीयू नगर। रेलवे सुरक्षा बल की ओर से फिट इंडिया स्वच्छता फीडम के तहत बृहस्पतिवार को सहायक सुरक्षा आयुक्त एचएन राम के नेतृत्व में जवानों ने पीडीडीयू जंक्शन से आरपीएफ कॉलोनी स्थित लाइन तक दौड़ लगाई। दौड़ के माध्यम से लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। सुबह साढ़े छह बजे पं दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर आरपीएफ जवानों की दौड़ को सहायक सुरक्षा आयुक्त एचएन राम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सफेद रंग की टीशर्ट पहने जवानों दौड़ते हुए बाजार, इंडियन इंस्टीट्यूट कॉलोनी, शास्त्री कॉलोनी होते हुए आरपीएफ कॉलोनी स्थित आरपीएफ लाइन में पहुंचे। जहां दौड़ का समापन हुआ। दौड़ में आरपीएफ पीडीडीयू पोस्ट प्रभारी प्रदीप कुमार रावत, मंडल निरीक्षक जावेद अहमद, निरीक्षक क्वार्टर मास्टर ब्रजेश कुमार, निरीक्षक यात्री सुरक्षा विजय तिवारी आदि शामिल रहे।

रेलवे स्टेशन और ट्रैक पर गंदगी गंदगी फैलाने पर भरना होगा जुर्माना

पीडीडीयू नगर। रेलवे की ओर से स्टेशन पर गंदगी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में यदि ट्रेन में अथवा रेलवे स्टेशन पर गंदगी फैलाते मिले तो जुर्माना वसूला जा सकता है। पूर्व मध्य रेलवे के पांच मंडलों में इस वर्ष छह माह में गंदगी फैलाते हुए 2094 यात्री पकड़े गये तथा उनसे जुर्माने के रूप में 4.99 लाख रुपये वसूल किये गए हैं। रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के साथ साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया जा रहा है। रेलवे की ओर से लगातार यात्रियों को गंदगी न फैलाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। 16 सितंबर से दो अक्टूबर तक रेलवे की ओर से स्वच्छता पखवाड़ा भी चलाया गया। इस दौरान भी स्टेशन पर साफ सफाई पर विशेष जोर दिया गया था। इसके साथ ही लगातार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा रही है। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से सितंबर तक कुल 2094 यात्रियों को ट्रेनों एवं स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाते हुए पकड़ा गया तथा उनसे जुर्माने के रूप में 04.99 लाख 700 रुपये वसूल किए गए। सिर्फ सितंबर माह में पूर्व मध्य रेल की ओर से ट्रेनों एवं स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाते हुए 353 यात्रियों को पकड़ा गया। उनसे जुर्माने के रूप में 77 हजार 400 रुपये वसूल किए गए।

सरकार महिलाओं को शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही

पीडीडीयू नगर। लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पं. पारसनाथ तिवारी नवीन परिसर में मिशन शक्ति के तहत बृहस्पतिवार को जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर प्रो. उदयन ने अपने संबोधन में कहा कि यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की एक पहल है। इसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाना है। मिशन शक्ति के अंतर्गत सरकार महिलाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध करा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार मिशन शक्ति के चतुर्थ चरण में पंचायत सचिव, महिला बीट अधिकारी, राजस्व अधिकारी व एएनएम के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं व जरूरी योजनाओं के प्रति जागरूक कर रही है। प्रो. इशरत जहां ने कहा कि मिशन शक्ति के द्वारा सरकार सकारात्मकता का प्रसार कर रही है। उपनिरीक्षक गंगाधर मौर्या ने कहा कि मिशन शक्ति के द्वारा सघन अभियान चलाकर छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाए और उन्हें जरूरी कानूनों के बारे में जानकारी दी जाए। इस अवसर पर प्रो. राजीव कुमार, डॉ. संजय प्रताप के साथ महाविद्यालय की छात्रा अंजलि यादव, चांदनी, आरती व सिमा कुमारी ने महिला सशक्तीकरण से जुड़ी कविता प्रस्तुत की। इस मौके पर प्रो अमित, डॉ भावना, डॉ अमितेश, डॉ मनोज, डॉ मनोज वर्मा, डॉ ब्रजेश, डॉ संजय आदि उपस्थित रहे।

दिन हो या रात दो किलोमीटर दूर जाकर करनी पड़ती है बात

देहरादून। देहरादून जिले के कालसी तहसील क्षेत्र के मसराड गांव में नेटवर्क कनेक्टिविटी नहीं है। गांव में करीब 400 की आबादी रहती है। अगर किसी को फोन पर बात करनी हो तो गांव से दो किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। लोगों का कहना है कि गांव में किसी के बीमार होने और इमरजेंसी की स्थिति में सबसे अधिक परेशानी होती है। वहीं बच्चों को भी ऑनलाइन पढ़ाई करने और व्हाट्सएप ग्रुप में आने वाले होमवर्क के मैसेज को पढ़ने के लिए नेटवर्क क्षेत्र में आना पड़ता है। ग्रामीणों को हमेशा डर लगा रहता है कि अगर कोई दुर्घटना हुई तो प्रशासन और पुलिस को कैसे सूचना भेजेंगे।

प्रमुख सचिव प्रधानमंत्री मिश्रा पहुंचे धाम, बाबा का रुद्राभिषेक कर निर्माण कार्यों का लिया जायजा

देहरादून। प्रमुख सचिव प्रधानमंत्री भारत सरकार पीके मिश्रा तीर्थ पुरोहित समाज ने परंपरागत मंत्रोच्चारण एवं रुद्राक्ष की माला पहना कर उनका स्वागत किया। पूजा-अर्चना के बाद मिश्रा ने धाम में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। प्रमुख सचिव प्रधानमंत्री भारत सरकार पीके मिश्रा एक दिवसीय केदारनाथ भ्रमण पर पहुंचे हैं। वायु सेना के हेलिकॉप्टर से उन्होंने वीआईपी हेलीपैड पर लैंडिंग की। जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार और पुलिस अधीक्षक विशाखा ने उनका स्वागत किया। हेलीपैड से उतरते ही उन्होंने केदारनाथ क्षेत्र की जानकारी लेना शुरू किया। मंदिर के समीप तीर्थ पुरोहित समाज ने परंपरागत मंत्रोच्चारण एवं रुद्राक्ष की माला पहना कर उनका स्वागत किया। जिसके बाद उन्होंने मंदिर में प्रवेश कर बाबा केदारनाथ का रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजा-अर्चना कर समस्त विश्व एवं जन कल्याण की कामना की।

गड्ढों से मुश्किल हुई डगर, दुर्घटनाओं का डर

देहरादून। एक दर्जन गांवों को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने वाला सहसपुर-सभावाला संपर्क मार्ग बदहाल हो चुका है। दिल्ली दून एक्सप्रेस वे की निर्माण सामग्री लेकर जाने वाले डंपरों की लगातार आवाजाही के चलते सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। इससे सड़क से गुजरने वाले दोपहिया वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बनी हुई है। वहीं चौपहिया वाहन हिचकोले खा रहे हैं। सहसपुर-सभावाला संपर्क मार्ग सिंघनीवाला, शेरपुर, शेखोवाला, हिन्दूवाला, तिपरपुर, मटक माजरी, बदीपुर, फतेहपुर समेत एक दर्जन गांवों को दून-पांवटा राष्ट्रीय राजमार्ग और शिमला बाईपास से जोड़ता है। संपर्क मार्ग से स्थानीय ग्रामीण और सेलाकुई जाने वाले फैक्टरीकर्मी भी गुजरते हैं। सड़क का मौजूदा हाल यह है कि यहां वाहन चलाना तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं। दिल्ली दून एक्सप्रेस के कार्य में लगे डंपरों की निर्माण सामग्री से गिरने वाले पानी से सड़क पर कीचड़ हो जाता है। सड़क से गुजरने वाले दोपहिया वाहन और पैदल चलते वाले लोग कीचड़ पर फिसल कर चोटिल हो रहे हैं। प्रधान शाइस्ता परवीन का कहना है कि कार्यदायी संस्था से कई बार शिकायत की गई, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय निवासी प्रवीण कश्यप ने बताया कि कीचड़ के चलते दोपहिया वाहनों से और पैदल चलने वालों के कपड़े खराब हो जाते हैं। लोक निर्माण विभाग देहरादून के एई शक्ति सिंह आर्य ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है। बताया कि कर्मचारियों को मौके पर भेज कर संपर्क मार्ग की स्थिति की रिपोर्ट ली जाएगी।

डी रैंकिंग वाले विभाग हो जाएं सतर्क, करें सुधार

एटा। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड को लेकर इस समय काफी जोर दिया जा रहा है। इस पर प्राप्त रैंकिंग, ग्रेडिंग पर डीएम ने समीक्षा की। डी रैंकिंग वाले विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सतर्क हो जाएं और कार्यों में सुधार करें। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक के दौरान डीएम प्रेम रंजन सिंह ने निर्माणाधीन परियोजनाओं, निर्माण कार्यों एवं विकास कार्यक्रमों की समीक्षा की। कहा कि विभाग गुणवत्तापूर्ण और समय के अंदर योजनाओं, कार्यक्रमों, अभियानों को पूर्ण करें। इससे कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर रैंकिंग, ग्रेडिंग में सुधार हो सके। सभी विभागाध्यक्ष अपने विभागीय पोर्टल को स्वयं भी चेक करें। पीएम योजना के तहत जिन लाभार्थियों को किस्त जा चुकी है, उनसे आवास को पूर्ण कराएं। डीपीआरओ शौचालय की किस्त समय से जारी करें। स्वच्छ भारत मिशन फेस द्वितीय के तहत होने वाले निर्माण कार्यों को मानक एवं गुणवत्तापरक ढंग से पूरा कराएं। ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों में शासन द्वारा निर्धारित पैरामीटर पर कार्य पूरे कराएं जाएं।

व्यापार का झांसा देकर महिला चिकित्सक से 4 लाख की ठगी

एटा। कोतवाली नगर में एक महिला चिकित्सक ने मामला दर्ज कराया है। मैसेज भेजकर व्यापारिक गतिविधियों के बारे में जानकारी देकर दो बार में 4 लाख ठगने का आरोप लगाया है। सरकारी अस्पताल में तैनात महिला चिकित्सक ने एक मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ रिपोर्ट कराई है। बताया कि 28 सितंबर को व्हाट्सएप पर मैसेज आया। इस पर चेटिंग के माध्यम से बिजनेस करने के संबंध में बात की गई। बैंक खाता नंबर और आईएफएससी कोड के साथ कालिंदी मेडिकल स्टोर के नाम से भेजा गया। उसी दिन अपने खाते से ऑनलाइन 1 लाख 55 हजार रुपये मैंने भुगतान कर दिया।

एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

बिजनौर। नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम में 67वीं मंडलीय माध्यमिक विद्यालीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया। अलग-अलग 20 प्रतियोगिताओं में खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंदी को हराकर विजेता बने। स्टेडियम में दर्शक ने खूब तालियां बजाई। प्रतियोगिता के दूसरे दिन 400 मीटर जूनियर बालिका वर्ग में बिजनौर से तनु चौधरी प्रथम, रामपुर से गुनगुन द्वितीय, अमरोहा से शिवानी तृतीय स्थान पर रहीं। 400 मीटर सीनियर बालिका वर्ग में अमरोहा से आशु ने प्रथम, मुरादाबाद से अंजलि ने द्वितीय, अमरोहा से अनामिका ने तृतीय स्थान पाया। 400 मीटर जूनियर बालक वर्ग में मुरादाबाद से सुशील सैनी प्रथम, बिजनौर से मोहम्मद बिलाल द्वितीय, अमरोहा से मोहम्मद अकमल तृतीय रहे। 200 मीटर सीनियर बालक वर्ग में मुरादाबाद से यश तोमर ने प्रथम, अमरोहा से वंश चौधरी ने द्वितीय, बिजनौर से प्रियांशु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद सब जूनियर बालक वर्ग में मुरादाबाद से मोहम्मद गुलाम ने प्रथम, मुकेश कुमार ने द्वितीय, रामपुर से शबाबुल ने तृतीय स्थान पाया। लंबी कूद सीनियर बालिका वर्ग में अमरोहा से खुशी प्रथम, मुरादाबाद से कनक चौधरी द्वितीय, रामपुर से दिव्या तृतीय स्थान पर रहीं। 400 मीटर सीनियर बालक वर्ग में मुरादाबाद से यश तोमर प्रथम, अमरोहा से वंश चौधरी द्वितीय, संभल से सचिन शर्मा तृतीय स्थान पर रहा। 3000 मीटर जूनियर बालक वर्ग में अमरोहा से चमन दिवाकर ने प्रथम, मुरादाबाद से मुकेश ने द्वितीय, बिजनौर से फरियाद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 5000 मीटर सीनियर बालक वर्ग में मुरादाबाद से रजत पाल प्रथम, अमरोहा से जितेंद्र कुमार द्वितीय, संभल से राम तृतीय स्थान पर रहा। 100 मीटर जूनियर बालक वर्ग में अमरोहा से नवदीप वत्स ने प्रथम, बिजनौर से मोहम्मद बिलाल ने द्वितीय, संभल से शिव प्रताप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 5000 मीटर बालिका वर्ग में मुरादाबाद से कसक ने प्रथम, आकांक्षा ने द्वितीय, रामपुर से ज्वाला ने तृतीय स्थान पाया। गोला फेंक सीनियर बालक वर्ग में शास्त्री स्मारक इंटर कॉलेज अमरोहा से कार्तिक चौधरी प्रथम, संभल से बिलाल अली द्वितीय, बिजनौर से रोहन डबास तृतीय स्थान पर रहा। ऊंची कूद जूनियर बालिका वर्ग में रामपुर से शगुन सिंह ने प्रथम, अमरोहा से पूजा ने द्वितीय, संभल से हिना ने तृतीय स्थान पाया। ऊंची कूद सीनियर बालक वर्ग में रामपुर से अभिनव यादव ने प्रथम, अमरोहा से मनु यादव ने द्वितीय, बिजनौर से विक्की ने तृतीया स्थान प्राप्त किया। ऊंची कूद सब जूनियर बालक वर्ग में अमरोहा से आदव पाल प्रथम, संभल से अनुज कुमार द्वितीय, मुरादाबाद से मोहम्मद रिहान तृतीया रहा। लंबी कूद सब जूनियर बालक वर्ग में अमरोहा से छाया ने प्रथम, बिजनौर से निशु चौहान ने द्वितीय, संभल से शिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के बाद विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिला विद्यालय निरीक्षक रामाज्ञा कुमार, मंडलीय क्रीड़ा सचिव जीवन सिंह, जिला क्रीड़ा सचिव प्रभात कुमार, धर्मवीर सिंह, डॉ. निर्मला शर्मा, निशांत यादव, सुभाषचंद्र, कैप्टन बिशन लाल आदि मौजूद रहे।

आजम खां के समर्थन में आए शिवपाल

गाजीपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव आजम खां के समर्थन में नजर आए। उन्होंने कहा कि आजम खां दूसरे धर्म से आते हैं, इसलिए उन्हें परेशान किया जा रहा है। इंडिया गठन से भाजपा घबरा गई है। इसी कारण अनाप शनाप फैसले और बयानबाजी कर रही है। वह बृहस्पतिवार को वाराणसी से बलिया जाते समय सिधौना बाजार में जिला पंचायत सदस्य कमलेश राय साहब के आवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं के स्वागत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लोग लोकतंत्र को खत्म करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते। इंडिया के गठबंधन में फूट पर कहा कहा कि कोई फूट नहीं है, यह अफवाह भाजपा के नेताओं द्वारा फैलाई जा रही है। गठबंधन में फूट का प्रयास किया जा रहा है। सभी छोटे बड़े दलों के नेताओं को छोटे-छोटे मुद्दे को छोड़कर देशहित में एक बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक साथ मिलकर लोकतंत्र की हत्या करने वालों को जवाब देना होगा, यही एक मौका है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि 2024 में होने वाला लोकसभा का चुनाव पार्टी के लिए चुनौती है। यह दौर संघर्ष का है। आज देश का लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। देश के लोकतंत्र, संविधान, देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप, सामाजिक और सांप्रदायिक सद्भाव बचाने की जरूरत है। समाजवादियों ने हमेशा संघर्ष कर जनता को तानाशाही ताकतों से मुक्ति दिलाने का काम किया है। इसके बाद उन्होंने सिधौना बाजार स्थित पूर्वांचल के गांधी दादा रामकरन यादव की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख हीरा यादव ठाकुर, पूर्व एमएलसी विजय यादव, जिला उपाध्यक्ष राहुल चयन, कमलेश यादव, हरिदास यादव आदि मौजूद रहे।

यूथ यूनाइडेट को 24 रन से हराकर नाइट राइडर बने विजेता

फर्रुखाबाद। नाइट राइडर क्लब ने यूथ यूनाइडेट क्लब को 24 रन से हराकर प्रतियोगिता के अगले चक्र में प्रवेश किया। हरफनमौला खेल का प्रदर्शन करने पर विजय आनंद मिश्रा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। शुक्रवार को स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले गए मैच में नाइड राइडर फतेहगढ़ की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 159 रन बनाए। रब्बू ने 44, विजय आनंद ने 36, सुहैल अली ने 28 रनों का योगदान किया। यूथ यूनाइडेट की ओर से भानु मिश्रा, अमूल्य कांत ने तीन-तीन, रोमन ने दो विकेट लिए। 160 रनों का लक्ष्य पाने उतरी यूथ यूनाइडेट की पूरी टीम 25.1 ओवरों में 135 रन बनाकर ऑउट हो गई। टीम के लिए प्रथम साध ने 46, संकेत ने 15, उजास ने 11 रन बनाए। नाइट राइडर की ओर से अफजल ने तीन, अभिषेक, विजय आनंद ने दो-दो विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच रहे विजय आनंद मिश्रा को ट्रॉफी जिला ओलंपिक संघ के सचिव अवनींद्र सक्सेना ने दी।

हत्या के मामले में तीन को आजीवन कारावास की सजा

गाजीपुर। अपर सत्र न्यायाधीश कोड नंबर तीन अरविंद मिश्र की अदालत ने थाना भांवरकोल के ग्राम कुंडेसर में हुए हत्या के मामले में तीन अभियुक्तों को आजीवन कारावास और 10-10 हजार रुपये अर्थ दंड की सजा सुनाई है। साथ ही एक अभियुक्त को आयुध अधिनियम के अंतर्गत सात वर्ष के कारावास और 1000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। साथ ही दंड की राशि से 75 प्रतिशत राशि वादी मुकदमा देवंती देवी को देने का आदेश दिया है। अभियोजन के अनुसार 17 फरवरी 2014 को 1ः30 बजे रात वादिनी देवंती देवी पत्नी विजेंद्र चौधरी निवासी कुंडेश्वर प्रहलादपुर थाना भांवरकोल ने थाने में तहरीर दिया। जिसके मुताबिक वह ग्राम शेरपुर खुर्द से आकर कुंडेश्वर प्रहलादपुर में जमीन लेकर परिवार के साथ रहती है। उन लोगों का शेरपुर खुर्द में भी घर है। 16 फरवरी 2014 को उसके बेटे उमेश चौधरी व धर्मेंद्र चौधरी शेरपुर बाढ़ में मटर लादने गए थे। ट्रैक्टर पर मटर लादने की बात को लेकर उसके बेटे से पट्टीदार रामचंद्र चौधरी, हरिश्चंद्र चौधरी, गुड्डू चौधरी पुत्रगण बद्री चौधरी निवासी शेरपुर खुर्द से कहासुनी हो गई। इसी बात की रंजिश को लेकर उसी दिन लगभग 10 बजे रात में उसके घर कुंडेसर आए और उसके लड़के धर्मेंद्र चौधरी को बुलाए तो वह अपने बेटे उमेश और धर्मेंद्र के साथ बाहर आई। आरोप है कि उसके सामने ही रामचंद्र चौधरी ने धर्मेंद्र को धकेल दिया, जिससे धर्मेंद्र गिर गया और उसके बाद रामचंद्र ने उसके पेट में गोली मार दिया, इसके बाद तीनों शेरपुर की ओर भाग गए शोर सुनकर गांव के बहुत से लोग आ गए। धर्मेंद्र को इलाज के लिए वादिनी के बेटे पंकज और उमेश हॉस्पिटल लेकर गाजीपुर गए। तहरीर के आधार पर तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध हत्या प्रयास का मुकदमा पंजीकृत हुआ। पुलिस ने रामचंद्र चौधरी के पास से हथियार बरामद किया। दौरान इलाज धर्मेंद्र की मौत हो गई और बाद विवेचना तीनों आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। अभियोजन पक्ष की ओर से नीरज श्रीवास्तव ने विचारण के दौरान आठ गवाहों को पेश किया। अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष की बहस सुनने के बाद अदालत ने तीनों अभियुक्तों को हत्या का दोषी पाते हुए तथा रामचंद्र चौधरी को हत्या के साथ 7/25 आयुद्ध अधिनियम के अंतर्गत दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

ईवी अपनाने में चंडीगढ़ अव्वल, कुल वाहनों में 15 फीसदी इलेक्ट्रिक...राष्ट्रीय औसत सिर्फ छह फीसदी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में अब जितने भी सवारी वाले तीन पहिया वाहन बिक रहे हैं, वो 100 फीसदी इलेक्ट्रिक है। आंकड़ों के अनुसार शहर में ईवी अपनाने की दर करीब 15 फीसदी है। डैशबोर्ड ने शहर में हर महीने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में वर्ष 2030 तक नौ गुना वृद्धि का अनुमान लगाया है। चंडीगढ़ प्रशासन की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति का असर दिखने लगा है। ईवी अपनाने में चंडीगढ़ पूरे देश में नंबर-एक है।

सितंबर 2023 में शहर में बिके कुल वाहनों में 15 फीसदी इलेक्ट्रिक थे, जबकि इसी महीने राष्ट्रीय औसत सिर्फ छह फीसदी है। कई राज्यों में ईवी को अपनाने की दर दो फीसदी तो किसी राज्य में तीन फीसदी है। शहर के लोग सबसे ज्यादा तेजी से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीद रहे हैं। हाल ही में केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने और डेटा के लिए एक ईवी-रेडी इंडिया डैशबोर्ड लॉन्च किया है। डैशबोर्ड के आंकड़ों के अनुसार शहर के लोग तेजी से ईवी अपना रहे हैं। शहर में अब तक 8835 ईवी बिक चुके हैं। इसमें 2721 बाइक, 1108 कारें, 3860 तीनपहिया (सवारी) और 1057 सामान ढोने वाले तीन पहिया वाहन हैं। सितंबर 2023 में 578 ईवी बिके हैं। इसमें 56 कारें, 134 बाइकें, अन्य सभी ई-ऑटो हैं। शहर के लोग 7.17 की दर से ई-दोपहिया वाहन और 3.66 फीसदी की दर से ई-चार पहिया वाहनों को अपना रहे हैं।

अच्छी बात है कि शहर में अब जितने भी सवारी वाले तीन पहिया वाहन बिक रहे हैं, वो 100 फीसदी इलेक्ट्रिक है। आंकड़ों के अनुसार शहर में ईवी अपनाने की दर करीब 15 फीसदी है। डैशबोर्ड ने शहर में हर महीने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में वर्ष 2030 तक नौ गुना वृद्धि का अनुमान लगाया है। हालांकि, यह बढ़ भी सकता है, क्योंकि जैसे-जैसे बैटरियों के दाम कम होंगे। ईवी सस्ते होंगे और लोग ज्यादा संख्या में ईवी की तरफ रुख करेंगे। अनुमान है कि शहर में अभी जो हर महीने 578 ईवी बिक रहे हैं, वो 2030 तक 5224 तक पहुंच सकते हैं।

पूरे देश में चंडीगढ़ में सबसे कम है ईवी चार्जिंग के दाम

डैशबोर्ड के आंकड़ों से पता चलता है कि चंडीगढ़ में पूरे देश में सबसे कम सार्वजनिक चार्जिंग शुल्क है। यह 3.6 रुपये प्रति किलोवाट है, जो राष्ट्रीय औसत 13.74 रुपये/किलोवाट से 73 प्रतिशत कम है। महाराष्ट्र में 2531 और दिल्ली में 1815 चार्जिंग स्टेशन हैं। ये पूरे देश में सबसे ज्यादा है। तमिलनाडु देश के ई-दोपहिया मैन्युफैक्चरिंग केंद्र के रूप में उभरा है और ई-तीनपहिया में तेलंगाना अग्रणी है, महाराष्ट्र ई-चार पहिया और गुजरात बैटरी बनाने में अग्रणी है। डैशबोर्ड यह भी बताता है कि भारत ने 2023 में अब तक अनुमानित 5.18 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन से बचा है, जो 85.47 मिलियन पेड़ों को लगाने के बराबर है।

ईवी अपनाने में पंजाब समेत कई राज्यों से पीछे है हरियाणा

सितंबर 2023 में पूरे पंजाब में 2600 इलेक्ट्रिक वाहन बिके। इसमें 676 दोपहिया और 86 कारें थीं। ई-दोपहिया वाहनों को अपनाने की दर 1.89 फीसदी और चारपहिया की 0.63 फीसदी है। हालांकि, पंजाब ने डीजल-सीएनजी ऑटो को इलेक्ट्रिक में बदलने में अच्छा काम किया है। ई-तीनपहिया को अपनाने की दर 80.4 फीसदी है। ओवरऑल पंजाब में 4.85 फीसदी की दर से ईवी को लोग अपना रहे हैं।

हरियाणा ईवी को अपनाने में पंजाब समेत कई राज्यों से काफी पीछे है। हरियाणा में सितंबर 2023 में सिर्फ 2067 ईवी बिके। इसमें से दो पहिया वाहन 321 और चार पहिया वाहन सिर्फ 92 है। ई-दोपहिया वाहनों को अपनाने की दर 0.72 फीसदी और ई-चारपहिया की 0.33 फीसदी है। हरियाणा ई-तीनपहिया के मामले में भी पीछे है। करीब 55 फीसदी ही तीन पहिया वाहन ईवी हैं। ओवरऑल पंजाब में 2.6 फीसदी की दर से ईवी को लोग अपना रहे हैं।

हरियाणा में ईडब्ल्यूएस कोटा से भर्ती क्लर्कों को राहत, हटाने के आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

चंडीगढ़। अपीलकर्ता की मुख्य दलील यह है कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने उन्हें इस आधार पर आर्थिक कमजोर वर्ग प्रमाणपत्र का लाभ नहीं दिया कि उन्होंने हरियाणा सरकार के स्थान पर भारत सरकार के लिए जारी ईडब्ल्यूएस का प्रमाण पत्र पेश किया। हरियाणा सरकार के विभिन्न सरकारी विभागों में सेवारत क्लर्कों को बड़ी राहत देते हुए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने उन्हें हटाने पर रोक लगा दी है। आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के प्रमाणपत्र में विसंगतियां मिलने पर सरकार ने उन्हें हटाने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था। याचिका में हाईकोर्ट को बताया गया कि याचिकाकर्ताओं को हटाने के संबंध में गत वर्ष जुलाई में कारण बताओ नोटिस दिया गया था। इस आदेश को याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट की सिंगल बेंच में चुनौती दी थी और हाईकोर्ट ने आदेश पर रोक लगा दी थी। बीते दिनों हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने उनकी याचिका को खारिज करते हुए रोक को हटा दिया था। ऐसे में अब खंडपीठ के समक्ष याचिका दाखिल की गई है।

हाईकोर्ट की कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रितु बाहरी और जस्टिस अमन चौधरी की खंडपीठ ने जींद निवासी विक्रम और अन्य की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए अब याचिकाकर्ताओं को हटाने पर रोक लगा दी है। अपीलकर्ता की मुख्य दलील यह है कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने उन्हें इस आधार पर आर्थिक कमजोर वर्ग प्रमाणपत्र का लाभ नहीं दिया कि उन्होंने हरियाणा सरकार के स्थान पर भारत सरकार के लिए जारी ईडब्ल्यूएस का प्रमाण पत्र पेश किया। दोनों प्रमाण पत्र में बुनियादी अंतर यह है कि ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र केंद्र सरकार की नौकरी के लिए प्रति वर्ष 8 लाख रुपये से कम आय के लिए जारी किया जाता है, जबकि हरियाणा में ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र छह लाख रुपये से कम आय के लिए जारी किया जाता है। याचिकाकर्ताओं ने बताया कि वह 5 हजार क्लर्क भर्ती का हिस्सा हैं और वर्तमान में विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं।

हादसे को न्योता दे रही हाईवे के डिवाइडर की क्षतिग्रस्त रेलिंग

देहरादून। मुख्य बाजार स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा की दृष्टि से बनाई गई डिवाइडर की रेलिंग पांच जगहों पर लंबे समय से क्षतिग्रस्त है, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने इसकी सुध नहीं ली है। क्षतिग्रस्त रेलिंग के बीच लोग हाईवे को पार कर रहे हैं, जिससे हमेशा दुर्घटना का डर बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसे लेकर कई बार संबंधित विभाग को अवगत करा दिया गया है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। डाकपत्थर चौक से लेकर मंडी चौक तक करीब 10 वर्ष पूर्व डिवाइडर का निर्माण किया गया था। सुरक्षा की दृष्टि से इन पर रेलिंग भी लगाई गई थी, लेकिन वर्तमान में एक्सिस बैंक, अंबाड़ी बैंक, पहाड़ी गली चौक, यूनियन बैंक के सामने और मंडी चौक पर रेलिंग का 6 से 10 मीटर हिस्सा क्षतिग्रस्त है। वाहनों के टकराने और अन्य कारणों से यहां रेलिंग टूट गई थी। सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार जैन का कहना है कि रेलिंग न होने से हादसे की आशंका बनी हुई है। विभाग को इसे जल्द ठीक कराना चाहिए।

यहां सिर्फ डिवाइडर, रेलिंग नहीं मंडी चौक से देहरादून चौक बाबूगढ़ और डाकपत्थर चौक से ग्राफिक एरा क्लीनिक तक डिवाइडर तो बना दिए गए हैं, लेकिन उन पर रेलिंग नहीं लगाई गई है। यहां पर वाहन चालकों को आगाह करने के लिए साइन बोर्ड भी नहीं लगा है। जिस कारण अक्सर रात में डिवाइडर पर वाहन चढ़ जाते हैं। लोगों का कहना है कि यह विभाग की घोर लापरवाही को दर्शाता है।

हाईवे कई जगहों पर क्षतिग्रस्त

न्यू हिंदू समाज संगठन ने दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे पर जगह-जगह बने गड्ढों की मरम्मत कराने की मांग की है। प्रदेश प्रभारी सुशील साहू कुक्की ने कहा कि विकासनगर मुख्य बाजार, हरबर्टपुर, बाढ़वाला आदि जगहों पर राष्ट्रीय राजमार्ग कई जगहों पर क्षतिग्रस्त है। जिस कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

झूठे मुकदमे में फंसाकर धन ऐंठने वाली एक और महिला गिरफ्तार

देहरादून। दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाकर व्यक्ति से धन ऐंठने वाले गिरोह की एक और महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि डालनवाला निवासी अमरजीत सेठी ने पिछले साल मई में मुकदमा दर्ज कराया था। सेठी का कहना था कि उन्होंने एक प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से दो महिलाओं को अपने घर काम पर रखा था। महिलाओं ने कुछ दिन काम किया। इसके बाद उन्होंने दिल्ली में एक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करा दिया। डर दिखाते हुए उन्हेंने 30 लाख रुपये की मांग की। इसमें से 12 लाख रुपये सेठी ने आरोपियों को दे दिए थे। इस पर पुलिस ने जब जांच की तो गिरोह की दो महिलाओं नेनू तुरा और कमलेश कुमारी को गत 20 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद गत 13 अक्तूबर को अनीता मुंडा नाम की महिला को गिरफ्तार किया गया। अब इस मामले में फरार चल रही प्रोमिला मुंडा उर्फ रीना मुंडा उर्फ निर्मला मुंडा निवासी उड़ीसा को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सात दिन तक होती रही दून के चौधरी साहब की तलाश...निकले हिमाचल के विधायक

देहरादून। पड़ताल में पता चला कि पूरे उत्तराखंड में चौधरी साहब कोई विधायक ही नहीं हैं। इसके बाद अफसरों ने पड़ोसी राज्यों का रुख किया, तब जाकर मालूम चला कि दून के ये चौधरी साहब उत्तराखंड नहीं बल्कि हिमाचल की दून विधानसभा के विधायक रामकुमार चौधरी हैं। दून विधानसभा के विधायक रामकुमार चौधरी की तलाश ने देहरादून जिला प्रशासन को खूब छकाया। अवैध खनन की एक शिकायत के प्रकरण में करीब सप्ताह भर तक देहरादून प्रशासन चौधरी साहब को तलाशता रहा। जब देहरादून में चौधरी साहब का कोई पता नहीं चल पाया तो उत्तराखंड में उनकी तलाश की गई। पड़ताल में पता चला कि पूरे उत्तराखंड में चौधरी साहब कोई विधायक ही नहीं हैं। इसके बाद अफसरों ने पड़ोसी राज्यों का रुख किया, तब जाकर मालूम चला कि दून के ये चौधरी साहब उत्तराखंड नहीं बल्कि हिमाचल की दून विधानसभा के विधायक रामकुमार चौधरी हैं। दरअसल हिमाचल प्रदेश की दून विधानसभा के विधायक रामकुमार चौधरी ने अपनी विधानसभा में अवैध खनन को लेकर केंद्र सरकार में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होने के बाद संबंधित जांच आदेश और विधायक का पक्ष दर्ज कराने के संबंधित पत्र हिमाचल के दून में भेजा जाना था।

लेकिन लिपिकीय त्रुटि के कारण दून को देहरादून समझकर पत्र देहरादून जिलाधिकारी कार्यालय में भेज दिया गया। पत्र प्राप्त होते ही जिला प्रशासन के अफसर शिकायत के संदर्भ में विधायक का बयान दर्ज कराने के लिए उन्हें तलाशने लगे, लेकिन देहरादून जिले के 10 विधायकों में कोई भी रामकुमार चौधरी नाम का विधायक नहीं था। यहीं नहीं पूरे प्रदेश की 70 विधानसभाओं में चौधरी साहब की सात दिनों तक तलाश की गई। रिकॉर्ड पर भरोसा नहीं हुआ तो फोन भी इधर-उधर घुमाए गए। अंत में यह पता चला कि जिक्र देहरादून का नहीं बल्कि हिमाचल प्रदेश की दून विधानसभा का है, जहां से रामकुमार चौधरी विधायक हैं।

जानिए रामकुमार चौधरी को

हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले की दून विधानसभा से विधायक राम कुमार चौधरी पूर्व विधायक चौधरी लज्जा राम के बेटे हैं। रामकुमार एमबीए करने के बाद राजनीति में आए। रामकुमार कई प्रकरणों को लेकर राजनीति में चर्चा में रहते हैं।

दून विधानसभा से संबंधित पत्र त्रुटिवश देहरादून आ गया था। विधायक रामकुमार ने पर्यावरण से संबंधित अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें उनसे पक्ष लिया जाना था, लेकिन यह मामला हिमाचल का निकला, इसलिए पत्र को हिमाचल भेज दिया गया है।

– सोनिका, डीएम, देहरादून

आदि कैलाश यात्रा के लिए सुविधाएं और कनेक्टिविटी होगी मजबूत, आईटीबीपी के साथ हुआ एमओयू

देहरादून। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने गढ़वाल एवं कुमाऊं क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए कार्य करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, पुल निर्माण से संबंधित प्रस्ताव शीघ्र केंद्र को भेजने के निर्देश दिए। आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा पर आने वाले पर्यटकों के लिए सुविधाएं और कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए पर्यटन विभाग और आईटीबीपी के बीच एमओयू किया गया।

अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने पर्यटन विभाग को मानसखंड मंदिर माला मिशन की कार्ययोजना पर काम करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को सचिवालय में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को मानसखंड के मंदिरों व आदि कैलाश यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को गढ़वाल एवं कुमाऊं क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए कार्य करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, पुल निर्माण से संबंधित प्रस्ताव शीघ्र केंद्र को भेजने के निर्देश दिए। बैठक में पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आदि कैलाश व ओम पर्वत की यात्रा के लिए बेहतर सुविधाएं व कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए आईटीबीपी के साथ एमओयू किया गया। केदारनाथ व हेमकुंड साहिब में प्रस्तावित रोपवे के लिए टेंडर हो चुके हैं।

पीएमओ से की जा रही मानीटरिंग

एसीएस ने विभागों को कागजी प्रक्रियाओं को काम से कम समय में पूरा करने की नसीहत दी है। उन्होंने विभागों की ओर से योजनाओं के कार्यवृत्त समय पर न मिलने नाराजगी जताते हुए कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने में तेजी से काम करने की जरूरत है। विभागों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पिथौरागढ़ दौरे पर जिन योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया है, उनकी मानीटरिंग पीएमओ से की जा रही है। वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत राज्य के 51 गांव में विकास कार्यों की हर सप्ताह केंद्रीय गृह सचिव समीक्षा करेंगे। इन गांवों की अर्थव्यवस्था, आजीविका, सामाजिक संरचना, बुनियादी ढांचे, शिक्षा, बिजली और दूरसंचार सुविधाओं को मजबूत करने के लिए सभी विभागों को मिशन मोड पर कार्य करना होगा। बैठक में सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिन कुर्वे, अपर सचिव विनीत कुमार, जितेंद्र कुमार सोनकर, निदेशक संस्कृति बीना भट्ट मौजूद थे।

50 हजार महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य

एसीएस ने कहा कि राज्य में रिवर्स पलायन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के साथ स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में 50 हजार महिलाओं को लखपति दीदी बनाए जाने का लक्ष्य है। 2025 तक एक लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जाएगा।

रोडवेज वर्कशॉप में जर्जर हो चुके आवासीय भवन

एटा। रोडवेज वर्कशॉप में आवासीय भवन काफी जर्जर हो चुके हैं। कर्मचारी इनमें जान जोखिम में डालकर रहने को मजबूर हैं। मरम्मत कार्य कराने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है, लेकिन अब तक मंजूरी नहीं मिल सकी है। आगरा रोड स्थित रोडवेज वर्कशॉप में कर्मचारियों के काफी पुराने आवास बने हुए हैं। तीन लिपिक और एक टीआई आवासों में निवास कर रहे हैं। जर्जर हो चुके भवनों के कई बार गिरासू हालत में पहुंच जाने के चलते निजी धनराशि से मरम्मत करा चुके हैं।

कर्मचारियों को यह भी डर सताता है कि पता नहीं कब खाली करा दिया जाए। इस लिहाज से जरूरी काम करा लिया जाता है। जान जोखिम में डालकर परिवार सहित कर्मचारी इनमें दिन काट रहे हैं। बताया गया है कि पहले परिवहन निगम के अधिकारियों ने मरम्मत कराने के लिए मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा था, लेकिन अब तक स्वीकृत होकर नहीं आ सका है। एआरएम राजेश यादव ने बताया कि चार आवास बने हुए हैं, इनमें परिवार सहित कर्मचारी निवास कर रहे हैं। मरम्मत कराने के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

उत्तराखंड आईटीआई में निकली अनुदेशक के पदों पर भर्ती, जानें कब तक करें आवेदन और क्या है योग्यता

देहरादून। भर्ती के लिए संबंधित विषय में 200 अंकों की परीक्षा होगी, जिसमें 200 सवाल तीन घंटे में हल करने होंगे। हरिद्वार व हल्द्वानी में इसकी परीक्षा होगी। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में फोरमैन अनुदेशक के पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया है।

इसके लिए 10 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। आयोग के सचिव गिरधारी सिंह रावत ने बताया, आईटीआई में फोरमैन अनुदेशकों के 31 पदों (जनरल-21, एससी-7, एसटी-1, ओबीसी-5, ईडब्ल्यूएस-3) पर भर्ती की जाएगी। आवेदकों को 12वीं पास के साथ ही सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर, रेफ्रिजरेशन व एयर कंडीशनर या ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा होना चाहिए। उन्हें किसी औद्योगिक प्रतिष्ठान या संस्थान में कम से कम 10 साल अध्यापन का अनुभव होना चाहिए। आवेदक की आयु 21 से 42 वर्ष के बीच हो। आवेदन के लिए, जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस को 172.30 रुपये, एससी, एसटी को 82.30 और दिव्यांग को 22.30 रुपये शुल्क देना होगा। भर्ती के लिए संबंधित विषय में 200 अंकों की परीक्षा होगी, जिसमें 200 सवाल तीन घंटे में हल करने होंगे। हरिद्वार व हल्द्वानी में इसकी परीक्षा होगी।

मानचित्रकार-प्रारूपकार भर्ती के एडमिट कार्ड जारी

राज्य लोक सेवा आयोग ने मानचित्रकार-प्रारूपकार भर्ती परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। यह परीक्षा पांच नवंबर को होनी है, जिसके एडमिट कार्ड वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

जेई भर्ती में अधिक आयु वालों को भी मौका

आयोग की जेई भर्ती में निर्धारित से अधिक आयु वाले उन अभ्यर्थियों को भी मौका मिलेगा, जिन्होंने 2021 में निकली जेई भर्ती के लिए आवेदन किया था। पेपर लीक होने से ये परीक्षा रद्द हो गई थी। इन अभ्यर्थियों के लिए आयोग ने वेबसाइट पर विकल्प दिया है, जिसमें लिखा गया कि वह पूर्व में प्रकाशित भर्ती के लिए आवेदन किया था। उन पर ऐसे अभ्यर्थियों को यस के विकल्प पर क्लिक करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

ऊर्जा निगम के अधिकारियों को अतिथि बनाकर ठेकेदार ने चोरी से बांट दी बिजली

हापुड़। नक्का कुआं के पास रामलीला के मेले में ठेकेदार ने करीब 20 लाख की बिजली चोरी कर दुकानदारों को बांट दी। इस मेले के उद्घाटन में ऊर्जा निगम के अधिकारी भी अतिथि बनकर पहुंचे थे, लेकिन उन्हें इसकी भनक नहीं लगी। बृहस्पतिवार रात में विजिलेंस ने छापा माराकर चोरी पकड़ी। ठेकेदार समेत तीन के खिलाफ तहरीर दी गई है। रामलीला मेले की ठेकेदारी को लेकर हर साल ठेकेदारों में ठनती है, इस बार नक्का कुआं पर लगे मेले में भी ऐसा ही कुछ हुआ। क्योंकि इसमें बिजली चोरी की जिस तरह सूचना दी गई, वह बिल्कुल सटीक थी। हालांकि गोपनीय तरीके से शिकायत लखनऊ में की गई थी। इसका संज्ञान लेकर बृहस्पतिवार रात प्रवर्तन दल के एई एससी यादव के नेतृत्व में एसडीओ द्वितीय अंकित कुमार, प्रभारी उप निरीक्षक शफीक अहमद, सुमित, लवलेश कुमार, नीरज कुमार आदि के साथ रामलीला मेले में पहुंचे। एससी यादव ने बताया कि मेला परिसर की जांच की गई, जिसमें बिना कनेक्शन स्वीकृति के ही चार कोर का केबल डालकर करीब 70 मीटर दूर से एलटी लाइन से बिजली की चोरी की जा रही थी। चेकिंग में करीब 17.811 किलोवाट की चोरी पकड़ी गई। विजिलेंस के अधिकारियों ने बताया कि करीब 20 लाख की चोरी पकड़ी गई है। गगन अग्रवाल उर्फ नन्हे ठेकेदार समेत तीन के खिलाफ तहरीर दी गई है।

मंदिर में महिला के साथ पकड़ा सिपाही, लोगों ने किया हंगामा

गढ़मुक्तेश्वर। गंगानगरी ब्रजघाट में हनुमान मंदिर में डायल 112 में तैनात एक सिपाही को आसपास के लोगों ने बुरका पहने हुए एक महिला के साथ पकड़ लिया और पुलिस को सूचना देकर कोतवाली भेज दिया। ब्रजघाट पुलिस चौकी प्रभारी मनोज बालियान ने बताया कि नगर की एक चौकी में तैनात सिपाही की कोई परिचित महिला थी। जिसने किसी काम के लिए उसे ब्रजघाट के हनुमान मंदिर पर बुला लिया। दोनों चाय पीते हुए आपस में बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान आसपास मौजूद लोगों ने मंदिर में बुरका पहने हुए महिला को पुलिसकर्मी के साथ देखा और हंगामा कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया और कोतवाली भेज दिया। चौकी प्रभारी ने बताया कि हिरासत में ली गई महिला अमरोहा क्षेत्र की बताई जा रही है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। इंस्पेक्टर सोमवीर सिंह का कहना है कि पूछताछ में दोनों पुराने परिचित हैं। सिपाही की रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक को भेजी जा रही है, निर्देशानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यातायात पुलिस ने किया राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप के पुत्र की कार का चालान

हापुड़। यातायात पुलिस ने प्रदेश सरकार में पिछड़ा वर्ग कल्याण, दिव्यांग सशक्तिकरण राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप के पुत्र की स्कार्पियो के शीशों पर काली फिल्म चढ़ी होने पर 2500 रुपये का चालान कर दिया। वहीं, शीशों से काली फिल्म भी उतरवाई गई। ट्रैफिक इंस्पेक्टर अमित कुमार ने बताया कि बुधवार दोपहर यातायात पुलिस मेरठ रोड वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान करीब 12.30 बजे उन्हें एक स्कार्पियो आती हुई दिखाई दी, जिसके शीशों पर काली फिल्म चढ़ी हुई थी। पुलिसकर्मियों ने कार को रुकवा लिया। यातायात पुलिस नियम के तहत 2500 रुपये का चालान किया गया। पुलिस द्वारा पूछताछ में पता चला कि वह गाड़ी मंत्री नरेंद्र कश्यप के पुत्र सिद्धार्थ कश्यप के नाम पर रजिस्टर्ड है। गाड़ी में वह स्वयं भी मौजूद थे। हालांकि इस दौरान उनके द्वारा किसी प्रकार का विरोध नहीं किया गया और न ही मंत्री द्वारा इस मामले में किसी प्रकार का दखल दिया गया। अमित कुमार ने बताया कि यातायात के नियमों का पालन कराने के लिए पूरे जिले में अभियान तहत यह कार्रवाई की गई है।

बैंक में चोरी के मास्टरमाइंड से नोट गिनने की मशीन बरामद

हापुड़। बैंक चोरी मामले के मास्टरमाइंड को पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर शुक्रवार को जेल से पुलिस कस्ट्डी रिमांड (पीसीआर) पर लिया। पुलिस ने चोर की निशान देही पर चोरी की नोट गिनने की मशीन बरामद की। एसएचओ सुमन कुमार सिंह ने बताया कि 25 अगस्त की रात को चोरों ने डूहरी स्थित प्रथमा बैंक पर धावा बोलकर सुरक्षा गार्ड की बंदूक और नोट गिनने की मशीन चोरी कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने 23 सितंबर को मुठभेड़ में चार चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। घटना के मास्टर माइंड डूहरी गांव निवासी हिमांशु ने 5 अक्तूबर को कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया था। जिसे शुक्रवार को कोर्ट के आदेश पर जेल से रिमांड पर लाया गया। उन्होंने बताया कि हिमांशु की निशानदेही पर बैंक से चोरी की गई नोट गिनने की मशीन को बरामद किया गया है। जिसके बाद उसे दोबारा जेल भेज दिया गया है।

महिला से दुष्कर्म, न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुई रिपोर्ट

गढ़मुक्तेश्वर। कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी महिला के साथ दुष्कर्म व पिटाई के मामले में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गांव निवासी महिला ने बताया कि उसकी बेटी की शादी फरवरी में जनपद मेरठ निवासी युवक से हुई थी। लेकिन शादी के कुछ ही समय बाद गांव का एक युवक उसकी बेटी को ससुराल से बहका फुसला कर अपने साथ ले गया। उसके परिजनों ने एक माह तक तलाश की और बेटी को खोजकर गांव ले आए। इस संबंध में उसने एसपी कार्यालय में शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अगस्त में वह अपने पति के साथ खेतों पर काम करने के लिए जा रही थी। इसी दौरान आरोपी युवक, उसके भाई व पिता ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। जिन्होंने दोनों की पिटाई की। जिसके बाद तमंचे के बल पर एक आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। लेकिन लोगों को आता देखकर आरोपी भाग निकले। कोतवाली में तहरीर देने के लिए जाने के दौरान आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक बार फिर रास्ते में उन्हें रोका और पिटाई करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर उसे न्यायालय में वाद दायर करना पड़ा। सीओ आशुतोष शिवम का कहना है कि न्यायालय के आदेश पर शीशपाल, चमन, संदीप, तिलक और उनके साथी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

अग्निकांड के मृतक आश्रितों को मिले आठ लाख

हापुड़। दौलतपुर ढीकरी गांव में तीन सितंबर को गैस सिलिंडर से हुए रिसाव से एक ही परिवार के चार लोगों की इलाज के दौरान हुई मौत हो गई थी। इस मामले में मृतक आश्रितों को शासन ने आठ लाख रुपये की आर्थिक मदद मुहैया कराई है। एसडीएम डॉ. संतोष उपाध्याय ने बताया कि तीन सितंबर को तहसील क्षेत्र के गांव दौलतपुर ढीकरी में हरीश चंद्र सैनी उर्फ हरिया के घर गैस सिलिंडर से हुए रिसाव के चलते गंभीर हादसा हुआ। जिसमें उनकी पत्नी शिमला, विवाहिता बेटी रेनु, बेटे नीरज उर्फ चिंकू, राहुल उर्फ प्रेम झुलस गए थे। इलाज के दौरान चारों सदस्यों की मौत हो गई थी। इस दौरान दो बच्चे भी आग की चपेट में आ गए थे। मामले में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसौदिया ने दो लाख रुपये की आर्थिक मदद दी थी और शासन स्तर से सभी मृतकों के आश्रितों को आर्थिक मदद मुहैया कराने की बात जिला प्रशासन से की थी। इस मामले में पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। मृतकों के आश्रितों के खातों में आठ लाख रुपये की आर्थिक मदद भेजी गई है।

गोरखपुर में रुपये के लालच में गंवा दिए गहने, केस दर्ज

गोरखपुर। एम्स में इलाज कराने आई महिला रुपये के लालच में खुद ही जालसाजों को अपना मंगलसूत्र व कान की बाली दे दी। बदले में उसे कागज की गड्डी मिली। पीड़ित की तहरीर पर शुक्रवार को पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। जानकारी के मुताबिक, एम्स इलाके के नीना थापा के पास की रहने वाली धनिसरा देवी 19 अक्तूबर को एम्स में इलाज कराने गई थीं। वह गेट नंबर तीन से जैसे ही बाहर निकली, तभी एक व्यक्ति उनसे मिला। उसने महिला को काले कपड़े में सिला हुआ बंडल दिया और बोला कि यह नोट की गड्डी है। वह महिला के साथ ऑटो में बैठ गया। ऑटो में पहले से ही चालक समेत दो लोग बैठे थे। महिला को झांसा देकर कान की बाली व मंगलसूत्र निकलवा लिया और कूड़ाघाट के पास उतार दिया। महिला जब घर पहुंची तो ठगी की जानकारी हुई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से ऑटो व उन व्यक्तियों की पहचान में जुटी है।

गुलरिहा थाना क्षेत्र के खड़पड़हवा चौकी के पास पैदल जा रही महिला से बाइक सवार बदमाशों ने मंगलसूत्र छीन लिया और फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, क्षेत्र के जंगल डुमरी नंबर दो कोइरीपुर टोला निवासी जशवंता देवी का खड़पड़हवा चौकी के पास धुलाई सेंटर खुला हुआ है, अपने घर से पैदल पिच रोड के रास्ते धुलाई सेन्टर पर जा रही थी।

उच्चस्तरीय समिति प्रवेश प्रक्रिया की करेगी समीक्षा, कुलपति ने समिति का किया गठन

गोरखपुर। गोविवि कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि प्रवेश मानदंड और वेटेज आवंटन में सुधार के लिए समिति का गठन किया गया है। यह प्रयास विश्वविद्यालय को मजबूत करेगा और इसकी निरंतर सफलता में योगदान देगा। गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया की समीक्षा एवं सुधार के लिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। यह समिति शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक आवेदकों के लिए प्रवेश मानदंड और वेटेज के आवंटन में संशोधित सुधारों की समीक्षा करेगी और महत्वपूर्ण सुझाव देगी। इस समिति में अधिष्ठाता विधि संकाय, अधिष्ठाता कला संकाय, अधिष्ठाता वाणिज्य संकाय, अधिष्ठाता विज्ञान संकाय एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण सदस्य होंगे। इसके साथ ही समिति में कुलपति की ओर से नामित छात्र प्रतिनिधि और एक अन्य सदस्य भी होंगे। इस समिति का उद्देश्य वर्तमान प्रवेश प्रक्रिया की समीक्षा करना, सुधार के क्षेत्रों की पहचान करना और निष्पक्षता, पारदर्शिता और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के साथ विश्वविद्यालय के लक्ष्यों के अनुरूप परिवर्तनों का प्रस्ताव करना होगा।

प्रवेश के मानदंडों की समीक्षा कर सुधार पर तैयार होगी रिपोर्ट

समिति वर्तमान प्रवेश मानदंड का मूल्यांकन करने और प्रक्रिया में ताकत और कमजोरियों की पहचान करेगी। साथ ही वर्तमान प्रवेश प्रक्रिया के साथ उनके अनुभवों और सुधार के लिए उनके सुझावों के संबंध में छात्रों, संकाय और प्रशासनिक कर्मचारियों से प्रतिक्रिया प्राप्त करेगी। प्रवेश मानदंड और आवेदन के विभिन्न पहलुओं, जैसे शैक्षणिक प्रदर्शन, मानकीकृत परीक्षण स्कोर, पाठ्येतर गतिविधियों और अन्य प्रासंगिक कारकों को दिए गए वेटेज में सुधार के लिए सिफारिशों का एक सेट विकसित करेगी। समिति एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करेगी, जिसमें प्रस्तावित परिवर्तनों, उनके पीछे के तर्क और कार्यान्वयन के लिए एक समय व रूपरेखा प्रस्तुत करेगी।

अनुसंधान पर दिया जाएगा जोर

समिति सर्वोत्तम प्रथाओं और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए सहकर्मी संस्थानों में प्रवेश प्रक्रियाओं का गहन विश्लेषण करेगी और अनुसंधान पर जोर देगी। गोविवि कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि प्रवेश मानदंड और वेटेज आवंटन में सुधार के लिए समिति का गठन किया गया है। यह प्रयास विश्वविद्यालय को मजबूत करेगा और इसकी निरंतर सफलता में योगदान देगा। विश्वविद्यालय के प्रवेश मानदंडों की नियमित समीक्षा और समायोजन यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि हम सर्वोत्तम और सबसे विविध प्रतिभाओं को आकर्षित करना जारी रखें।

बेटी की हत्या के दोषी को आजीवन कारावास की सजा, जंगल में ले जाकर वारदात को दिया था अंजाम

गोरखपुर। शासकीय अधिवक्ता मनीष मिश्रा का कहना था कि वादी विजयी चिलुआताल थाना क्षेत्र के पीरू सईद का निवासी है। 28 फरवरी 2021 को उसका पुत्र अभियुक्त रमेश भारती अपनी पुत्री काजल, पुत्र प्रिंस व सबसे छोटी पुत्री श्रेया को मोटरसाइकिल से दवा कराने ले गया था। बेटी की हत्या का जुर्म सिद्ध पाए जाने पर अपर सत्र न्यायाधीश नीलू मोघा ने चिलुआताल थाना क्षेत्र के पीरू सईद निवासी अभियुक्त रमेश भारती को आजीवन कारावास व 10 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड न देने पर अभियुक्त को छह माह कारावास अलग से भुगतना होगा।

अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता मनीष मिश्रा का कहना था कि वादी विजयी चिलुआताल थाना क्षेत्र के पीरू सईद का निवासी है। 28 फरवरी 2021 को उसका पुत्र अभियुक्त रमेश भारती अपनी पुत्री काजल, पुत्र प्रिंस व सबसे छोटी पुत्री श्रेया को मोटरसाइकिल से दवा कराने ले गया था। सुबह 7.30 बजे जब उसका पुत्र रमेश वापस आया तो उसकी पुत्री श्रेया मृत अवस्था में थी। वादी की बड़ी पोती ने बताया कि पापा ने जंगल में ले जाकर श्रेया की गला दबाकर हत्या कर दी है और हमें धमकी दी है कि घर पर किसी को कुछ नहीं बताना।

डार्क वेब की रेडरूम साइट पर लाइव दिखाई जा रही है निठारी कांड जैसी हैवानियत, बच्चों पर खतरा

नोएडा। इंटरनेट के अंडरवर्ल्ड कहे जाने वाले डार्कवेब पर बिटकॉइन के जरिये न केवल हथियार, मादक पदार्थ और अश्लील वीडियो की बिक्री हो रही बल्कि बोली लगाकर हैवानियत का खेल खेला जा रहा है निठारी कांड में मासूम बच्चों और किशोरियों की जिस तरह की दरिंदगी (यौन शोषण, अंग काटना और प्रताड़ना) का जिक्र सीबीआई की जांच में हुआ, ऐसी ही हैवानियत डार्क वेब की रेडरूम साइट पर लाइव दिखाई जा रही है। इंटरनेट के अंडरवर्ल्ड कहे जाने वाले डार्कवेब पर बिटकॉइन के जरिये न केवल हथियार, मादक पदार्थ और अश्लील वीडियो की बिक्री हो रही बल्कि बोली लगाकर हैवानियत का खेल खेला जा रहा है। मोबाइल-इंटरनेट की लत, एडवेंचर और कुछ नया हासिल करने की चाहत युवाओं और किशोरों को अंधकार में धकेल रही है। डार्क वेब के जरिये गौतमबुद्ध नगर में पहले ही मादक पदार्थ बिक्री और क्रेडिट कार्ड हैक कर फर्जीवाड़े का खुलासा हो चुका है। कोरोना काल वर्ष 2020 में दादरी में दसवीं के छात्र दीपांशु चौहान ने खुदकुशी कर ली थी। जान देने से पहले उसने इंस्ट्रग्राम पर भगवान और शैतान की लड़ाई चलने और सबको मरना होगा जैसी बातें लिखी थीं। परिजन का कहना था कि दीपांशु हमेशा मोबाइल में वीडियो देखता रहता था। आशंका जताई गई थी कि दीपांशु डार्क वेब में फंस गया था। डार्क वेब पर रेडरूम के अलावा सिल्क रोड, कैनिबल कैफे, मिस्ट्री बॉक्स नाम की तमाम साइटें हैं, जिन पर अवैध गतिविधियां संचालित हैं। दावा किया जाता है कि डार्क रूम पर रेकी, जासूसी से लेकर सुपारी लेकर हत्या के सौदे भी किये जाते हैं। दुनिया भर के लोगों के हैक किए गए डेबिट-क्रेडिट कार्ड की डिटेल भी डार्क रूम पर बोली लगाकर बेची जा रही है। किसी व्यक्ति विशेष की निजी वीडियो, लोकेशन व अन्य जानकारियों के अलावा यहां सक्रिय हैकर्स फेसबुक, इंस्टाग्राम हैक करने का भी दावा रुपये लेकर करते हैं। डार्क वेब पर अपराध करने और कराने वाले अधिक सक्रिय हैं लेकिन दरिंदगी और हैवानियत की वीडियो डार्क वेब पर न केवल लाइव देख रहे हैं बल्कि चैटिंग से बोली लगाकर अपने तरीके से हैवानियत कराने की रकम अदा कर रहे हैं। दावा किया जाता है कि ये वीडियो असली हैं। ऐसे वीडियो बच्चों का मानसिक रोगी बना रहे हैं। नॉलेज पार्क स्थित पारिवारिक विवाद समाधान केंद्र की को-ओर्डिनेटर व कानूनी विशेषज्ञ डॉ. रितु गौतम ने बताया कि ग्रेटर नोएडा की रहने वाली एक महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उसके ससुराल वालों ने उसे घर से निकाल दिया था। काउंसलिंग में पता चला कि कोरोना काल में महिला ने इंटरनेट पर सक्रियता बढ़ा ली। वह डार्कवेब में जाकर अश्लील वीडियो बनाकर पैसे कमाने लगी। महिला के वीडियो वायरल हो गए थे। हालांकि काउंसलिंग के बाद पति उसे अपने साथ रखने को तैयार हो गया लेकिन ससुराल वाले नहीं माने।

लीक हो सकती हैं निजी जानकारी

आम लोग इंटरनेट के केवल चार फीसदी का इस्तेमाल करते हैं। शेष 96 फीसदी डीप वेब या डार्क वेब में इस्तेमाल होता है। इसमें वैध व अवैध गतिविधियां शामिल होती हैं। ये ओनियन राउटिंग टेक्नोलॉजी पर काम करता है, जिससे इसे ट्रैक करना संभव नहीं होता। सर्च इंजन से इसे इंडेक्स नहीं किया जा सकता और इसमें आईपी एड्रेस भी छुपा रहता है। डार्क वेब में चेन सिस्टम से किशोर व युवाओं को जोड़ा जाता है। लेकिन इससे बेहद सावधान रहने की जरूरत है। क्योंकि डार्क वेब पर जाने वालों की निजी जानकारियां लीक हो सकती हैं। बैंक अकाउंट डेबिट-क्रेडिट कार्ड आदि हैक कर लिए जाते हैं। इसके अलावा उनके निजी वीडियो फोटो भी लीक हो जाते हैं। इसके बाद वे ठगी या ब्लैकमेलिंग के शिकार हो सकते हैं। तत्कालीन ग्रेटर नोएडा डीसीपी आईपीएस अभिषेक वर्मा ने 18 सितंबर 2022 को डार्क वेब पर ग्राहक बनकर विदेशी ड्रग्स तस्करी में लिप्त तीन छात्रों को गिरफ्तार कर 29 लाख की ड्रग्स बरामद की थी।

पंढेर की रिहाई की सूचना पर छलका दर्द, पीड़ितों ने कहा- नहीं मिला इंसाफ; फफक कर रो पड़े मां-बाप

नोएडा। मोनिंदर सिंह पंढेर के जेल से छूटते की सूचना मिलते ही पीड़ितों का दर्द छलक उठा। बच्चों को खो देने वाले माता-पिता फफक कर रो पड़े। पीड़ितों ने कहा कि कभी नहीं सोचा था कि बच्चों के हत्या के आरोपी कानून का शिकंजा तोड़कर बाहर निकलने में कामयाब हो जाएंगे। मोनिंदर सिंह पंढेर को लुक्सर जेल से रिहा होने की सूचना मिलते ही निठारी स्थित डी-5 कोठी के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई। पुलिस को आशंका थी कि आरोपी के जेल से छूटने की खबर मिलने के बाद कोठी के आसपास का माहौल बिगड़ सकता है। हालांकि निठारी में पूरे दिन शांति कायम रही। इधर आरोपी के जेल से छूटते की सूचना मिलते ही पीड़ितों का दर्द छलक उठा। बच्चों को खो देने वाले माता-पिता फफक कर रो पड़े। पीड़ितों ने कहा कि कभी नहीं सोचा था कि बच्चों के हत्या के आरोपी कानून का शिकंजा तोड़कर बाहर निकलने में कामयाब हो जाएंगे। निठारी कांड में लापता ज्योति (10) के पिता झब्बूलाल और पत्नी सुनीता ने पंढेर की रिहाई को साजिश बताया। डी-5 कोठी के पास कपड़े प्रेस कर रहे दोनों ने कहा कि पुलिस और सीबीआई की नाकामी से आरोपी की रिहाई हुई है। सुनीता कहती हैं कि उसने पुलिस और सीबीआई को बहुत सारे सबूत दिए थे। पुलिस ने ज्योति के कपड़े, चप्पल और हेयर बैंड बरामद किए थे। जिसकी पहचान भी कराई गई थी। फिर भी आरोपी छूट गया। रिहाई की खबर सुनकर पांच वर्ष के मासूम को खोने वाली निठारी निवासी राजवती व उनका परिवार भी स्तब्ध था। हालांकि राजवती ने इस मामले में किसी तरह की टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। वहीं निठारी कांड में लापता हुए साढ़े तीन साल के हर्ष के पिता रामकिशन भी शुक्रवार को डी-5 कोठी पहुंचे।

काफी देर तक कोठी की ओर देखते रहने के बाद बाद वह बाइक से चले गए। उन्होंने कि कि जब पंढ़ेर बाहर आया गया है तो कोली को भी बाहर ले आएगा। गरीबों का कोई नहीं है। अगर एजेंसियों ने सही से जांच की होती तो मोनिंदर कभी बाहर आ ही नहीं सकता था।

हर पांच मिनट पर आती जाती रही पुलिस की गाड़ी

डी-पांच कोठी के पास नोएडा पुलिस की पीसीआर भी लगातार गश्त करती नजर आई। हर पांच मिनट के अंतराल पर पीसीआर पर तैनात पुलिसकर्मी हूटर बजाकर स्थिति को नियंत्रण में बनाए रखने का प्रयास करते नजर आए।

रेहड़ी ठेली वालों को हटाया

आम दिनों में डी-पांच कोठी के सामने फल व जूल वालों की रेहड़ी ठेली लगती थी। लेकिन शुक्रवार को पुलिस ने सबको वहां से हटा दिया। कोठी से करीब 500 मीटर की दूरी पर पुलिस की दो पीसीआर शाम तक तैनात रही।

कोठी पर आने की थी अटकलें

कुछ स्थानीय लोगों को जेल से रिहा होने के बाद मोनिंदर के कोठी पर आने की उम्मीद थी। गांव के कुछ लोग उसे देखने के लिए कोठी के आसपास मंडराते हुए दिखाई दिए। हालांकि बाद में पंढ़ने की चंडीगढ़ जाने की खबर फैलते ही लोग लौट गए।

अधिवक्ताओं ने किया पीड़ितों से संपर्क

पीड़ित रामकिशन ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम को दो अधिवक्ता मिलने आए थे। उन्होंने मामले को फिर से सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की बात कही है। अधिवक्ताओं ने बताया कि बस इस मामले में गवाही के लिए उन्हें आना होगा।

हालांकि रामकिशन और झब्बू ने कहा कि अब उन्हें ज्यादा भरोसा नहीं है और न ही अब वह इस चक्कर में पड़ेगें।

बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं पर सपाइयों का प्रदर्शन, नारेबाजी

कन्नौज। जिले में डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड व संक्रामक रोग तेजी से फैल रहे हैं। संक्रामक बीमारियों ने स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोलकर रख दी है। इनकी रोकथाम न होने और जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर इलाज न मिलने पर सपाइयों ने शुक्रवार को आक्रोश जताया। जिला अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। सीएमएस को ज्ञापन देकर व्यवस्थाएं बेहतर करने की मांग की। शुक्रवार को सपा के पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव की अगुवाई में बड़ी संख्या सपा नेता जिला अस्पताल पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर अस्पताल परिसर में नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। बाद में सीएमएस डॉ. शक्ति बसु को ज्ञापन सौंपा। सपाइयों ने ज्ञापन में कहा कि बुखार से हजारों लोग पीड़ित हैं। लेकिन सरकारी अस्पतालों में न तो उचित इलाज लोगों को मिल रहा है और न ही पर्याप्त डॉक्टर हैं। आरोप लगाया कि सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में दवाएं भी नहीं हैं। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की यह हालत है कि डायलिसिस के समय बिजली की सप्लाई कट जाती है, जिससे मरीजों की जान खतरे में पड़ जाती है। जिले भर में डेंगू का प्रकोप है। लोग प्राइवेट अस्पतालों में इलाज करवाने के लिए मजबूर हैं।

एक जनवरी को बालिग हो रहे युवाओं का मतदाता सूची में जुड़ेगा नाम, निर्देश जारी

गोरखपुर। उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के संबंध में 27 अक्तूबर से नौ दिसंबर तक आपत्तियां ली जाएंगी। इसके बाद 4,5, 25 , 26 नवंबर और 3, 4 दिसंबर को बीएलओ अपने-अपने बूथों पर बैठकर आपत्तियां प्राप्त करेंगे। एक जनवरी 2024 को 18 वर्ष आयु पूरी करने वाले युवा फार्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं।

अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए प्रशासनिक अधिकारी मतदाता सूची तैयार करने में जुट गए हैं। शुक्रवार को प्रदेश के उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर एक जनवरी 2024 को 18 साल के हो रहे युवाओं का नाम मतदाता सूची में शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने 27 अक्तूबर से नौ दिसंबर तक चलने वाले मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में भी चर्चा की। उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के संबंध में 27 अक्तूबर से नौ दिसंबर तक आपत्तियां ली जाएंगी। इसके बाद 4,5, 25 , 26 नवंबर और 3, 4 दिसंबर को बीएलओ अपने-अपने बूथों पर बैठकर आपत्तियां प्राप्त करेंगे। एक जनवरी 2024 को 18 वर्ष आयु पूरी करने वाले युवा फार्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि 4, 5, 25, 26 नवंबर और 2 एवं 3 दिसंबर 2023 तक अभियान की विशेष तिथियां होंगी। 9 दिसंबर तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। 5 जनवरी 2024 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। बैठक में उन्होंने कहा कि बीएलओ हर बूथ पर मौजूद मतदाता सूची लेकर मौजूद रहेंगे। दावे और आपत्तियों का निस्तारण करने के लिए उनके पास सभी फार्म रहेंगे। यह लोगों को निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

मतदाता सूची में नाम शामिल करने, संशोधन सहित अन्य सुधारों के लिए कौन-कौन से फार्म भरवाए जाएंगे। इसकी जानकारी लोगों को दी जाएगी। पात्र मतदाता अपने आवेदन फार्म संबंधित बूथ लेवल अधिकारी, सुपरवाइजर, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ एसडीएम सदर कुमार सौरव आदि मौजूद रहे।

न्यूनतम तापमान में गिरावट से रात में ठंडक का एहसास, शुगर-ब्लड प्रेशर के रोगी रखें खास ख्याल

गोरखपुर। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को दिन में आसमान आमतौर पर साफ रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 31 व न्यूनतम तापमान 16 डिग्री के आसपास रह सकता है। फिलहाल अगले चार से पांच दिन मौसम में किसी विशेष बदलाव का संकेत नहीं है। रात में निकलने वालों को हल्की ठंडक का एहसास होने लगा है। पिछले कुछ दिनों 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना न्यूनतम तापमान शुक्रवार को 17.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम है। ऐसे में रात में लापरवाही करने वालों के बदला मौसम का मिजाज भारी पड़ रहा है। दिन में भले ही तेज धूप निकलती हो, रात में हल्की ठंड सताने लगी है। शुक्रवार रात को न्यूनतम तापमान 17.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम रहा। बृहस्पतिवार के न्यूनतम तापमान 18.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो शनिवार रात को तापमान 16 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है। अब रात में तापमान की गिरावट के साथ धीरे-धीरे ठंड बढ़ेगी। दिन में आसमान साफ रहने से अभी हल्की गर्माहट बनी रहेगी। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को दिन में आसमान आमतौर पर साफ रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 31 व न्यूनतम तापमान 16 डिग्री के आसपास रह सकता है। फिलहाल अगले चार से पांच दिन मौसम में किसी विशेष बदलाव का संकेत नहीं है।

जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि अचानक तापमान में इतना अधिक परिवर्तन से शुगर व ब्लड प्रेशर के मरीजों को खास दिक्कत हो सकती है। सबसे अधिक सावधानी ऐसे मरीजों को ही रखनी होती है। नियमित रूप से अपने शुगर व ब्लड प्रेशर की जांच कराएं। इसके अलावा खान-पान व पहनावे को लेकर भी सतर्क रहें।

हेल्थ एटीएम बीमार, कहीं ताला तो कहीं स्टिक ही नहीं

कन्नौज। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों को जांच की त्वरित सुविधा मिल सके इसके लिए विधायक निधि से छह अस्पतालों में हेल्थ एटीएम लगाए गए हैं। लाखों रुपये की लागत की यह मशीनें शोपीस बनकर रह गई हैं। कहीं जांच के लिए स्टिक नहीं हैं तो कहीं दूसरे उपकरण न होने की वजह से हेल्थ एटीएम बीमार पड़े हैं। कुछ बंद भी पड़े हैं। जिले के लोगों को बेहतर और हाईटेक स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के लिए करीब एक साल पहले विधायक निधि से जिले के तिर्वा, सौरिख, हसरेन, तालग्राम, विशुनगढ़ व छिबरामऊ सीएचसी में हेल्थ एटीएम लगाए गए थे। इस हेल्थ एटीएम की मदद से मरीजों की 59 तरह की जांचें सिर्फ 10 मिनट में हो जाती हैं। अलग-अलग जांच रिपोर्ट के लिए अलग-अलग स्टिक लगाई जाती हैं। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते हेल्थ एटीएम खुद बीमार पड़ गए हैं। कहीं जांच वाली स्टिक खत्म हो गई तो कहीं किसी उपकरण की खराबी की वजह से मशीन बंद पड़ी हैं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बोले- सपा सरकार में दंगाइयों के हवाले था सूबा, सपाई परिवारवाद तक सीमित

हरदोई। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि जब अखिलेश यादव शासन में थे, तो पूरे प्रदेश में अराजकता थी और सरकार दंगाइयों के साथ खड़ी थी। मुलामय सिंह यादव के शासन काल में महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी की गई और कारसेवकों पर गोलियां चलवाई गईं। हरदोई जिले में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सूबे में मच्छर न संभाल पाने और विश्वगुरू बनने की बात पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने पलटवार किया है। भूपेंद्र चौधरी ने कहा है कि भाजपा ने चुनाव से पहले संकल्प पत्र में जो कहा था वह सब करके दिखाया। अखिलेश यादव अपना और मुलायम सिंह यादव का कार्यकाल याद कर लें, फिर टिप्पणी करें।

उन सरकारों में सूबा दंगाइयों के हवाले था। उन्होंने कहा कि संविधान के प्रति हम संकल्पित हैं, लेकिन सपाई परिवारवाद और जातिवाद तक ही सीमित हैं। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी के पति उपेंद्र तिवारी की पुण्य तिथि में शामिल होने के लिए हरदोई पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने पत्रकारों से कहा कि हमारी सरकारों ने बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, सुरक्षा सहित सभी विषयों पर काम किया है।

देश और प्रदेश को बेहतर बनाने के लिए मोदी और योगी

जब अखिलेश यादव शासन में थे, तो पूरे प्रदेश में अराजकता थी और सरकार दंगाइयों के साथ खड़ी थी। मुलामय सिंह यादव के शासन काल में महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी की गई और कारसेवकों पर गोलियां चलवाई गईं। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश को बेहतर बनाने के लिए मोदी और योगी के नेतृत्व में काम किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि जनता को योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

भाजपा ने बाबा साहब की विचारधारा को आगे बढ़ाया

प्रधानमंत्री से लेकर बूथ अध्यक्ष तक सेवा कार्या, रचनात्मक कार्यों के जरिए सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता के बीच ले जा रहे हैं। अखिलेश के बाबा साहब का संविधान खतरे में होने संबंधी बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहब के प्रतीक चिन्हों को मिटाने का काम हमेशा सपा ने किया है। भाजपा ने बाबा साहब की विचारधारा को आगे बढ़ाया है।

लोकतंत्र में भाषा की मर्यादा जरूरी

कांग्रेस नेताओं और अखिलेश यादव के बीच चल रही जुबानी जंग पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में भाषा की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं। विपक्ष के नेता भी हैं, लेकिन इन लोगों का इतिहास और सभ्यता कुछ अलग है। जनता का ध्यान भटकाने के लिए ठगबंधन किया गया है। यह लोग कुछ भी कर लें प्रदेश और देश की जनता सब जानती है।

विदेशी परिंदों की चहलकदमी से निखरा पौंग बांध, पर्यटन कारोबार को मिलेगा बढ़ावा

हमीरपुर। तीन दिनों से पौंग बांध के किनारों पर कॉमनकूट, ब्राउन हेडेड गल्स, पैलेस गल्स और ब्लैक गल्स पक्षियों की प्रजातियां आना शुरू हो गई हैं। साइबेरियन व अन्य देशों से आने वाले परिंदे यहां पर पांच से छह महीने बिताने के बाद फिर अपने वतन की ओर रवाना हो जाते हैं। पंछी नदिया पवन के झोंके कोई सरहद इन्हें न रोके...यह गाना पौंग बांध में हजारों किलोमीटर का सफर तय करके आ रहे प्रवासी पक्षियों पर सही बैठ रहा है। इन दिनों साइबेरिया और अफगानिस्तान में ठंड काफी ज्यादा हो जाती है। इस कारण प्रवासी पक्षियों ने विश्व प्रसिद्ध वेटलैंड साइट पौंग बांध में आना शुरू कर दिया है। वन्य प्राणी विभाग हमीरपुर ने इन प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा के लिए कड़े प्रबंध कर रखे हैं। तीन दिनों से पौंग बांध के किनारों पर कॉमनकूट, ब्राउन हेडेड गल्स, पैलेस गल्स और ब्लैक गल्स पक्षियों की प्रजातियां आना शुरू हो गई हैं। साइबेरियन व अन्य देशों से आने वाले परिंदे यहां पर पांच से छह महीने बिताने के बाद फिर अपने वतन की ओर रवाना हो जाते हैं। पिछले वर्ष विदेशी परिंदों की 108 प्रजातियां वन्य प्राणी विभाग ने अधिसूचित की थीं। पिछली बार लांग टेल डक भी पौंग बांध में देखी गई थी। जो पक्षी यहां पर आते हैं वे दोबारा आ रहे हैं या नहीं, इसका पूरा आंकड़ा रखा जा रहा है। इसके लिए विभाग की ओर से इन प्रवासी पक्षियों पर टैग लगाए जाते हैं। विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों ने इसके लिए पैट्रोलिंग करना शुरू कर दी है। प्रवासी परिंदों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी भी स्थापित किए गए हैं। विभाग इन पक्षियों की गणना के लिए तैयारी कर चुका है। रिंगिंग का कार्य फोटोग्राफी के जरिये किया जाता है। विभाग के अधिकारी इस बार प्रवासियों की गणना व उनकी सुरक्षा के लिए ड्रोन कैमरों की मदद लेंगे। इसके लिए विभाग की ओर ट्रायल किए जा रहे हैं। पौंग बांध के नीले गगन में यह प्रवासी पक्षी ऊंची-ऊंची उड़ान भरते हुए नजर आ रहे हैं। पौंग बांध में इन परिंदों को पर्याप्त मात्रा में भोजन मिलता रहता है। यहां की मछली व इसके अलावा दूसरे जीव-जंतु जो इस पानी में पाए जाते हैं, प्रवासी परिंदों का पसंदीदा भोजन रहता है। प्रवासी पक्षियों के आने से विभाग के अधिकारी बर्ड फेस्टिवल की तैयारियों में जुट गए हैं। इसके लिए उक्त अधिकारी प्रदेश सरकार से इसके लिए तिथि फाइनल करने के लिए भी बातचीत कर रहे हैं। 207 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाला पौंग बांध प्रवासी परिंदों को सर्दियों में काफी भाता है। विश्व के विभिन्न देशों से सितंबर से विदेशी परिंदे पौंग बांध जलाशय का रुख करना शुरू कर देते हैं और फरवरी के अंत तक यहां से रुखस्त होना शुरू हो जाते हैं। वन्य प्राणी विभाग ने जनवरी 2023 के अंत में 1 लाख 17 हजार 22 विदेशी परिंदों की गणना पौंग बांध जलाशय में की थी। पिछली बार 59 प्रजातियों के विदेशी और 29 स्थानीय प्रजातियों के पक्षी पौंग बांध जलाशय में आए थे। हमीरपुर में ब्यास नदी के तट पर भी यह प्रवासी परिंदे देखे जा सकते हैं।

पौंग बांध में आ चुकी हैं ये प्रजातियां

पौंग बांध जलाशय में वन विभाग की वन्य प्राणी सेंचुरी के मुताबिक यूरेशियन कूट, नॉर्दर्न पिंटेल, कॉमन टील, कॉमन पोचर्ड, यूरेशियन विजन, लिटिल कॉर्मोरेंट, नॉर्दर्न शोवेलर और ग्रेट कॉर्मोरेंट प्रजातियां पौंग बांध में देखी जा चुकी हैं। इसके अलावा सर्दियों में स्थानीय प्रजातियां भी यहां पर आती हैं। वन्य जीव विभाग हमीरपुर के रेंज ऑफिसर पविंद्र कुमार ने बताया कि पौंग बांध जलाशय में तीन दिनों से कॉमनकूट, ब्राउन हेडेड गल्स, पैलेस गल्स व ब्लैक गल्स प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां आना शुरू हो गई हैं। विभाग की ओर से प्रवासियों की सुरक्षा के कड़े प्रबंध कर रखे हैं। विभागीय कर्मचारी व अधिकारी लगातार पेट्रोलिंग कर रहे हैं। इस बार इनकी गणना के लिए ड्रोन की भी मदद ली जाएगी।

नशे के खिलाफ 2000 मीटर दौड़ में आदित्य और शिवाली ने सबको पछाड़ा

हमीरपुर। एशियन गेम्स में पदक तालिका में भारत के पदकों की संख्या बढ़ने से जहां विश्व पटल पर राष्ट्र का सम्मान बढ़ा है, वहीं देशवासियों खासकर युवाओं में उत्साह का संचार हुआ है। यह बात प्रदेश भाजपा सचिव और सामाजिक संस्था यस के अध्यक्ष नरेंद्र अत्री ने केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के जन्म दिवस के उपलक्ष्य पर नशे के खिलाफ जागरूकता दौड़ में भाग लेने वाले सैकड़ों युवाओं को संबोधित करते हुए कही। इसके बाद जागरूकता दौड़ में प्रतिभागियों ने खूब दमखम दिखाया। पुरुष वर्ग की 2000 मीटर दौड़ में आदित्य प्रथम, आदित्य पटियाल दूसरे, अरुण शर्मा तीसरे, अभय चौथे, रोहित पांचवे, विशाल छठे, अतुल सातवें, रजत आठवें, अजय नौवें स्थान पर निशु कुमार दसवें स्थान रहे। इसके अलावा करण और गौरव होटल मैनेजमेंट से अपने वर्ग में प्रथम और दूसरे स्थान पर रहे। वहीं, महिला वर्ग के 2000 मीटर में शिवाली प्रथम, रिचा दूसरे व राशि तीसरे स्थान पर रहे। सुहानी चौथे, शगुन पांचवे, पलक छठे, रीतिका सातवें, अर्पित आठवें, शिवांगी नौवें, श्वेता दसवें स्थान पर रहीं। पुरुष व महिला वर्ग के पहले 10- 10 विजेताओं को देसी घी व ब्रांडेड टी-शर्ट, स्मृति चिह्न व दोनों वर्ग में प्रथम विजेताओं को नकद पुरस्कार भी दिया गया। उइस दौड़ में 300 युवाओं ने भाग लिया। सभी के लिए फलों व जूस की व्यवस्था रही।

इस मौके पर मुख्य रूप से अतिथियों में सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष विमला ठाकुर, सेवानिवृत्त अधिशासी अभियंता एवं सामाजिक संस्था ज्योति कलश के अध्यक्ष इंजीनियर सूरम सिंह, खेल केंद्र हमीरपुर के असिस्टेंट डायरेक्टर मनोज अवाती, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी रंजीत ठाकुर, सेवानिवृत्त अधिकारी प्रेम ठाकुर, सुरेश कटोच, भाजपा मंडल महामंत्री राजेश ठाकुर, मंडल के उपाध्यक्ष रहे एवं अणु पंचायत के पूर्व प्रधान सुरेंद्र राजू मिन्हास, बूथ अध्यक्ष विजय ठाकुर, सेवानिवृत्त वन अधिकारी अनंत राम सुमन, ओलंपियन दिव्या आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हमेशा ही हमारे आदर्श रहेंगे श्रीराम

दिनेश चंद्र वर्मा

क्या त्रेतायुग में भगवान राम का अवतरण केवल रावण और राक्षसों के वध के लिए ही हुआ था? इस प्रश्न का उत्तर कई लोग हां में दे सकते हैं पर इस सवाल का सही उत्तर यही है कि भगवान राम के अवतरण के अनेक कारणों से एक कारण यह भी था। राम अवतार की अनेक कथाएं हमें पढ़ने को मिलती हैं, जैसे मनु और शतरुपा को दिए गए वरदान के फलस्वरूप वे अवतरित हुए, नारद द्वारा स्त्री वियोग के शाप के कारण उन्हें अवतार लेना पड़ा। देवी-देवताओं तथा पृथ्वी की प्रार्थना के फलस्वरूप वे जन्में। महाकवि गोस्वामी तुलसीदास ने भी इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कहा है-

राम जन्म कर हेतु अनेका।

राम के अवतार की अनेक कथाएं तो मिलती ही हैं, उनका जीवन भी विभिन्न दृष्टियों से देखा गया। एशिया में राम की अनेक कथाएं प्रचलित हैं। भारत की हर भाषा में राम की कथा किसी न किसी रूप में मौजूद है। काव्यों में ही नहीं लोककथाओं में भी राम का जीवन वर्णित किया गया है। गोस्वामी तुलसीदास भी संभवतः इसी तथ्य से परिचित थे, इसलिए उन्होंने लिखा- रामायण सत कोटि अपारा।

राम की कितनी ही कथाएं, लोक गाथाएं प्रचलित हों या लुप्त हों, राम पर कितने ही काव्य, महाकाव्य एवं ग्रंथ लिखे गए हों, इनमें राम के जीवन के किसी भी पहलू पर प्रकाश डाला गया हो, पर एक बात सभी कथाओं और काव्यों में समान है, और वह यह कि उनके जीवन का हर पक्ष आदर्श था। उन्होंने ये आदर्श एक साधारण मानव के रूप में, पुत्र के रूप में, एक भाई के रूप में, युवराज के रूप में, राजा के रूप में, धर्मरक्षक के रूप में तो निभाए ही, वे एक आदर्श एवं नीति पालक शत्रु के रूप में भी वे लोक मानस में स्थापित हैं।

राम का धर्मरक्षक स्वरूप तो सर्वत्र दृष्टिगोचर होता है। ताड़का, खरदूषण से लेकर रावण तक का वध उन्होंने धर्म रक्षा के लिए ही किया। इस धर्मरक्षा के प्रति उनका आदर्श यही था कि सबको अपना-अपना धर्म एवं सिद्धांत मानने का अधिकार है। किसी को वह धर्म अपनाने के लिए विवश नहीं किया जा सकता, जिसे वह मानने के लिए स्वेच्छा से तैयार नहीं हो। दूसरे धर्म के मानने वालों की धार्मिक मान्यताओं में व्यवधान डालने का भी किसी को कोई अधिकार नहीं है। रावण वध तो भगवती सीता के अपहरण के अपराध के कारण हुआ था, पर उससे कई वर्षों पूर्व गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पर भगवान राम ने ताड़का वध क्यों किया था तथा पृथ्वी को निशाचर विहीन करने की प्रतिज्ञा क्यों की थी? सिर्फ इसीलिए कि राक्षस, ऋषि मुनियों के यज्ञों का विध्वंस करते थे तथा प्रतिकार करने वाले ऋषि मुनियों का वध कर देते थे। एक आदर्श पुत्र के रूप में राम के बारे में सभी जानते हैं कि खाने-खेलने के दिनों में वे पिता की आज्ञा से विश्वामित्र के साथ राक्षसों के विनाश के लिए वन चले गये थे। दूसरी बार भी राजतिलक के ऐन मौके पर पिता की आज्ञा से वन गमन किया। चौदह वर्ष का वनवास उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। वनवास में भी वे धर्म-संरक्षक के रूप में कार्यरत रहे। रावण द्वारा सीता का अपहरण करने के बाद भी वे एक नीतिपालक शत्रु होने का परिचय देते हैं। वानरों और रीछों की भारी सेना होने के बाद भी वे लंका पर एकाएक आक्रमण नहीं करते हैं, बल्कि रावण को समझाने के लिए अंगद को भेजते हैं। इस सबके बीच वे एक आदर्श मानव का परिचय देते हुए सामाजिक समरसता का भी संदेश देते हैं। शबरी के जूठे बेर खाना, भील-निषादों के प्रति सहृदयता दिखाना तथा वानरों को अपना मित्र बनाने एवं उन्हें बंधु के समान मानना भी एक आदर्श मनुष्य के गुण हो सकते हैं। नीतिपालक शत्रु के रूप में उन्होंने जहां मेघनाद की पत्नी सती सुलोचना को आदर दिया, वहीं उन्होंने अपने भाई लक्ष्मण को रावण से राजनीति की शिक्षा लेने का परामर्श दिया। साधारण पुरुष के रूप में उन्होंने परनारी सम्मान का भी संदेश दिया। राजा के रूप में तो राम का चरित्र अतुलनीय है। उनका राज्यकाल रामराज्य के रूप में प्रसिद्ध हुआ, जिसमें सर्वत्र सुख और शांति थी, जनता को कोई पीड़ा दुःख या शोक नहीं था। राम ने एक राजा के रूप में इस आदर्श का भी परिचय दिया कि वे साम्राज्यवादी नहीं प्रजापालक थे।

बालि के वध के बाद सुग्रीव को राज्य सौंपना तथा रावण के वध के बाद विभीषण को लंका सौंप देना, इसका प्रमाण है कि अपना साम्राज्य बढ़ाने की उनकी कोई लालसा नहीं थी, बल्कि वे अपनी प्रजा के तथा प्राणियों के कल्याण की ही भावना रखते थे। एक राजा के रूप में उनका यह आदर्श था कि एक साधारण व्यक्ति के कथन को महत्व देते हुए उन्होंने अपनी धर्मपत्नी सीता को वनवास दे दिया था फिर भी वे एक पत्नीव्रती ही बने रहे। वस्तुतः राम का जीवन इतना व्यापक प्रेरणादायी है कि उनके जीवन का हर अंश कहीं न कहीं आदर्श उपस्थति कर देता है। आदर्श पुत्र, भाई, शासक और धर्मरक्षक के अलावा वे समाज में समरसता के संवाहक, शरणागत वत्सल, करुणा के सागर, श्रेष्ठ मित्र, दृढ़ संकल्पी के रूप में भी प्रेरणा देते हैं। ऐसा नहीं है कि भारतीय जनमानस राम के आदर्श स्वरूप से परिचित नहीं है। भारतीय जनमानस में राम कितने रचे बसे, हैं, इसके लिए उदाहरण देने की आवश्यकता नहीं है। हम जब कष्ट में होते हैं तो राम कहकर ही भगवान का स्मरण करते हैं। दो लोग जब मिलते हैं तो राम-राम ही कहा जाता है।

राम के लोकमानस के रचे बसे होने का सबसे बड़ा प्रमाण यही है कि मनुष्य की अंतिम यात्रा में भी राम नाम सत्य के रूप में राम का और उनके नाम का ही स्मरण किया जाता है। राम के अवतरण के बाद सदियां बीत गयीं, पर उनकी कथा और उनके आदर्शों से हम आज भी परिचित हैं। भले ही हम आदर्शों और सिद्धांतों पर चल नहीं रहे हों, पर हर एक क्षण में आशा की यह क्षीण किरण रहती ही है कि कभी न कभी राम के यह आदर्श इस धरती पर अवश्य ही अवतरित होंगे।

स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर से बच्चों में आती हैं व्यवहारिक जीवन जीने की कला-राधेश्याम वर्मा

स्काउट गाइड बच्चों में होती है नेतृत्व क्षमता का विकास - अखिलेश मौर्य

बलराम मौर्या

दिलासीगंज (अयोध्या)। श्री रामलाल संतराम इंटर कालेज दिलासीगंज अयोध्या में स्काउट गाइड का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह धूमधाम से मनाया गया, जिसमे स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम में झंडा रोहण, टेस्ट का निरीक्षण, दीप प्रज्वलित, सांस्कृतिक कार्यक्रम, के साथ स्काउट गाइड प्रशिक्षण के तृतीय सोपान का प्रमाण पत्र वितरण, कार्यक्रम मुख्य अतिथि - पूर्व प्रधानाचार्य आदरणीय राधेश्याम वर्मा जी रहे।

स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधन करते हुए कहा कि स्काउट गाइड से छात्र छात्राओं को देश सेवा की भावना आती है। प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से बच्चों में कैम्प में तमाम चीजों की जानकारी होती है जो उनको दैनिक जीवन में काम आती है। प्रशिक्षण शिविर दे रहे स्काउट मास्टर अखिलेश मौर्य ने कहा कि जिस तरह से स्काउट गाइड के प्रशिक्षण शिविर से बच्चों में व्यवहारिक ज्ञान के साथ साथ, समूह में किस तरह से कार्य करने के गुण, नेतृत्व क्षमता का विकास, समाज के लिए उपयोगी बनाने जैसी क्षमता का विकास इसके माध्यम से होता है। हम अपने छात्रों और छात्राओं को यही शुभ कामना देते है कि हमेशा समाज के लिए, देश के लिए और अपने पर्यावरण संरक्षण के प्रति सचेत रहे इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य राधेश्याम वर्मा जी, प्रधानाचार्य आशुतोष सिंह जी, स्काउट मास्टर अखिलेश मौर्य जी, अध्यापक हरिभान यादव, अजय तिवारी, मनोज, राम जियावन, सुनील सिंह, जन्ती वर्मा, रमेश, तीर्थराज सिंह, सुरजीत सिंह, देवकीनंदन, हरिश्चंद्र यादव, दुर्गा प्रसाद, उदय प्रताप, मुन्ना चौहान, सरोज मौर्य, देवमती, रितिका, आरती, टोली नायक -लक्ष्मी, सलोनी, दिव्या, नाइमा, शिखा, देवेश, अनुराग, क्षमा, एवं 140 छात्र एवं छात्राएं ने प्रतिभाग किया।

सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

वाराणसी। दीनदयाल हस्तकला संकुल, बड़ा लालपुर, वाराणसी में कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार एवं सुबह ए बनारस आनंद कानन के तत्वावधान में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक संध्या में शिल्पायन् संस्था के कलाकारों द्वारा गायन की प्रस्तुति हुई. गायन का प्रारंभ राग दुर्गा मे छोटा खयाल से हुआ. उसके बाद माँ दुर्गा को समर्पित भजनों की प्रस्तुतिया हुई. प्रथम भजन के बोल थे अनादि देवी अम्बिके ....उसके बाद अगले भजन तेरो चाकर करे पुकार से श्रोताओं को आनंदित किया। इसी क्रम मे कलाकारों ने देवी चरणो मे अगली प्रस्तुति देवी अमित स्वरूप तुम्हारा ....भजन की दी. कार्यक्रम का समापन जगत जननी भजन से कलाकारों ने किया। गायन किया डालिया मुखर्जी, आशी बत्रा. हंसिका., रिद्धिमा, और प्रज्ञा ने. तबला पर साथ दिया जयदेव जी ने और हरमोनियम पर जूलिया मुखर्जी ने. कलाकारों का स्वागत किया सहायक निदेशक श्री गोपेश मौर्य ने तथा प्रमाण पत्र प्रदान किया संग्रहालय दीन दयाल हस्तकला संकुल संग्रहालय अध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव ने। इससे पूर्व कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दीन दयाल हस्तकला संकुल के संग्रहालय अध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव तथा कलाकारों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर हुआ। कार्यक्रम की संकल्पना एवं संयोजन डॉक्टर रत्नेश वर्मा का रहा तथा कार्यक्रम का संचालन किया अंजना झा ने।

शक्ति स्वरूपा मां भगवती के नौ रूप

शक्ति स्वरूपा भगवती दुर्गा की आराधना की परंपरा हमारे देश में सदियों से चली आ रही है। शक्ति की पूजा मातृभाव से की जाती है। भगवती दुर्गा जहां मां के रूप में सृष्टि की सृजनकर्ता हैं, वहीं काली के रूप में संहारक भी। इसी कारण शक्ति स्वरूपा भगवती दुर्गा को जीवन का मूलाधार माना गया है, जो सृजन भी करती है और मोक्ष भी देती है। भगवती महोत्सव दैत्यों और असुरों पर शक्ति की विजय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस महोत्सव में देवी की नौ रूप में पूजा की जाती है। देवी कवच में भी नौ देवियों की स्तुति करते हुये कहा गया है।

प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं ब्रह्मचारिणी। तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेति चतुर्थकम्। पंचमं स्कन्दमातेति षष्ठं कात्यायनीति च। सप्तमं कालरात्रिति महागौरीति चाष्टमम्। नवमं सिद्धिदात्री च नवदुर्गा प्रकीर्तिताः।

अर्थात् नवरात्रि की प्रथम रात्रि में शैलपुत्री, द्वितीय में ब्रह्मचारिणी, तृतीय में चंद्रघंटा, चतुर्थ में कूष्माण्डा, पांचवीं में स्कन्दमाता, छठवीं में कात्यायनी, सातवीं में कालरात्रि, आठवीं में महागौरी और नौवीं रात्रि पर सिद्धिदात्री स्वरूप में भगवती दुर्गा अवतरित होती है। दुर्गा सप्तशती में कहा गया है कि यदि शारदीय नवरात्रि में इन स्वरूपों में भगवती दुर्गा की आराधना की जाए तो देवी दुर्गा की कृपा दृष्टि बनी रहती है तथा समस्त दुःख और बाधाएं नष्ट हो जाती हैं जिससे सुख एवं समृद्धि का वातावरण निर्मित होता है।

शैलपुत्री

नवरात्रि के प्रथम दिन देवी दुर्गा की आराधना शैलपुत्री के रूप में की जाती है। शैलपुत्री देवी को पर्वतराज हिमवान की पुत्री के रूप में पूजा जाता है। देवी के शैलपुत्री स्वरूप को जगत माता भी कहा जाता है, इनका वाहन बैल है। पूर्वजन्म में शैलपुत्री ही दक्ष प्रजापति की कन्या सती थीं। पिता द्वारा भगवान शिव की उपेक्षा से क्रोधित होकर सती ने अपना शरीर हवन कुण्ड में समर्पित कर दिया था। बाद में जब सती ने राजा हिमवान के यहां जन्म लिया तो शैलपुत्री या पार्वती कहलाई।

ब्रह्मचारिणी

नवरात्रि के दूसरे दिन देवी दुर्गा की स्तुति ब्रह्मचारिणी स्वरूप में की जाती है। हाथों में माला और कमण्डल लिए हुए तपस्या करती हुई देवी ब्रह्मचारिणी हैं। इनका स्वरूप आनन्ददायी है, यह अज्ञान का विनाश करते हुए ज्ञान का प्रकाश चारों ओर फैलाती हैं। इनकी आराधना वाग्देवी के रूप में भी की जाती है। देवी ने ब्रह्मचारिणी स्वरूप में तप करके भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया था।

चन्द्रघंटा

देवी का तीसरा दिन चन्द्रघंटा स्वरूप होता है। मस्तिष्क पर घंटे के आकार का अर्धचन्द्र होने के कारण ये चन्द्रघंटा कहलाती हैं। स्वर्ण के समान पीले रंग वाली देवी के तीन नेत्र और दस हाथ हैं, जिन पर विविध अस्त्र-शस्त्र सुशोभित हैं। चन्द्रघंटा देवी का वाहन सिंह है। इन्हें श्री समृद्धि की देवी भी माना जाता है। यह दैत्यों का संहार करने वाली तथा प्रकृति की रक्षक भी मानी जाती है।

कूष्माण्डा

नवरात्रि के चौथे दिन देवी के कूष्माण्डा स्वरूप की उपासना की जाती है। ये ब्रह्मांड को उत्पन्न करती हैं। इसलिए इनका नाम कूष्माण्डा है। ब्रह्मांड को उत्पन्न करने वाली ये शक्ति सूर्य के समान तेजस्वी है। इसकी ऊर्जा दसों दिशाओं में फैली हुई है। यह सिंह पर सवार अष्टभुजा देवी है। इनकी भुजाएं अस्त्रों से सुसज्जित हैं। ये प्राकृतिक आपदाओं से मनुष्यों की रक्षा करती हैं।

स्कंदमाता

सर्वशक्तिमान, ममतामयी मां स्वरूपा भगवती दुर्गा का पांचवां रूप स्कंदमाता के रूप में प्रतिष्ठित है। अपने ब्रह्मचारिणी स्वरूप में देवी ने तपस्या करके भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया। भगवान शिव और शक्ति के पुत्र के रूप में स्कंदमाता का जन्म हुआ, जिन्होंने देवताओं की सेना का संचालन किया। देवताओं के सेनापति सनत कुमार की माता के रूप में देवी का स्कंदमाता स्वरूप ममतामयी और मनमोहक हैं। देवी की गोद में स्कंद विराजमान है, देवी की चार भुजाएं और तीन नेत्र हैं। शुभ्रवर्मी देवी पदम पर विराजमान है। सिंह इनका वाहन है।

कात्यायनी

भगवती दुर्गा का छठा स्वरूप पुत्री स्वरूपा है। ऋषि कात्यायन के अनुरोध पर देवी उनकी पुत्री के रूप में प्रकट हुई हैं। सिंह वाहिनी देवी कात्यायनी ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी भी हैं। वृंदावन में गोपियों ने श्रीकृष्ण को पति रूप में पाने के लिए देवी के कात्यायनी स्वरूप की ही आराधना की थी। देवी का कात्यायनी स्वरूप धन, वैभव और सुख प्रदाता है। स्वर्णमयी दिव्य स्वरूपा कात्यायनी देवी के तीन नेत्र और अष्ठ भुजाएं हैं। यह प्राणियों के हितार्थ ऋषि कात्यायन की पुत्री के रूप में अवतरित हुई थीं।

कालरात्रि

नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की आराधना की जाती है। देवी का वाहन गर्दभ (गधा) है। शरीर का रंग गहन अंधकार की भांति काला है, नाक से श्वसन प्रक्रिया में अग्नि की ज्वाला निकलती है। बाल बिखरे हुए हैं। गले में नरमुण्डों की माला और मुर्दों पर सवार देवी का यह स्वरूप भयानक अवश्य है लेकिन फिर भी मां सदैव शुभ फल ही देती हैं। इसी कारण इन्हें शुभंकरी भी कहा जाता है। कालरात्रि दुष्टों का विनाश करती हैं। दैत्य-दानव, राक्षस और भूत-प्रेत तो देवी के स्मरण मात्र से भाग जाते हैं। अपने भक्तों के प्रति उदारमना देवी का एक हाथ सदैव वरदान के लिए उठा रहता है।

महागौरी

भगवती दुर्गा का आठवां स्वरूप महागौरी कहलाता है। देवी के इस सौम्य और सात्विक स्वरूप की लोक कामना की जाती है, इसलिए दुर्गाष्टमी के दिन इस स्वरूप की आराधना के लिए विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। भगवान शिव की घोर तपस्या करके देवी ने शंख, इन्दु और कुंद के समान गौरवर्ण प्राप्त किया था, इसलिए वह महागौरी कहलाती हैं। महागौरी के वस्त्राभूषण श्वेत, स्वच्छ हैं। वह सुवासिनी, शांत और निर्मल चित्त वाली शांत मुद्रा में हैं। उनके एक हाथ में डमरू तो दूसरे हाथ में त्रिशूल है। इनका वाहन वृषभ (बैल) है। महागौरी ने शुम्भ नामक दानव का संहार किया था।

सिद्धिदात्री

भगवती दुर्गा का नौवां स्वरूप सिद्धिदात्री कहलाता है। पुराणों के अनुसार सिद्धिदात्री अणिमा, लघिमा प्राप्ति, प्राकाम्य, महिमा, ईशित्व, वाशित्व सर्व कामावसारिया, सर्वज्ञत्व, दूरश्रवण, परकायाप्रवेश, वाक्सिद्धि, कल्पवृक्षत्व, सृष्टि, संहारकरण सामर्थ्य, अमरत्व, सर्वन्यायकत्व, भावना आदि समस्त सिद्धियों की दाता हैं।

देवीपुराण में कहा गया है कि भगवान शिव ने देवी के इसी स्वरूप की आराधना करके समस्त सिद्धियां प्राप्त की थीं और देवी की कृपा से उनका आधा शरीर देवी का हो गया था। इसी कारण भगवान शंकर अर्द्धनारीश्वर कहलाए। सिंह पर सवार चार भुजाओं वाली देवी सिद्धिदात्री की उपासना सिद्धि या मोक्ष प्राप्ति के लिए की जाती है।

वैसे तो जगत जननी आदिशक्ति मां भगवती की आराधना के लिए देवी भागवत में एक हजार आठ नाम प्रयुक्त किए गये हैं, लेकिन भक्तों के लिए तो भगवती का एक ही नाम मां हजारों सुखों का दाता सिद्ध होता है। भक्तों को देवी हमेशा मां स्वरूप ही दिखाई देती है और देवी भी अपने इसी स्वरूप में भक्तों को आनंदित करती हैं।

यह देवी की ही अद्भुत महिमा है कि जहां एक ओर तो वह सृष्टि का सृजन करके भक्तों की मां कहलाती हैं, वहीं दूसरी ओर दुष्टों का विनाश करके महाकाली भी कहलाती हैं। यही शक्ति की महत्ता है और महानता भी।

(विनायक फीचर्स)

तंत्र साधना का आदर्श स्थान- पाण्डव कालीन बगलामुखी मंदिर

दिनेश चंद्र वर्मा

मध्य प्रदेश के आगर जिले की नलखेड़ा तहसील की पहचान पांडव कालीन पीताम्बरा सिद्ध पीठ मां बगलामुखी के मंदिर के कारण है। विश्व प्रसिद्ध पीताम्बरा सिद्ध पीठ मां बगलामुखी का यह मंदिर शक्ति एवं शक्तिमान के सम्मिलित प्रभाव से युक्त है। यहां पर की जाने वाली साधना आराधना अनंत गुना फलप्रदा होती है। जब कभी शत्रु का भय हो तो बगलामुखी की साधना, आराधना आराधक को फलदायी रहती है। वहीं बगलामुखी की आराधना से शत्रु का स्तम्भन भी होता है। बगलामुखी मंदिर में स्थापित मूर्ति महाभारत कालीन है जो कि भीम पुत्र बर्बरीक द्वारा स्थापित की गई थी। यहां पाण्डवों ने भगवान कृष्ण के कहने पर मां की आराधना कर विजयश्री का वरदान प्राप्त किया था। मां बगलामुखी का वर्णन कालीपुराण में मिलता है। वर्ष की दोनों नवरात्रि के दौरान इस मंदिर पर भक्तों का तांता लगा रहता हैं वही शारदीय व चैत्र नवरात्रि के दौरान तंत्र साधना के लिए तांत्रिकों का जमावड़ा भी यहां लगा रहता है।

विराजित है त्रिशक्ति माँ

पीताम्बरा सिद्धपीठ मां बगलामुखी का मंदिर है जहां त्रिशक्ति मां विराजित है बीच में मां बगलामुखी दाएं मां लक्ष्मी तथा बाएं मां सरस्वती।

दस महाविद्याओं में बगलामुखी का है विशेष महत्व

प्राचीन तंत्र ग्रंथों में दस महाविद्याओं का उल्लेख मिलता है। उनमें से एक है बगलामुखी। मां बगलामुखी का महत्व समस्त देवियों में सबसे विशिष्ट है। शास्त्र के अनुसार इस देवी की साधना आराधना से शत्रुओं का स्तम्भन हो जाता है यह साधक को भोग और मोक्ष दोनों ही प्रदान करती है।

260 वर्ष पूर्व बना सभा मंडप

ग्वालियर रियासत के एक सूबेदार ने संतान प्राप्ति की मनोकामना पूर्ण होने पर गर्भ गृह के बाहर सोलह खम्बों वाले आराधना स्थल का निर्माण कराया था। यह विक्रम संवत 1815 सन 1759 में दक्षिणी कारीगर अबुजी द्वारा निर्मित किया गया था।

कई देवी-देवताओं का भी है वास

मंदिर प्रांगण में काल भैरव की चमत्कारी प्रतिमा स्थापित है जो उज्जैन स्थित काल भैरव के समान मद्यपान का सेवन करती है मंदिर के आहते में ही वीर हनुमान राधा कृष्ण व महाकाल मंदिर भी स्थित है।

इतिहास के झरोखे में दीप-स्तंभ

उज्जैन स्थित मां हरसिद्धि प्रतिमा के सम्मुख निर्मित दीप स्तम्भ के समान ही नलखेड़ा में भी 72 फीट ऊँचा दीप स्तम्भ बना हुआ है जो विशेष अवसरों पर मंदिर परिसर को जगमगाता रहता है। इनकी शिल्प कला की समरुपता को देखते हुए कहा जा सकता है कि राजा विक्रमादित्य ही इस मंदिर तथा दीप स्तम्भ निर्माण के प्रमुख रहे होंगे। उल्लेखनीय है कि दीप स्तम्भ अति प्राचीन मंदिरों में ही पाये जाते है सम्राट विक्रम की आराध्या मां हरसिद्धि के मंदिर की प्रतिकृति इस मंदिर के गर्भगृह की दीवारों की लगभग 05 फीट चौड़ाई एवं कारीगरी भी इस बात के प्रमाण है कि यह मंदिर ईसा से एक शताब्दी पूर्व सम्राट विक्रमादित्य के शासनकाल में निर्मित हुआ होगा। निसंदेह मंदिर निर्माण के पूर्व यहां स्वंयभू प्रतिमा रही होगी।

नदी तट

भारत के शत प्रतिशत प्राचीन मंदिर किसी न किसी नदी के तट पर ही स्थित है। यह मंदिर भी लखुन्दर नदी के किनारे स्थित है। जिसका प्राचीन नाम लक्ष्मणा है। मंदिर परिसर के पृष्ठ भाग की दीवार से सटकर बहती है मानो माता के चरणों को पखारने के लिये ही वह यहां प्रवाहित हो रही है।

तंत्र साधना स्थली

बगलामुखी पूजन में तंत्र विधि महत्वपूर्ण मानी गई है। इस विधि के अंतर्गत श्मशान में तांत्रिको द्वारा रात दिन प्रयोग पूर्वक सिद्धि प्राप्त करने हेतु पूजन की जाती है। यहां आठों दिशाओं में श्मशान स्थित है। साथ ही मंदिर प्रांगण में बिल्व पत्र, चम्पा, सफेद आंकड़ा, आंवला, नीम एवं पीपल के पूजनीय वृक्ष भी स्थित है। प्राचीन काल में संत साधक पुरुष समाधि द्वारा अपनी देह का त्याग करते थे। यहां ऐसी सत्रह समाधियां बनी हुई है। उपर्युक्त दोनों बातें इस बात को बल देती है कि यह मंदिर तंत्र पूजा का पूर्व से ही अति महत्वपूर्ण स्थान रहा है। तंत्र पूजा हमारे देश में पांचवी शताब्दी के पूर्व विशेष रुप से संपादित की जाती थी अघोरी के रूप में आज भी उनके अवशेष पाये जाते है यह बात मंदिर की प्राचीनता की परिचायक है।

कच्छप की मूर्ति

शास्त्रीय आधार पर कहा जा सकता है कि जहां तंत्र-पूजा एवं बलि दी जाती है वहां मुख्य प्रतिमा के सम्मुख कच्छप मूर्ति भी प्रतिष्ठापित की जाती है। मां बगला के सम्मुख प्रवेश द्वार के ठीक सामने कच्छप की मूर्ति स्थापित है जो इसकी प्राचीनता का सद्रूप साक्ष्य है।

इतिहासविद् के उद्गार

प्राकृत भाषा, भाषा साहित्य के इतिहास के अनुसार भारतवर्ष में प्रथम से पांचवी शताब्दी के बीच प्राकृत भाषा सामाजिक बोलचाल की भाषा रही है। इसमें (वद्) प्रत्यय का प्रयोग होता है। इधर क्षेत्र के कई गांवों के नाम आज भी ऐसे ही बोले जाते जैसे- भण्डावद, कल्डावद, नैनावद, करनावद आदि। सुप्रसिद्ध पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर ने इसके पुरातात्विक महत्व को स्वीकार किया है ऐसा प्रसिद्ध बल्डावदा हनुमान मंदिर भी इसी क्षेत्र में स्थित है पृष्ठ भाग में प्रवाहित लखुन्दर नदी पार करने के मार्ग को यहां बगावद कहा जाता है। स्पष्ट है कि बगला माता मंदिर के नाम पर ही इस घाट का नाम बगावद हो गया आज भी नदी पार करने के इस मार्ग को बगावद घाट के नाम से ही व्यापक रुप में जाना जाता है। प्राकृत भाषा की व्यवहार एवं कालावधि इस बात को रेखांकित करते है कि यह मंदिर पॉचवी सदी के काफी पहले से ही यहां स्थित था।

कौरवों से द्यूत क्रीड़ा में हारने के बाद वनवास की अवधि में भगवान कृष्ण ने पाण्डवों को यहां साधना करने हेतु सुझाव दिया था। अनुमान है कि उनकी विद्या स्थली सान्दीपनि आश्रम उज्जैन के सन्निकट होने से यह स्थान आम जनता के बीच भी पर्याप्त चमत्कारिक एवं लोकप्रिय रहा होगा। पांचों पाण्डवों ने शत्रु नाश एवं पुनः राज्य प्राप्ति की कामना से यहां माता की साधना करके अपना मनोरथ पूर्ण किया। कलियुग के पूर्व द्वापर युग में आज से सवा पांच हजार वर्ष पहले महाभारत युद्ध का उल्लेख हुआ है इतिहास भी पांच हजार वर्ष पूर्व हस्तिनापुर में पाण्डवों के राज्य का साक्षी है। दोनों तथ्य इस मंदिर की अति प्राचीनता को प्रमाणित करते है।

वर्तमान में यह स्थान मध्यप्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल घोषित हो चुका हैं यहां की प्राकृतिक छटा के साथ दिन रात होने वाले यज्ञों के मंत्रोच्चार की ध्वनि, पृष्ठ भाग स्थित डेम के जल भण्डार में बोटिंग का मनोहारी दृश्य, घाट स्थित पार्क में फूलों की बहार, संत निवास, धर्मशाला में आवास तथा नवरात्रि पर्व पर भक्तों के लिए फलाहार एवं भोजन की निःशुल्क सुविधा फूलहार तथा साहित्य की उपलब्धता एवं परिसर स्थित विभिन्न देव मंदिरों के साथ यह मंदिर जन जन के आकर्षण का केन्द्र बन गया है।

(विनायक फीचर्स)

विदेशों में भी प्रेरणास्रोत रही है रामकथा

विजयादशमी

मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम का चरित्र सदैव से ही प्रेरणा का स्त्रोत रहा है। एशियाई देशों में रामकथा इतनी लोकप्रिय रही है कि हर एशियाई भाषा में भगवान राम का जीवन चरित्र लिखा गया है। भारत की तो हर भाषा में रामायण मिलती है किन्तु एशियाई देशों में भी रामकथा इतनी व्यापक एवं प्रचलित थी कि कम्बोडिया, थाईलैण्ड और जाबा में रामकथा से चित्रित मंदिर आज भी देखने को मिलते हैं। कम्बोडिया की राजधानी पअंग कोर वाटफ में विश्व के सबसे विशाल मंदिर में रामकथा उत्कीर्ण है। इस मंदिर में लगी विशालकाय चट्टानें इतनी बड़ी हैं कि उन्हें हाथियों से खींचना तक कठिन था, किन्तु ये चट्टानें उस समय आदमी खींच कर लाये थे।

थाईलैण्ड में राम की कथा रामकियेन के नाम से प्रचलित है। यह कथा लगभग उसी स्वरूप में है, जिस स्वरूप में संस्कृत में महर्षि वाल्मीकि ने लिखा है। हां एक अंतर अवश्य है इस कथा में रावण के वध के बाद लंका की स्थिति का भी विवरण मिलता है। इस विवरण के अनुसार चक्रवाल के राजा महापाल ने एक बार लंका पर आक्रमण कर दिया था तब लंका के शासकों की मदद हेतु भगवान राम ने हनुमान को लंका भेजा था।

रामकियेन की मूल कथा जहां वाल्मीकि रामायण के समान है, वहीं उसमें कुछ नये पात्रों का भी समावेश है। कुछ पात्रों के नाम बदले हुए हैं।

कम्बोडिया के अतिरिक्त इंडोनेशिया, थाईलैण्ड, जाबा, सुमात्रा और बाली में रामकथा का आज भी प्रचलन है। कुछ इतिहासकारों की मान्यता है कि इन देशों में बौद्ध धर्म के पहुंचने के कई वर्षों पूर्व से रामकथाएं प्रचलित थीं। स्थानीय भाषाओं में इनका व्यापक प्रचार-प्रसार था। इन देशों में मिले कुछ पुरातत्व अवशेष इस धारणा की पुष्टि करते हैं।

मलेशिया को पूर्ण इस्लामी देश माना जाता है किन्तु वहां 'हकायत सिरीराम' के नाम से आज भी रामकथा प्रचलित है। इस कथा पर आधारित नाटक भी वहां खेले जाते हैं। 'हकायत सिरीराम' मे राम का आदर्श चरित्र तो ज्यों का त्यों है पर कथा एवं पात्रों में वाल्मीकि रामायण से काफी अंतर है। जैसे इस कथा में कैकई का नाम बलिया दरी बताया गया है तथा उसे रानी के स्थान पर दासी बताया गया है। राम को इस कथा में 'सिरीराम' कहा गया है। लक्ष्मण के नाम में कोई परिवर्तन नहीं है, किन्तु भरत को 'वरदान' कहा गया है। सीता को रावण की पुत्री बताया गया है तथा कहा गया है कि सीता के पैदा होते ही ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की थी कि यह कन्या अपने पिता की मृत्यु का कारण बनेगी। रावण ने इस कन्या को नदी में बहा दिया। यह कन्या एक ऋषि को मिली तो उन्होंने उसका पालन -पोषण किया।

इस कन्या के विवाह के लिए ऋषि ने यह शर्त रखी थी कि जो व्यक्ति एक तीर से चालीस वृक्षों को छेद देगा उसके साथ ही इस कन्या का विवाह किया जाएगा। राम ने इस शर्त को पूरा किया और उनका सीता के साथ विवाह कर दिया गया।

इस कथा में रावण की बहिन शूर्पनखा का नाम 'सुरापंडिका' कहा गया है। कथा में हनुमान जी का भी उल्लेख है पर उन्हें वानर नहीं माना गया है। हकायत सिरीराम के अनुसार हनुमान जी अंजनी नामक तपस्विनी के पुत्र थे, उनकी मुखाकृति वानर से मिलती थी। इस कथा में सीता की अग्नि परीक्षा तथा बाद में उन्हें राम द्वारा त्याग देने का उल्लेख भी है। महर्षि वाल्मीकि को इस कथा में 'ऋषि काली' कहा गया है। इस कथा में यह भी कहा गया है कि बाद में राम और सीता का मिलन हो गया था तथा वे वन चले गये थे।

रामायण का चीनी भाषा में भी अनुवाद हुआ तथा कालांतर में वह बौद्ध साहित्य में शामिल हो गया। बौद्ध साहित्य में रामकथा 'दशरथ जातक' के रूप में प्रचलित है। जापान में रामकथा को आज भी नृत्य नाटिका के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। टोकियो के काबुकी थियेटर में रामायण पर आधारित नाटक और नृत्यों का मंचन किया जाता है, जो आज भी वहां बहुत लोकप्रिय है। एशियाई देशों में रामकथा के व्यापक प्रचार-प्रसार के साक्षी मध्य जावा के प्राचीन शिव मंदिर भी हैं। प्रेम बनन तथा पर तरन में स्थित इन दोनों शिव मंदिरों में रामकथा उत्कीर्ण है।

ईरान में नौवीं शताब्दी में रामायण का रूपांतर ईरानी भाषा में हो चुका था। जाबा में दसवीं शताब्दी में रामकथा पर आधारित 'रामायने ककबीन' नामक ग्रन्थ की रचना हो चुकी थी। वहां 'सेरतराम' नामक एक अन्य ग्रन्थ भी मध्यकाल में लिखा गया, जो रामकथा पर ही आधारित है। बाली दीप में आज भी 'चरित्र रामायण' के नाम से रामकथा प्रचलित है। कम्बोडिया में 'रामकेति' नामक एक अति प्राचीन ग्रन्थ उपलब्ध हुआ है। इस ग्रंथ के 80 सर्ग ही मिल पाए हैं तथा इसमें राजा दशरथ के पुत्रयेष्ठि यज्ञ से मेघनाद वध तक की कथा समाहित है।

थाईलैण्ड की राजधानी बैंकाक के बौद्ध मंदिरों में रामकथा उत्कीर्ण है। थाईलैण्ड के शासक आज भी अपने नाम के साथ राम लगाते हैं। थाईलैण्ड में रामकथा पर आधारित कोई एक दर्जन ग्रंथ उपलब्ध हैं।

वर्मा (म्यानमार) में राम के चरित्र पर रामयागन नामक ग्रंथ की रचना हुई। तिब्बती भाषा में भी भगवान राम के जीवन पर आधारित ग्रंथ मिले हैं। तुनछांग की गुफाओं में दो ऐसी पांडुलिपियां मिली हैं, जिनमें राम की कथा थी तथा जिनकी रचना छठवीं एवं सातवीं शताब्दी में हुई थी। साईबेरिया तथा रूस के हाल्मिंग गणराज्य में भी रामकथा प्रचलित होने के प्रमाण मिलते हैं। श्रीलंका में भी सिंहली भाषा में राम की महिमा में कोई आधा दर्जन से अधिक ग्रंथ लिखे जाने के प्रमाण मिले हैं, जिनमें सुवेणी, सीतात्याग तथा जानकी हरण के नाम उल्लेखनीय हैं। भारत में आक्रांताओं के आगमन के पूर्व से ही रामकथा मध्यपूर्व में प्रचलित थी पर मुगल शासकों के काल में अरबी एवं फारसी में भी रामकथा का अनुवाद हुआ। बाद में यूरोपीय देशों में भी रामकथा पहुंची तथा अंग्रेज साहित्यकारों की मान्यता है कि, होमर मिल्टन तथा शेक्सपियर की कुछ रचनाओं पर रामकथा का प्रभाव पाया जाता है। पादरी फ्रेंक हेवलिंग नामक अंग्रेज लेखक ने अपनी पुस्तक 'दी राईज ऑफ रिलीजियस सिग्नीफेन्स ऑफ दी राम' में इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कहा है कि यूरोप में राम का महत्व बढ़ता जा रहा है।

विभिन्न यूरोपीय भाषाओं में रामकथा का अनुवाद हुआ। पार्जिटन ने वाल्मीकि रामायण का अनुवाद किया। रूसी विद्वान वारान्निकोव ने तुलसी कृत रामचरित मानस को अनुदित किया। यूरोपीय विद्वान फादर कामिल बुल्के तो रामकथा से इतने अभिभूत हुए कि वे बीसवीं सदी के रामायण के सबसे बड़े विद्वान के रूप में जाने जाते हैं। अनेक यूरोपीय विद्वानों ने रामकथा की विवेचना और मीमांसा अपने-अपने दृष्टिकोण से की है, जैसे ए.के. वेवर का कथन है कि राम ने श्रीलंका में अपने धर्म के प्रचार हेतु युद्ध लड़ा था। मोनियर विलियम्स के मतानुसार राम ने आर्य संस्कृति के प्रचार के लिए श्रीलंका पर आक्रमण किया था।

RNI No. 46071/85
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।
गोण्डा कार्यालय
फोन/फैक्स-05262-230683
मो0- 09415120085
लखनऊ कार्यालय-
फोन- 0522-4028445
मो0- 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com